गुरुवार
11 जुलाई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

इंजीनियर के सामने नतमस्तक हुए सीएम बोले– कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं

2

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुआ भीषण हादसा, बिहार के शिवहर से दिल्ली जा रही थी बस

टैंकर से टकराई तेज रफ्तार बस, 18 की मौत

- बुधवार की सुबह करीब 5:15 बजे उन्नाव के पास हुई घटना
- मरने वालों में 14 पुरुष, दो महिलाएं व दो बच्चे शामिल, वहीं 30 यात्री घायल
- टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटना के बाद सड़कों पर लाशें बिछ गई, चारों ओर मची रही चीख-पुकार

केटी न्यूज/नई दिल्ली

बुधवार की सुबह की शुरुआत बिहार के लिए बुरी खबर के साथ हुई। बिहार के शिवहर से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस बुधवार की सुबह करीब 5:15 बजे उन्नाव के पास लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसे का शिकार हो गई। इसमें 18 लोगों की जान चली गई। मरने वालों में 14 पुरुष, दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। वहीं घटना में 30 यात्री घायल हैं। बस और दूध से भरे टैंकर के बीच टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घटना के बाद सड़कों पर लाशें बिछ गईं। घायलों की चीख पुकार मच गई। घटना उन्नाव के पास हुई है। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर लगते ही बस कई बार पलटी खाई। इसके बाद वह टुकड़ों में बंट गई। हादसा इतना भीषण था कि आसपास के गांवों तक टक्कर की आवाज सुनी गई। लोगों को लगा कि कहीं कोई बम विस्फोट हुआ हो। देखते ही देखते हादसे की खबर आग की तरह फैल गई। इससे पहले मंगलवार को दिल्ली से सिवान जा रही बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, इसमें पांच यात्रियों की मौत हो गई थी। इस प्रकार दो दिनों में दो भीषण हादसों ने लोगों ने दहला दिया है। उन्नाव बस हादसे पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने दुख जताया है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री ने घटना पर जताया दुख, कहा– मृत्यु का समाचार अत्यंत पीड़ादायक

दूध के टैंकर को ओवरटेक करने के दौरान हुआ हादसा

पुलिस के अनुसार बस दूध के टैंकर को ओवरटेक कर रही थी। उसी दौरान अनियंत्रित हो गई। टैंकर को टक्कर मारते हुई पलट गई। जिसका एक वीडियों भी सामने आया है। 18 मृतकों में 2 की पहचान अभी नही हो पाई है। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया।

हेल्पलाइन नंबर जारी

डीएम गौरांग राठी ने कहा कि घायलों का इलाज बांगरमऊ सीएचसी में इलाज चल रहा है। वहीं गंभीर रूप से जख्मी कई यात्रियों को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया। प्रशासन की ओर से हेल्पलाइन नंबर जारी कर दिए गए हैं।
0515-2970767, 9651432703, 9454417447
8887713617, 8081211289

मृतकों की सूची

- दिलशाद (22) थाना मोदीपुरम, जिला मेरठ,
- बीटू (9) थाना भादूर जिला शिवहर, बिहार
- रजनीश, जिला सीवान, बिहार
- लालबाबू थाना हिरागा जिला शिवहर, बिहार
- राम प्रवेश थाना हिरागा जिला शिवहर, बिहार
- भरत भूषण दास थाना हिरागा जिला शिवहर
- बाबू दास थाना हिरागा जिला शिवहर, बिहार
- मो. सद्दाम निवासी गमरोली थाना शिवहर
- नगमा निवासी भजनपुरा, दिल्ली
- शबाना निवासी भजनपुरा, दिल्ली
- चांदनी निवासी शिवोली, मोतीहारी बिहार
- मो. शफीक निवासी शिवोली, मोतीहारी बिहार
- मुन्नी खातून निवासी शिवोली, मोतीहारी
- तौफीक आलम निवासी शिवोली, मोतीहारी

पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

उन्नाव में हुए भीषण सड़क हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गहरा दुख जताया है। राष्ट्रपति की ओर से इस घटना पर संदेश जारी किया गया है। राष्ट्रपति ने कहा कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुई सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखदाई है। ऐसी आकस्मिक मृत्यु का शिकार हुए लोगों के परिवार के सदस्यों के प्रति मैं गहन शोक संवेदनाएं व्यक्त करती हूं। घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

वहीं सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुई सड़क दुर्घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इसमें जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। ईश्वर उन्हें इस कठिन समय में संबल प्रदान करे। इसके साथ ही मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्नाव में हुए भीषण हादसे पर संवेदना जताई है। सीएम योगी ने सोशल मीडिया एक्स पर किए गए पोस्ट में कहा कि उन्नाव जिले में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद एवं हृदय विदारक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

हादसे में मोतिहारी के एक ही परिवार के 6 लोगों की चली गई जान

उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुए भीषण सड़क हादसे में मोतिहारी के एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई है। शिवहर से दिल्ली जा रही बस में परिवार के सभी 6 लोग सवार थे और बकरीद की छुट्टी खत्म होने के बाद वापस काम पर लौट रहे थे। हादसे के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। दरअसल, यूपी के उन्नाव बस हादसे में पूर्वी चंपारण के फेनहारा के रहने वाले एक ही परिवार 6 लोगों की मौत हुई है। हादसे की जानकारी मिलने के बाद गांव में चारों तरफ चीत्कार का माहौल है। एक ही परिवार के मो. अशफाक, मो. इल्यास, मुनचुन खातून, कमरुल नेशा, सोहैल समेत कुल 6 लोग की मौत हो गई है जबकि दो लोग गम्भीर रूप से घायल। सभी लोग फेनहारा पूर्वी टोला वार्ड 11 के निवासी हैं। हादसे की जानकारी मिलने के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा है। बूढ़ी मां ने बताया कि बकरीद में सभी लोग कुबार्नी देने घर आये थे और मेरठ काम करने वापस जा रहे थे। बता दें कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में भीषण सड़क हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 लोग घायल हो गए हैं। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से पीएमओ ने हादसे में मौत के शिकार हुए लोगों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से मुआवजा देने का एलान किया है।

यात्रियों के कहने के बाद भी नहीं माना ड्राइवर

बस हादसे में घायल एक यात्री ने बताया- हादसे के वक्त बस में सभी सो रहे थे। बस की स्पीड काफी तेज थी। हम लोगों ने कई बार ड्राइवर से कहा भी था कि बस धीरे चलाइए, लेकिन वह नहीं माना। फिर अचानक बहुत तेज आवाज आई। मैं हड़बड़ा गया। देखा तो बस के शीशे टूट गए थे। लोग बाहर सड़क पर पड़े थे। हम लोग पीछे बैठे थे, इसलिए बच गए। बस सड़क पर पलट गई। वहीं बस में सवार एक अन्य यात्री ने कहा कि हादसे के वक्त सो रहा था, तभी जोरदार आवाज हुई। ऐसा लगा भूकंप आ गया। मैं बस की दूसरी साइड बैठा था। बाल-बाल बच गया। मेरे हाथ में चोट आई है। एक अन्य घायल प्रदीप ने बताया कि हम सो रहे थे। कुछ समझ नहीं पाए। जब आंख खुली तो सब सड़क पर पड़े थे। टक्कर बहुत भीषण थी। हम लोग दूसरी तरफ बैठे थे, इसलिए बच गए।

बिना परमिट और बीमा के ही चल रही थी बस, बिल्कुल खटारा थी

जानकारी के मुताबिक बस के कागजों में दर्ज पता फर्जी निकला है। वहीं यह बस बिना परमिट और बिना बीमा के ही चल रही थी। प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह बस खेती किसानी करने वाले व्यक्ति के नाम से महोबा जिले में रजिस्टर्ड थी। जानकारी के अनुसार यह शिवहर के ही रहने वाले शिवनारायण सिंह की थी। वहीं दिल्ली के रहने वाला चंदन जायसवाल पहाड़गंज से बसों को संचालित करते थे। अब इस मामले में आरटीओ अधिकारी बेहटा मुजावर थाने में बस मालिक के नाम पर एफआईआर दर्ज कराएगी। जानकारी के अनुसार इस बस का परिचालन टूरिस्ट परमिट के नाम पर किया जा रहा था। यानि नियम के अनुसार इस बस के इंटर स्टेट चलाने का परमिट नहीं था। नमस्ते बिहार नाम की इस बस की तस्वीर देखकर इसकी स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बिलकुल खटारा स्थिति में थी। बस की टूटी खिड़कियों पर कांच की जगह जुगाड़ के तौर पर प्लाइबोर्ड लगाए गए थे। वहीं बस में अन्य सुविधाओं का भी अभाव था। बस हादसे की शिकार एक महिला ने बताया कि इस बस के मालिक कई और बस चलवाते हैं। लेकिन, हमलोग जब सफर शुरू करने वाले थे तो हमें जानकारी नहीं थी कि हमलोगों को खटारा बस में बिठा दिया जाएगा। बता दें, बिहार से दिल्ली जाने वाली अधिकांश बसों के पास इंटर स्टेट परमिट नहीं होता है, ये लोग परिवहन विभाग को कुछ पैसे देकर टूरिस्ट परमिट के नाम पर ही बसों का परिचालन करते हैं।

नीट केस में सीबीआई टीम ने गया में की छापेमारी, हाथ लगे कई दस्तावेज

केटी न्यूज/पटना

नीट पेपर लीक मामले की जांच कर रही सीबीआई ने अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई की टीम बुधवार को बिहार के गया पहुंची, जहां सीबीआई की टीम ने बाराचट्टी थाना अंतर्गत हरैया गांव में नीट पेपर लीक मामले का एक आरोपित शिवनंदन कुमार के घर छापेमारी की है। शिवनंदन फिलहाल जेल में बंद है। शिवनंदन से पूछताछ के बाद सीबीआई की टीम ने उसके घर पहुंचकर छापेमारी की है। जानकारी के अनुसार सीबीआई की टीम गया जिले के बाराचट्टी थाना अंतर्गत हरैया गांव को पहुंची। गोपनीय ढंग से सीबीआई की टीम पहुंची थी। घंटों छापेमारी करने के बाद टीम वापस लौट गई। सूत्रों के मुताबिक, पेपर लीक से जुड़े कई अहम दस्तावेज सीबीआई के हाथ लगे हैं। बताया जा रहा है कि हरैया के रहने वाले शिवनंदन कुमार ने 40 लाख रुपए में डील की थी।

बलिया में मदरसा में पढ़ने वाले दो छात्रों की मौत

- फूड प्वाइजनिंग की जताई जा रही आशंका
- भुडाडीह गांव के मदरसा मोइनिया रसीदिया का है मामला

केटी न्यूज/बलिया

खेजूरी थाना अंतर्गत भुडाडीह गांव स्थित मदरसा मोइनिया रसीदिया में पढ़ने वाले दो छात्रों की मौत के बाद सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया। छात्रों की मौत फूड प्वाइजनिंग से हुई है या कुछ और यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगा।

जानकारी के अनुसार खेजूरी थाना क्षेत्र के भूड़ाडीह स्थित मदरसा मोइनिया रसीदिया में बिहार प्रान्त के 10 वर्षीय आमान पुत्र आलम निवासी रसूलपुर थाना बरसाई जिला कटिहार तथा 11 वर्षीय मो राकिब पुत्र मो तारिक निवासी दगौच थाना बरसाई जिला कटिहार पढ़ते थे। प्रतिदिन की भांति दोनों छात्र मंगलवार की रात खाना खाने के बाद सो गए। बुधवार की सुबह उठे तो उनके पेट में दर्द होने लगा जिन्हें मदरसा के शिक्षक मो शमशाद ने प्राथमिक उपचार करा जिला अस्पताल लाया। जिसमें मो आमान की रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जबकि मोहमद राकीब जिला चिकित्सालय अचेतावस्था में लाया गया। जहां उसकी भी मौत हो गई। इस बाबत जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ एसके यादव ने बताया कि आमान मृत अवस्था में आया था। जबकि राकिब की जिला अस्पताल में आते वक्त हो गई। बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। सीएमएस ने फूड प्वाइजनिंग की आशंका जताई है। कहा कि हकीकत पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल सकेगी।

एक याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

मुस्लिम महिला भी कर सकती है अपने गुजारा भत्ते की मांग

केटी न्यूज/नई दिल्ली

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं को लकेर बड़ा फैसला सुनाया।कोर्ट ने कहा सीआरपीसी की धारा 125 के तहत एक मुस्लिम महिला पति से गुजारा भत्ता की मांग कर सकती है।मोहम्मद अब्दुल समद नाम के शख्स ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। इस याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने गुजारा भत्ता को लेकर अहम फैसला दिया है।

एक मुस्लिम शख्श ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। कोर्ट ने अपने

फैसले में ये भी कहा कि अगर सीआरपीसी की धारा 125 के तहत आवेदन के लंबित रहने के दौरान संबंधित मुस्लिम महिला का तलाक होता है तो वह 'मुस्लिम महिला तलाक पर अधिकारों का संरक्षण अधिनियम 2019' का सहारा ले सकती है।कोर्ट ने कहा कि 'मुस्लिम अधिनियम 2019' सीआरपीसी की धारा 125 के तहत उपाय के अलावा अन्य समाधान भी मुहैया कराता है। सीआरपीसी की धारा 125 पत्नी, बच्चे और माता-पिता को भरष-पोषण का प्रावधान करती है।

सीआरपीसी की धारा 125 में कहा गया है कि अगर कोई व्यक्ति अपनी पत्नी, बच्चे या माता-पिता के भरण-पोषण से इनकार कर देता है, जबकि वह ऐसा करने में समर्थ है। ऐसे हालात में अदालत उसे भरण-पोषण के लिए मासिक भत्ता देने का आदेश दे सकती है। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत तलाकशुदा पत्नी को गुजारा भत्ता देने के निर्देश के खिलाफ मोहम्मद अब्दुल समद के जरिए दायर याचिका को खारिज कर दिया।कोर्ट ने माना कि 'मुस्लिम महिला तलाक पर अधिकारों का संरक्षण अधिनियम 1986' धर्मनिरपेश कानून पर हावी नहीं हो सकता है।जस्टिस नागरत्ना और जस्टिस मसीह ने अलग-अलग, लेकिन सहमति वाले फैसले दिए।हाईकोर्ट ने मोहम्मद समद को 10 हजार रुपये गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था।

रूपौली उपचुनाव में वोटिंग के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प, एक जवान समेत 4 लोग घायल

केटी न्यूज/पटना

पूर्णिया के रूपौली में हुए विधानसभा उपचुनाव में वोटिंग के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प की घटना सामने आई है। इस दौरान ग्रामीणों द्वारा की गई पत्थरबाजी में एक पुलिस जवान और तीन ग्रामीणों घायल हो गए हैं। भवानीपुर थाना क्षेत्र के बूथ संख्या 75 और 76 पर झड़प की यह घटना हुई है। जानकारी के मुताबिक, बूथ संख्या 75-76 पर वोट देने पहुंचे ग्रामीणों की पुलिस के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई और इसके बाद ग्रामीण उग्र हो गए। गुस्साए ग्रामीणों ने पुलिस टीम पर पथरबाजी शुरू कर दी। जिसमें एक जवान और तीन ग्रामीण चोटिल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस के आला अधिकारी और जिला प्रशासन की टीम पहुंची। पुलिस ने हालात को काबू में कर लेने का दावा किया है। एएसपी और डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में कैंप कर रही है। इससे पहले रूपौली के गोरियर बूथ संख्या 235 पर निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह और उनकी पत्नी ने समर्थकों के साथ हंगामा किया था। उनका आरोप था कि वोटर्स को वोट देने से जबरन रोका जा रहा है। उन्होंने पुलिस पर समर्थकों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस के आला अधिकारी और जिला प्रशासन की टीम पहुंची है। पुलिस ने हालात को काबू में कर लेने का दावा किया है। एएसपी और डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल गांव में कैंप कर रही है।

बीमा भारती ने बूथ एजेंट के साथ मारपीट का लगाया आरोप, कहा- प्रशासन बिका हुआ है

पटना। पूर्णिया के रूपौली में विधानसभा उपचुनाव के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प की घटना की जानकारी मिलते ही आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती लोगों के साथ धरना पर बैठ गयीं। बीमा भारती ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाया है। अपने सोशल मीडिया हैंडल पर वीडियो पोस्ट करते हुए बीमा भारती ने लिखा है कि बूथ पर प्रशासन कैसे परेशान कर रहा है मेरे बूथ एजेंट के साथ मारपीट किया गया। प्रशासन बिका हुआ है। रुपौली की जनता माफ नहीं केरेगी। इससे पहले निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह और उनकी पत्नी ने आरोप लगाया था कि पुलिस ने वोटरों के साथ मारपीट की है। जिसके विरोध में जनता के साथ बीमा भारती धरना पर बैठ गई। इससे पहले रूपौली के गोरियर बूथ संख्या 235 पर निर्दलीय प्रत्याशी शंकर सिंह और उनकी पत्नी ने समर्थकों के साथ हंगामा किया था। उनका आरोप था कि वोटर्स को वोट देने से जबरन रोका जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की सह पर ऐसा किया गया। उन्होंने पुलिस पर समर्थकों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की थी।

मरीन ड्राइव के तीसरे फेज के लोकार्पण अवसर पर हुआ अजीब वाक्या

इंजीनियर के सामने नतमस्तक हुए सीएम बोले- कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं

- सीएम नीतीश लगातार अधिकारियों से कह रहे हैं कि किसी भी हाल में चुनाव से पहले काम पूरा कर लें
- सीएम जैसे ही हाथ जोड़कर आगे बढ़े, तो सचिव प्रत्यय अमृत ने हाथ जोड़कर उनका रास्ता रोक लिया

केटी न्यूज/पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को पटना के मरीन ड्राइव के तीसरे फेज का लोकार्पण किया। इस दौरान एक अजीब वाक्या हुआ। मुख्यमंत्री अचानक उठे और वहां मौजूद निर्माण एजेंसी के इंजीनियर का पैर छूने के लिए हाथ जोड़कर आगे बढ़े और कहा कि कहिए तो हम आपका पैर छू लेते हैं हालांकि तभी विभागीय सचिव प्रत्यय अमृत ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री को रोक दिया। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री एक कार्यक्रम के दौरान विभागीय सचिव के सामने हाथ जोड़ने लगे थे। दरअसल, बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव को अब कुछ ही समय शेष रह गया है। ऐसे में सीएम नीतीश कुमार किसी हाल में चुनाव से पहले-पहले सभी विकास योजनाओं को पूरा करा लेना चाहते हैं। सीएम नीतीश लगातार अधिकारियों से कह रहे हैं कि किसी भी हाल में चुनाव से पहले काम को पूरा कर लेना नहीं तो जनता उनसे सवाल पूछेगी। काम कराने के लिए सीएम नीतीश अधिकारियों के हाथ जोड़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बुधवार को मरीन ड्राइव के तीसरे फेज का उद्घाटन करने के लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम में दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा के साथ साथ स्थानीय सांसद रविशंकर प्रसाद और बिहार विधानसभा के स्पीकर नंदकिशोर यादव मौजूद थे। लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री जैसे ही वहां से चलने के लिए उठे तो सामने खड़े निर्माण एजेंसी के इंजीनियर से कहा कि तेजी से काम को पूरा करें। उन्होंने कहा कि जल्दी से जल्दी काम पूरा होना चाहिए.. कहिए तो आपका पैर भी छू लेंगे। सीएम नीतीश इंजीनियर का पैर छूने के लिए जैसे ही हाथ जोड़कर आगे बढ़े, वहां मौजूद पथ निर्माण विभाग के सचिव प्रत्यय अमृत ने हाथ जोड़कर उनका रास्ता रोक लिया और ऐसा नहीं करने की अपील की। सीएम के इस व्यवहार से वहां मौजूद हर कोई हैरान रह गया। बता दें कि कुछ दिन पहले भी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान विभागीय सचिव के सामने हाथ जोड़ लिया था और कहा था कि हम आपके सामने हाथ जोड़ते हैं, जल्द से जल्द काम पूरा करिए, कहिए तो आपका पैर भी छू लेंगे।

लोकार्पण के साथ ही मरीन ड्राइव पर शुरू हुआ परिचालन

पटना। पटना के लोगों को डबल इंजन सरकार ने बड़ी सौगात दी है। पटना के मरीन ड्राइव के तीसरे फेज का सीएम नीतीश कुमार ने लोकार्पण कर दिया है। इसके साथ ही इस मार्ग पर वाहनों का परिचालन शुरू हो गया है। दरअसल, मुंबई के मरीन ड्राइव की तर्ज पर पटना के मरीन ड्राइव को विकसित किया जा रहा है। साल 2022 में सीएम नीतीश कुमार ने पहले चरण में दीघा से पीएमसीएच तक मरीन ड्राइव का लोकार्पण किया था जबकि दूसरे चरण में एक साल बाद 2023 में पीएमसीएच से गायघाट तक इसका विस्तार किया गया था और अब गायघाट से कंगन घाट तक का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है। गंगा नदी के किनारे विकसित किए गए मरीन ड्राइव पथ में दीघा से गायघाट तक साढे 12 किलोमीटर सड़क पर परिचालन हो रहा है। तीसरे चरण में गायघाट से कंगन घाट तक जोड़ लिया जाए तो अब दीघा से कंगन घाट के बीच करीब 17 किलोमीटर जेपी गंगा पथ बनकर तैयार हो गया है। लोकार्पण के बाद अब सोनपुर और हाजीपुर की तरफ से आने वाले लोग काफी कम समय में दीघा की तरफ से आसानी से पटना सिटी तक जा सकेंगे।

बांका जिले में पदस्थापित दारोगा के ठिकानों पर छापा, ढाई लाख कैश, 5 लाख के जेवर बरामद

केटी न्यूज/पटना

बिहार के बेगूसराय में बांका जिले के शंभूगंज थाना के थानाअध्यक्ष ब्रजेश कुमार के आवास पर निगरानी की टीम ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में छापेमारी की। यहां से निगरानी की टीम ने 2 लाख 50000 कैश, 5 लाख के मूल्य के जेवरात और कुछ जमीन के कागजात को जब्त किए हैं। निगरानी डीएसपी ने बताया कि 69 लाख आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज हुआ था। उसी को लेकर छापेमारी की गई।

निगरानी डीएसपी समीर चंद्र झा ने बताया कि बांका के शंभूगंज के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार के बेगूसराय आवास पर निगरानी की कार्रवाई की गई. उन पर आय से अधिक संपत्ति के मामले में निगरानी थाना का संख्या 6/2024 दर्ज की गई है। निगरानी डीएसपी ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद एक टीम का गठन किया गया। 12 सदस्यी टीम बनाकर उनके बाघी स्थित आवास पर छापेमारी की गई। छापेमारी में करीब 5 लाख के जेवरात, करीब ढाई लाख रुपये कैश बरामद किए गए हैं। इनके बांका के शंभूगंज स्थित आवास पर भी छापेमारी की गई है। इन पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की सूचना मिली थी. डीएसपी ने बताया कि सूचना के सत्यापन के बाद जब जांच की गई तो आय से 69 लाख अधिक की संपत्ति पाई गई। इसके बाद कार्रवाई चल रही है। कागजात भी बरामद किए गए हैं।

नीतीश जैसा अक्षम और लाचार सीएम कोई नहीं: तेजस्वी

केटी न्यूज/पटना

विकास कार्यों को तय समय पर पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अधिकारियों और कर्मियों के सामने कभी हाथ जोड़ रहे हैं तो कभी उनका पैर छूने की बात करते हैं। पिछले दिनों सीएम नीतीश राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के सचिव के सामने हाथ जोडते दिखे थे तो बुधवार को मरीन ड्राइव के तीसरे फेज के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान इंजीनियर के पैर छूने की कोशिश करने लगे। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसको लेकर तीखा तंज किया है। तेजस्वी ने एक्स पर लिखा कि, पूरे विश्व में इतना असहाय, अशक्त, अमान्य, अक्षम, विवश, बेबस, लाचार और मजबूर कोई ही मुख्यमंत्री होगा जो BDO, SDO, थानेदार से लेकर वरीय अधिकारियों और यहां तक कि संवेदक के निजी कर्मचारी के सामने बात-बात पर हाथ जोड़ने और पैर पड़ने की बात करता हो?

उन्होंने लिखा कि, बिहार में बढ़ते अपराध, बेलगाम भ्रष्टाचार, पलायन एवं प्रशासनिक अराजकता का मुख्य कारण यह है कि एक कर्मचारी तक (अधिकारी तो छोड़िए) मुख्यमंत्री की नहीं सुनता? क्यों नहीं सुनता और क्यों नहीं आदेशों का पालन करता, यह विचारनीय विषय है? हालाँकि इसमें कर्मचारी व अधिकारियों का अधिक दोष भी नहीं है। तेजस्वी ने आगे लिखा, एक कमजोर बेबस मुख्यमंत्री के कारण बिहार में होना वही है जो चंद सेवारत और सेवानिवृत्त अधिकारियों ने ठाना है क्योंकि अधिकारी भी जानते है कि ये 43 सीट वाली तीसरे नंबर की पार्टी के मुख्यमंत्री है।

नेता प्रतिपक्ष ने एक्स पर लिखा, जब शासन में इकबाल खत्म हो जाए हो और शासक में आत्मविश्वास ना रहे तब उसे सिद्धांत, जमीर और विचार किनारे रख ऊपर से लेकर नीचे तक बात-बात पर ऐसे ही पैर पड़ना पड़ता है। बहरहाल हमें कुर्सी की नहीं बल्कि बिहार और 14 करोड़ बिहारवासियों के वर्तमान और भविष्य की चिंता है।

शेरघाटी पुलिस ने 50 हजार रु के इनामी अपराधी अमित को दबोचा

केटी न्यूज/पटना

गया की शेरघाटी थाना पुलिस ने अपहरण के बाद हत्या के मुख्य आरोपी कुख्यात अमित कुमार को गया रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया है। मामला 10 दिसंबर 2023 का है। गया एसएसपी आशीष भारती ने इस बात की जानकारी दी। एसएसपी ने बताया कि कुख्यात अमित कुमार हत्या के बाद से फरार चल रहा था। आरोपी अमित नवादा जिले का रहने वाला है। पूर्व में भी इस हत्याकांड में शामिल अन्य दो आरोपी शुभम कुमार उर्फ चीकू और शिवम कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार दोनों अपराधियों की निशानदेही पर देहीपर से अगवा युवक की लाश जहानाबाद के घोसी थाना क्षेत्र के डैडी पुल के नीचे से बरामद किया गया था। अपराधियों ने गया के मिर्जा गालिब कॉलेज जाने के क्रम में उठा लिया था और उसे जहानाबाद में ले जाकर नशे का इंजेक्शन देने के बाद हाथ में रस्सी बांधकर उसकी फोटो खींचने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी।

देखते ही देखते धराशायी हो गया महज पांच साल पहले बना पुल

केटी न्यूज/पटना

बिहार में पुलों के ध्वस्त होने का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले 22 दिन के भीतर अबतक 15 पुल-पुलिया धराशायी हो चुके हैं। लगातार पुलों के गिरने को लेकर विपक्ष डबल इंजन सरकार पर हमलावर है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने तो जैसे सरकार के खिलाफ मोर्चा ही खोल दिया है। दरअसल, सहरसा के महिषी प्रखंड अंतर्गत कुंदह पंचायत स्थित प्राणपुर एनएच 17 से बलिया-सिमर जाने वाली सड़क में बना पुल ध्वस्त हो गया है। जानकारी मुताबिक बिहार सरकार में जदयू कोटे से मंत्री बने रत्नेश सादा के गृह पंचायत में ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा करीब पांच साल पहले यह पुल बनवाया गया था। पुल के गिरने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कैसे देखते ही देखते पुल ने जल समाधि ले ली। ग्रामीणों ने पुल के निर्माण में भ्रष्टार के आरोप लगाए हैं। पांच साल में ही पुल के टूटने पर सवाल उठ रहे हैं।

दो हजार से अधिक रूटों पर परिचालन शुरू करने की कवायद में जुटी सरकार

बिहार के सुदूर इलाकों में चलाई जाएंगी सरकारी बसें

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार ने गांव और कस्बों में भी सरकारी बसों को चलाने का फैसला लिया है। जल्द ही सुदूर में बसे गांव और कस्बे बस सेवा से जुड़ जाएंगे। परिवहन विभाग ने राज्य के 2005 नए रूटों पर बसों को चलाने का फैसला लिया है और इससे जुड़ी अधिसूचना भी जारी कर दी है।

इस योजना के तहत कुल 38 जिलों के प्रखंडों को जिला मुख्यालय और प्रमुख इलाकों से जोड़ा जाएगा। दरअसल, परिवहन विभाग ने मुख्यमंत्री प्रखंड परिवहन योजना के तहत 2005 नए रूटों पर बसों को चलाने का फैसला लिया है। विभाग की तरफ से मंगलवार को इसकी अधिसूचना भी जारी कर दी गई है। अधिसूचना के मुताबिक, मोतिहारी में 175, रोहतास में 126, बेतिया में 99, पटना में 96, सीतामढ़ी में 90, गोपालगंज में 87 रूटों पर सरकारी बसों का परिचालन किया जाएगा। इसके साथ ही साथ पूर्णिया में 84, कटिहार में 81, मधेपुरा में 77, बेगूसराय में 74, बांका में 62, किशनगंज में 75, भागलपुर में 56, औरंगाबाद में 55, भोजपुर में 53, छपरा में 48, बक्सर में 48, अररिया में 46, गया-45, नालंदा-45 रूटों पर परिवहन विभाग ने बसों को चलाने का फैसला लिया है। इसके अलावा मुंगेर- 44, अरवल- 42, जहानाबाद- 40, घगड़िया- 39, जमुई- 37, मुजफ्फरपुर- 33, सुपौल- 33, सहरसा- 33, मधुबनी- 26, कैमूर- 24, लखीसराय- 23, नवादा- 22, सीवान- 20, समस्तीपुर-18, दरभंगा-17, वैशाली- 13, शेखपुरा-8 और शिवहर में 6 रूटों पर सरकारी बसों को संचालित किए जाने की अधिसूचना परिवहन विभाग ने जारी की है। सरकार के इस फैसले से सुदूर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को बड़ा लाभ मिलेगा।

कई सालों बाद बना संयोग: सावन सोमवार से शुरू और सोमवार को ही होगा समापन

- सर्वना नक्षत्र से सावन का प्रारंभ और सर्वना नक्षत्र में ही मास का समापन भी
- पुराणों के अनुसार सावन में भोले शंकर की पूजा, अभिषेक, शिव स्तुति, मंत्र जाप का खास महत्व है

केटी न्यूज/डुमरांव

इस बार भगवान शिव का प्रिय मास सावन में कई विशेष संयोग बन रहे हैं। सोमवार 22 जुलाई से पवित्र माह की शुरूआत होगी और समापन 19 अगस्त सोमवार को ही होगा। महासंयोग यह भी है कि सर्वना नक्षत्र से सावन का प्रारंभ और सर्वना नक्षत्र में ही मास का समापन भी है। काफी शुभ फलदायक है। ज्योतिष के जानकार आचार्य आदित्य तिवारी जी महाराज कहते हैं कि काफी सालों बाद इस बार सावन मास में पांच सोमवार है। खास यह कि सावन की शुरुआत कृष्ण पक्ष से हो रही है। जबकि, शुक्ल पक्ष में समापन हो रहा है। बड़ी बात यह भी कि पांच अगस्त सोमवार से शुक्ल पक्ष की शुरुआत है। तो 19 अगस्त सोमवार को इस पक्ष का समापन भी हो रहा है। इस सावन कई शुभ योगों का मिलन भी होगा। पुराणों के अनुसार सावन में भोले शंकर की पूजा, अभिषेक, शिव स्तुति, मंत्र जाप का खास महत्व है। खासकर सोमवारी के दिन महादेव की आराधना से शिव और शक्ति दोनों प्रसन्न होते हैं। आचार्य ने बताया कि भोले शंकर औघड़दानी हैं, अपने भक्तों की पुकार जरूर सुनते हैं। उनके शरण में जाने वालों को कोई कष्ट छू नहीं सकता। इनकी कृपा से दैविक, दैहिक और भौतिक संतोपों से मुक्ति मिलती है।

सजने लगे शिव मंदिर, हर तरफ उत्साह: सावन माह को लेकर शहर के सुप्रसिद्ध बाबा जंगलीनाथ शिव मंदिर, महाकाल मंदिर, लंगटू महादेव मंदिर, महरौरा शिव मंदिर, छठिया पोखरा शिव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिर रंग-रोगन के साथ सजने-संवरने लगे हैं। सावन मास में भीड़ को देखते हुए कई मंदिरों में श्रद्धालुओं के लिए दो कतार बनायी जाएगी। जिसमें एक लाइन में पुरुष व दूसरी लाइन में महिलाएं खड़ी होंगी।

सावन सोमवारी का है विशेष महत्व

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार सावन सोमवार का व्रत करने से शिवजी की कृपा मिलती है। साथ ही जीवन में सुख समृद्धि मिलती है। इसके अलावा शिव कृपा से वैवाहिक जीवन खुशहाल बनता है। सावन में भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से ग्रह-नक्षत्रों का शुभ फल मिलता है, सभी ग्रह दोष दूर होते हैं क्योंकि भगवान शिव सभी ग्रह-नक्षत्र और सृष्टि के स्वामी हैं। जो व्यक्ति भगवान शिव की पूजा अर्चना नहीं कर सकता, उसे सावन सोमवार के दिन भगवान भोलेनाथ की पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए।

कब-कब सावन की सोमवारी

22 जुलाई - पहली सोमवारी
29 जुलाई - दूसरी सोमवारी
05 अगस्त - तीसरी सोमवारी
12 अगस्त - चौथी सोमवारी
19 अगस्त - पांचवी सोमवारी

बाढ़ पूर्व तैयारी में जुटा प्रशासन, बाढ़ की आशंका जता चुका है आपदा विभाग

बढ़ने लगा गंगा का जल स्तर, बक्सर में बाढ़ की आशंका से सहमे हैं तटवर्ती लोग

- बाढ़ आने पर जिले के चौसा, सिमरी, ब्रह्मपुर व चक्की प्रखंड के दियारे इलाके के दर्जनों गांव हो जाते हैं जलमग्न

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में गंगा का जल स्तर धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। बुधवार को जलस्तर 49 मीटर को पार कर गया था। हालांकि जल स्तर बढ़ने का रफ्तार काफी कम है तथा अभी भी खतरे के निशासन से काफी नीचे है। बावजूद जिले में बाढ़ की आशंका गहराने लगी है। जिसे देखते हुए एकतरफ जिला प्रशासन बाढ़ पूर्व तैयारियों में जुट गया है तो दूसरी तरफ तटवर्ती इलाके के लोग भी सुरक्षित स्थानों की टोह शुरू कर दिए है। आपदा विभाग इस बार बाढ़ की आशंका जता चुका है। जिस कारण लोग बाढ़ की विभिषिका से सहमे हुए है। बाढ़ आने पर जिले के चौसा, सिमरी, ब्रह्मपुर व चक्की प्रखंड के दियारे इलाके के दर्जनों गांव जलमग्न हो जाते हैं। पानी घटने का दियारा का सड़क संपर्क भी टूट जाता है। जिस कारण लोगों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ता है।

अधिकारियों के साथ तटबंध का निरीक्षण करते डीएम।

जिला प्रशासन ने शुरू कर दिया है सतर्कता: बता दें कि बाढ़ पूर्व जिला प्रशासन तैयारियों में जुट गया है। पिछले सप्ताह ही डीएम अंशुल अग्रवाल व एसपी मनीष कुमार सिमरी प्रखंड के दियारा इलाके में जाकर कोईलवर तटबंध का निरीक्षण किए थे। इस दौरान बांध में कटाव देख डीएम ने तत्काल उसके मरम्मत का निर्देश दिया था तथा तटबंध के अंदर स्थायी घर बना रहने वाले लोगों के सुरक्षित ठिकाने पर पहुंचाने का निर्देश दिया है। जबकि तटबंध की सुरक्षा के साथ ही बाढ़ से बचाव के उपकरण तैयार रखने का निर्देश डीएम ने दिया था। वही सीएस को बाढ़ आने पर जरूरी दवाओं के साथ डॉक्टर तथा अन्य स्टॉफो को तैयार रहने को कहा है। इसके अलावे पशुचारा, प्रभावित लोगों के पुनर्वासन तथा उनके अस्थायी कैंप में ठहराने, भोजन तथा दवा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

गंगा के रफ्तार से सहमे दियारावासी: जानकारी के अनुसार पिछले एक पखवाड़ें से अधिक समय से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। जिससे दियारावासी सहमें हुए है। सिमरी अंचल के गंगौली के अरूण ठाकुर, श्रीकांत राय के डेरा के मनोज राय, तिलक राय के हाता के मदन बिंद आदि ने कहा कि इस बार गंगा का जल स्तर बहुत पहले से बढ़ना शुरू हो गया है। जिस कारण बाढ़ की आशंका बनी हुई है। बड़का राजपुर के मोहन मिश्र, नियाजीपुर के पंकज पाठक आदि ने कहा कि बाढ़ आने पर खेती का बड़ा नुकसान होगा। बता दें कि बाढ़ आने पर दियारा इलाके में हजारों एकड़ खेत डूब जाते है। जिससे किसानों को बड़ा नुकसान होता है।

बाढ़ से प्रभावित होते है पांच प्रखंड: बता दें कि बाढ़ से जिले के चौसा, सदर, सिमरी, चक्की व ब्रह्मपुर प्रखंड के चार दर्जन से अधिक गांव प्रभावित होते है। इनमें चौसा प्रखंड में तो मुख्य पथ तक बाढ़ का पानी आ जाता है। जबकि सदर प्रखंड के अर्जुनपुर के पास, सिमरी प्रखंड के केशोपुर तथा ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर व ढाबी में कटाव का सामना करना पड़ता है। जिससे प्रभावित इलाके के हजारों की आबादी को करीब महीने भर तक विस्थापितों जैसी जिंदगी बितानी पड़ती है। इसे लेकर प्रशासन की ओर से तैयारी करने का निर्देश दिया गया है। ताकि बाढ़ के दौरान लोगों को परेशानी नहीं हो।

डुमरांव में सफाई मजदूरों के कचरा उठाव के बाद भी लोग फेंक रहे कूड़ा

डुमरांव । सुबह में डोर टू डोर कूड़े का उठाव एनजीओ के सफाई मजदूरों द्वारा किया जाता है। कूड़ा उठाव के बाद भी लोग कूड़े को फेंक देते हैं, जिससे गली, मोहल्लों में गंदगी फैल जाती है। लोगों से बार-बार अपील की जाती है कि घर का कूड़ा अपने दरवाजे के बाहर छोड़ दें, मजदूर जाकर उठा लेंगे, लेकिप ऐसा नहीं किया जाता है। मजदूर जब कूड़े का उठाव कर मोहल्ले से चले जाते हैं तो घर के बाहर और किसी एक जगह पर कूड़े को फेंक दिया जाता है, जिससे गंदगी तो फैलती ही है, लोगों को परेशानी भी होती है। उक्त बातें शहरी पार्क के पीछे चीकटोली मोहल्ले में सफाई करने के बाद भी दरवाजे पर कूड़ा फेंक दिया जाता है। इतना ही नहीं शहीद पार्क के पीछे भी कूड़े को फेंक अंबार लगा दिया गया है, जो सही नहीं है। बहाल एनजीओ सप्ताह में रविवार को छोड़ छह दिन नगर की सफाई करता है। चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने निरीक्षण किया। तो पाया की मोहल्ले की सफाई होने के बाद भी लोग अपने दरवाजे पर कूड़ा फेंक दिये हैं। इतना ही नहीं शहीद पार्क के पीछे भी कूड़े फेंका गया था। उन्होंने लोगों को समझाया कि डोर टू डोर कूड़े का उठाव किया जा रहा है।

खबरें फटाफट

पुलिस को पीछा पड़ते देख शराब फेक भागे तस्कर

डुमरांव। बुधवार को नया भोजपुर ओपी पुलिस ने ओपी क्षेत्र के एनएच 922 पर गुप्त सूचना पर बाइक से शराब की डिलीवरी लेकर जा रहे तस्कर का पीछा किया। लेकिन, पुलिस को देखते ही तस्कर बाइक की स्पीड बढ़ा भागने लगा। उसे जब लगा कि पुलिस उसका पीछा ऐसे नहीं छोड़ेगी तो उसने जिस बोरी में शराब की बोतले रखा था उसे सड़क पर गिरा दिया तथा तेजी से भाग निकला। पुलिस ने जब बोरी की तलाशी ली तो उसमें से 8पीएम ब्रांड की चार पेटी शराब बरामद हुआ। नया भोजपुर ओपी प्रभारी मनीष कुमार ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि तस्कर की पहचान कर ली गई है। उसके खिलाफ उत्पाद अधिनियम के तहत केस दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए लगा शिविर

डुमरांव। फाइलेरिया उन्मूलन अभियान के तहत प्रखंड के अरियांव व डुभकी गांव में रात्रि शिविर लगाया गया। शिविर में जांच के लिए ग्रामीणों में काफी उत्सुकता देखी गई। महिलाएं अपने बच्चों को लेकर पहुंची हुई थी। सभी का ब्लड का सेंपल लिया गया। लगभग 300 ग्रामीणों का ब्लड का सेंपल लिया गया। फिर उसे सुरक्षित रखते हुए दूसरे दिन पीएचसी में जांच के लिए हैंडओवर कर दिया गया। पीएचसी प्रभारी आर बी प्रसाद ने बताया की सभी सेंपल को तकनीसियन के हवाले कर दिया गया है। सेंपल को दवा में मिलाकर जांच के लिए उसे सुरक्षित रखा गया है। बुधवार को उसकी जांच शुरू की गई है, एक दो दिन में रिपोर्ट मिल जाएगा। रिपोर्ट मिलने के बाद इस पर कार्रवाई शुरू की जाएगी। यदि कोई पॉजीटीव पाया जाता है तो उसका इलाज करते हुए दवा फ्री में दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुरूवार को पुरानाभोजपुर व नावाडेरा गांव में शिविर लगाया जाएगा। शिविर लगाने की सूचना क्षेत्र की आशा और एएनएम के द्वारा ग्रामीणों को पहले ही दे दिया जाता है। जांच शिविर में अफरोज आलम, अक्षय कुमार, धर्मेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, रविकांत, जीएनएम अभिषेक, पिंटू, प्रीति सहित अन्य मौजूद रहे।

एक नजर

नियोजन कार्यालय लगा रहा रोजगार कैम्प

बक्सर। जिला नियोजनालय द्वारा गुरुवार को आईआईटी मैदान में आठवी से 12 वीं पास छात्र-छात्राओं के लिए रोजगार शिविर का आयोजन कर रहा है। इसकी जानकारी जिला नियोजनालय द्वारा दी गई है। बताया जाता है कि गुरुवार को लगने वाला शिविर सुबह 10 बजे शाम 4 बजे तक लगेगा। जिसके अंतर्गत इस शिविर में प्रशिक्षु कार्यकारिणी का नियोजन किया जाएगा। जिसके 100 पद रिक्त है। इसके लिए डिक्सन ब्लिंकित एलआईसी के तीन कम्पनी द्वारा प्राशिक्षु कार्यकारिणी के माध्यम से चयन प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इसके चयन प्रक्रिया में भाग लेने आने आवेदन कर्ता अपना बॉयोडाटा, फोटो, आधार लेकर रोजगार कैम्प में भाग ले सकते है।

बाउंड्री तोड़ने को लेकर विवाद, एक जख्मी

डुमरांव। डुमरांव थाना क्षेत्र के एक प्राइवेट स्कूल के समीप जमीन की बाउंड्री तोड़ने के विवाद में नामजदों द्वारा एक युवक की पिटाई कर दी गयी। जिसमें युवक जख्मी हो गया, जिसका इलाज अनुमंडल अस्पताल में कराया गया। पीड़ित टेढ़ी बाजार निवासी जगन्नाथ प्रसाद के पुत्र कैलाशपति प्रसाद के बयान पर स्थानीय पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज किया हैं। पीड़ित ने पुलिस को दिए गये आवेदन में बताया है कि वह अपनी जमीन पर बाउंड्री कराया था। तभी दीनानाथ प्रसाद, सुनील कुमार सहित सात नामजद के साथ 50 अज्ञात लोग वहां पहुंच और बाउंड्री की दीवार तोड़ने लगे। जब पीड़ित ने इसका विरोध किया तो वह सभी गाली-गलौज करते हुए उसकी पिटाई कर दी। थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने बताया कि पुलिस मामले को दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दी है।

घर में चोरी, नामजद प्राथमिकी दर्ज

नावानगर। बासुदेवा ओपी क्षेत्र अंतर्गत गोविंदपुर गांव के सोहराई राम के घर में चोरी होने का मामला प्रकाश में आया है। इसको लेकर सोहराई राम की पत्नी अनिता देवी ने बासुदेवा ओपी में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई है। श्रीराम राम पर नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया गया है। दर्ज प्राथमिकी के आवेदन में पीड़िता ने बताया है कि, कि वह घर मे सोई हुई थी। तभी कुछ गिरने की आवाज उन्हें मिली। जिसके बाद वह आवाज की दिशा में देखने पहुंची। तभी देखा कि पड़ोस के ही श्रीराम राम बक्से का ताला तोड़कर सामान निकाल रहे हैं। यह देखकर पीड़िता ने शोर मचाने लगी। तभी नामजद ने पीड़ित महिला को धक्का देकर भाग निकला। पीड़िता ने बताया है का घर में चोरी गई नगद रुपए पांच हजार के अलावा एक लाख दस हजार का सामान चोरी गई है। इस संबंध में ओपीध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने बताया कि पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर लिया गया है। साथ ही मामला कि जांचोपरांत करवाई की जाएगी।

डुमरांव में शराब के नशे में दो नशेड़ी धराये

डुमरांव। डुमरांव पुलिस ने शराब के नशे में दो को धर पकड़ा हैं। थानाध्यक्ष शंभू भगत ने बताया कि पकड़े गये आरोपियों की पहचान सम्हार गांव निवासी अंशु कुमार और हाता गांव के पप्पू कुमार के रूप में हुई है। दोनों आरोपियों का मेडिकल जांच कराया, जहां डॉक्टरों ने जांच में शराब पीने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों शराब पीकर अलग-अलग गांवों में हंगामा करते हुए लोगों से गाली-गलौज कर रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया और मेडिकल जांच के बाद केस दर्ज करते हुए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

खंडित हुई बाबा साहब की प्रतिमा, आक्रोश

राजपुर। राजपुर प्रखंड मुख्यालय परिसर में स्थापित बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा असमाजिक तत्वों ने क्षतिग्रस्त कर दी है। प्रतिमा की एक अंगुली तोड़ दी गयी है। बुधवार को प्रखंड कार्यालय आए समाजसेवियों की नजर जब प्रतिमा की खंडित उंगली पर पड़ी तो नाराजगी व्यक्त किया। देखते ही देखते वहा सैकड़ो समाजसेवी एवं बुद्धिजीवियों का जमावडा लग गया। जिन्होंने इसकी शिकायत वरीय पदाधिकारी तथा स्थानीय पुलिस से की। सूचना मिलते ही बीडीओ सिद्धार्थ कुमार, एमओ धर्मवीर भारती, थाना अध्यक्ष संतोष कुमार के अलावा अन्य लोगों ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि इसकी जांच की जा रही है। दोषी पाए जाने वाले लोगों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। विदित हो कि नौ माह पूर्व भी असामाजिक तत्वों द्वारा आपसी भाईचारा बिगाड़ने की नीयत से बाबा साहब की प्रतिमा की उंगली को खंडित कर दिया गया था। जिसको लेकर समाजसेवियों एवं बुद्धिजीवियों ने अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। तभी से लोगों के सहयोग से उनकी प्रतिमा स्थल पर घेराबंदी करने एवं सुरक्षा के लिए निर्माण कार्य किया जा रहा है।

होमगॉर्ड की बेटी ने दारोगा बनकर बढ़ाया पिता का मान, यूपीएससी क्रैक करना लक्ष्य

- पांच भाई बहनों में वह सबसे छोटी है, पिता ने जारी रखी पढ़ाई

केटी न्यूज/डुमरांव

कहा जाता है कि प्रतिभा परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती है। इसे साबित कर दिखाई है अनुमंडल के धरहरा गांव की रहने वाली रूबी कुमारी ने। रूबी ने बिहार दरोगा परीक्षा में सफलता पाई है। अब वह यूपीएससी क्रैक करना चाहती है। रूबी के इस सफलता के पीछे उसकी कड़ी मेहनत छिपी है। उसके पिता बिंदेश्वरी साह होमगॉर्ड जवान थे जबकि मां निर्मला देवी गृहिणी है। पांच बहन व एक भाई में सबसे छोटी रूबी बचपन से ही मेधावी थी। उसके माता पिता ने भी उसके मेधा को देखते हुए उसकी पढ़ाई जारी रखी। जिसका परिणाम अब सामने आया है। बेटी की सफलता से पिता फूले नहीं समा रहे है, जबकि मां की आंखे भी खुशियों से छलक आई है। उसकी सभी बहनें व भाई भी उसकी सफलता से बेहद खुश नजर आ रहे है। अपने भाई बहनों में रूबी सरकारी नौकरी में जाने वाली पहली सदस्य बन गई है। जिस कारण परिवार की खुशी बढ़ गई है। बता दें कि रूबी की प्रारंभिक शिक्षा गांव से ही हुई थी। उसने वर्ष 2016 में जीएसवीएम स्कूल के मैट्रिक की परीक्षा पास की। इसके बाद 2018 में सुमित्रा महिला कॉलेज से आईएसी, 2021 में बीएसई पास करने के बाद रूबी अभी एमएससी की पढ़ाई कर रही है। इसी दौरान उसका चयन बिहार दरोगा में हो गया। रूबी ने अपने सफलता का श्रेय अपने माता पिता व गुरूजनों को दिया है और बताई कि वह अभी रूकने वाली नहीं है, बल्कि आगे यूपीएससी की तैयारी करेगी। धरहरा के ग्रामीणों को भी अपनी बेटी पर फक्र हो रहा है।

मेथोडिस्ट अस्पताल में चला पौधरोपण अभियान

केटी न्यूज/डुमरांव

मेथोडिस्ट अस्पताल में चला पौधा लगाओ अभियान, जिसमें अस्पताल अधीक्षक डा. आर के सिंह ने इसकी शुरूआत शीशम का पौधा लगाकर किया। फिर अस्पताल के डाक्टर और स्टाफों के साथ मरीज और उनके अभिभावक भी इस अभियान में शामिल हो पौधा लगाया। फिर सभी ने शपथ लिया की दस-दस पौधा लगाएंगे। इस दौरान अधीक्षक ने कहा की आपके द्वारा लगाया गया एक पौधा सैकड़ों लोगों को जीवनदान दे सकता है। पेड़ कांटे जाने से दुनिया की स्थिति क्या है, सभी इसे जानते हैं। हमारा देश भी इसकी चपेट में है। पौधरोपण अभियान में शामिल चिकित्सकों ने भी लोगों को संबोधित करते हुए कहा की आप जिस तरह से दस-दस पौधा लगाने का शपथ लिया है, उसी तरह से अपने मोहल्ले और गांव में लोगों को पौधा लगाने के लिए उत्प्रेरित करें। आपका यह प्रयास कितने लोगों के लिए जीवनदान देगा। डाक्टर दीपक नहार, डा. निभा, डा. स्थर विश्वास, डा. ब्रिजभूषण, डा. दीलीप सिंह, डा. सत्यम सिंह, प्रबंधक विजय कुमार सिंह सभी ने मरीजों और उनके अभिभावकों में पौधा लगाने के प्रति जोश को देखते हुए कहा की यही जोश आपका बरकरार रहा तो आगे इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे। सभी ने डाक्टरों को यह विश्वास दिलाया की आपकी यह सुझाव हमलोग जहा रहेंगे अमल करेंगे।

विश्व जनसंख्या दिवस विशेष: सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

ग्रामीण इलाकों में जीविका दीदियां लोगों को नियोजन के प्रति करेंगी जागरूक

- आशा कार्यकर्ताएं सहयोगी संस्थानों से समन्वय स्थापित कर देंगी अभियान को गति
- 27 जून से 10 जुलाई तक दंपति संपर्क सप्ताह का संचालन किया गया

केटी न्यूज/बक्सर

बढ़ती आबादी से जुड़ी समस्याओं के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से आज बक्सर समेत पूरे देश में विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाएगा। जिसके तहत जिले के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में जागरूकता संबंधी विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में सिविल डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने सभी प्रखंडों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को निर्देशित किया है। साथ ही, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य संस्थानों पर परिवार नियोजन मेला लगाने का भी निर्देश दिया है। ताकि, ज्यादा से ज्यादा लोगों को जनसंख्या स्थिरीकरण व परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया जा सके। इस संदर्भ में सिविल सर्जन डॉ. सिन्हा ने बताया कि इस बार विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर परिवार नियोजन सेवा पखवाड़ा का भी उद्घाटन किया जाएगा। इस क्रम में सभी प्रखंडों के इच्छुक महिला व पुरुष लाभार्थियों को नियोजन के स्थायी साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। जिसके अंतर्गत महिलाओं का बंध्याकरण के साथ पुरुषों की नसबंदी की जाएगी। साथ ही, उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधाएं व प्रोत्साहन राशि का भी भुगतान किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के लिए बीते 27 जुन से लेकर 10 जुलाई तक दंपति संपर्क सप्ताह का संचालन किया गया। जिसमें आशा कार्यकताओं द्वारा योग्य दंपतियों को नियोजन के स्थायी साधनों के प्रति प्रेरित किया गया। अन्य विभागों से भी किया जा रहा समन्वय स्थापित सिविल सर्जन ने बताया कि डीएम अंशुल अग्रवाल के निर्देश पर इस अभियान में सहयोगी संस्थानों की भूमिका भी सुनिश्चित की जा रही है। इसके लिए सभी प्रखंडों में ब्लॉक लेवल टास्क फोर्स की बैठक कर संबंधित क्षेत्र के विकास मित्र, जीविका दीदियों, ग्रामीण चिकित्सक और अन्य संस्थाओं को अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। प्रखंडों में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग प्रखंड विकास पदाधिकारी करेंगे। ताकि, अभियान में किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो सके। उन्होंने बताया कि जिलाधिकारी का सख्त निर्देश है कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास मित्रों के साथ साथ जीविका दीदियां लोगों को नियोजन के स्थायी साधनों के प्रयोग के लिए प्रेरित करेंगी। जिससे इस अभियान को बल मिले। जिला सामुदायिक उत्प्रेरक हिमांशु कुमार सिंह ने बताया कि गुरुवार को जिले के सभी प्रखंडों में विभिन्न गतिविधियों के साथ परिवार नियोजन मेले का भी संचालन किया जाएगा। इस क्रम में प्रखंड मुख्यालयों में शिविर लगाकर महिलाओं एवं पुरुषों के बीच परिवार नियोजन के अस्थाई तरीके से संबंधित सामग्री मसलन निरोध, माला एन, छाया, अंतरा, कॉपर-टी आदि का वितरण होगा। उन्होंने कहा कि परिवार नियोजन को लेकर लोगों को पहले से ज्यादा सजग रहने की आवश्यकता है। परिवार नियोजित नहीं होने से कई प्रकार की परेशानियां खड़ी होती हैं। ऐसे में लोगों को परेशानियों से निपटने के लिए जागरूक होना होगा।

युवती की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत, फंदे से लटका मिला शव

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी थाना क्षेत्र के बड़का गांव सबल पट्टी में 20 वर्षीय एक युवती की संदेहास्पद परिस्थिति में मौत हो गई है। उसका शव फंदे से लटका था, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज मामले की जांच में जुट गई है। मृतका की पहचान सबल पट्टी के इस्माईल अंसारी की पुत्री रानी खातून के रूप में हुई है। ग्रामीण सूत्रों की मानें तो इस्माईल ने दो शादियां की थी तथा अक्सर उक्त युवती को प्रताड़ित किया जाता था। हालांकि पुलिस के समक्ष इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को भी परिजनों ने किसी बात पर उसे फटकार लगाई थी, जिसके बाद वह अपने कमरे में जाकर दरवाजा बंद कर ली थी। जब बहुत देर तक वह दरवाजा नहीं खोली तो परिजनों को शक हुआ तथा परिजन दरवाजा खुलवाने लगे। लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आ रही थी। तब परिजनों ने दरवाजा तोड़ दिया। दरवाजा तोड़ने के बाद अंदर के मंजर को देख परिजन सहम उठे।

वृक्ष हमारी प्रकृति की अनमोल देन है, इसे संभालें: उपकारा अधीक्षक

- प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों की तरह एक-एक पौधा अवश्य लगाये

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बिक्रमगंज शहर के तेंदुनी चौक आरा रोड में अवस्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के परिसर में जल जीवन हरियाली सह वन महोत्सव के पावन अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया । जिस कार्यक्रम में उक्त विद्यालय की प्राचार्या कुमारी प्रिया, शिक्षक-शिक्षिकाओं समेत स्कूली बच्चों ने फलीदार वृक्षों को लगाया। उसके उपरांत प्राचार्या ने वृक्षों के महत्व के बारे में सभी को बताया। तत्पश्चात उक्त विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी व बच्चों द्वारा शहर के उपकारा बिक्रमगंज के परिसर में उपकारा अधीक्षक मोहम्मद तारिक अनवर की देखरेख में उपकारा के अन्य अधिकारियों , विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों एवं बच्चों द्वारा फलीदार वृक्ष के साथ-साथ छायादार वृक्ष भी लगाया गया। उक्त दौरान बिक्रमगंज उपकारा अधीक्षक मोहम्मद तारिक अनवर ने कहा कि वृक्ष प्रकृति की एक अनमोल देन है और यही वजह है कि भारत में वृक्षों को प्राचीन काल से ही पूजा जाता रहा है । जो आज भी यह प्रथा कायम है । उन्होंने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली में भी वृक्षों का अत्यधिक महत्व है।

वृक्षों के बिना जीवों की कल्पना भी नहीं की जा सकती। वृक्षों से ढके पहाड़, बाग बगीचे के मनोहारी दृश्य मन को शांति प्रदान करते हैं। वृक्ष अपनी भोजन प्रक्रिया के दौरान वातावरण से कार्बन डाइऑक्साइड लेते हैं और हमें ऑक्सीजन देते हैं। यह बात शहर के डीएवी विद्यालय द्वारा बुधवार को बिक्रमगंज उपकारा के परिसर में आयोजित किए गए पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उपकारा अधीक्षक मोहम्मद तारिक अनवर ने कहीं। इस अवसर पर बिक्रमगंज उपकारा परिसर में फलीदार व छायादार वृक्ष लगाए गए। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान उपकारा अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष पर्यावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ हमें शुद्ध हवा देते हैं । जिससे हम सांस लेते हैं । वृक्षों की जड़ें मिट्टी को मजबूती से पकड़ कर रखती है जिससे भूमि कटान रुका रहता है । परंतु इंसान अपने स्वार्थ के लिए दिन प्रतिदिन हरे भरे वृक्षों को काट रहा है । जिससे पर्यावरण का काफी ह्रास हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों की तरह एक-एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। जिससे प्रकृति का संतुलन बना रहे और तापमान नियंत्रित हो सके। इस अवसर पर उक्त विद्यालय की प्राचार्या कुमारी प्रिया ने कहा कि जब एक वृक्ष कटता है तो वह केवल वृक्ष ही नहीं कटता उससे मिलने वाली सभी चीजें तथा उस पर उगने वाली सारी वनस्पतियां, जड़ी बूटियां,औषधीय तत्व , पेड़ों पर रहने वाले पशु-पक्षी कीड़े-मकोड़े सभी का ह्रास होता है । उन्होंने कहा कि वृक्षों की कटाई का मूल कारण बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण तथा औद्योगिकीकरण है। स्वार्थी मनुष्य के कृत्यों से आज पर्यावरण को खतरा उत्पन्न हो गया है। यदि समय रहते इस ओर विशेष ध्यान न दिया गया तो आने वाले समय में पेड़ों से प्राप्त होने वाली समस्त चीजों की कमी आ जाएगी। इसलिए प्रकृति के सौंदर्य को बढ़ाने और स्वस्थ वातावरण निर्मित करने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाएं ।

तीयर थाना क्षेत्र के उत्तरदाहा और विक्रमपुर गांव की है घटना

भोजपुर में आकाशीय बिजली गिरने से इंटर की छात्रा समेत दो लोगों की मौत

- पुलिस ने शवों का सदर अस्पताल में कराया पोस्टमार्टम
- मधान रोपनी के दौरान छात्रा आ गई थी ठनका की चपेट में

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के तीयर थाना क्षेत्र में अलग-अलग गांव में ठनका का गिरने से इंटर की छात्रा समेत दो की मौत हो गई। इसमें पहली घटना तीयर थाना क्षेत्र के उत्तरदाहा गांव स्थित बधार की है। धान रोपने गई एक इंटर की छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी मची रही। जानकारी के अनुसार मृत छात्रा तीयर थाना क्षेत्र के शिवगंज टोला गांव वार्ड नंबर आठ निवासी विश्वनाथ यादव की 19 वर्षीय पुत्री पूजा कुमारी है एवं इंटर की छात्रा थी। इधर मृत छात्रा के चाचा वीरेंद्र सिंह ने बताया कि वह अपने गांव के दो अन्य लड़कियों के साथ उत्तरदाहा गांव के बधार में लालटेस महतो का धान रोपने गई थी। तभी बारिश शुरू हो गई और अचानक उस पर ठनका गिर पड़ा। जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ रही दो अन्य लड़कियां बाल बाल बच गई। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उसके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन फौरन घटनास्थल पर पहुंचे। इसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को दी। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। जबकि दूसरी घटना तीयर थाना क्षेत्र के विक्रमपुर गांव स्थित बधार की है। जहां ठनका गिरने से भेड़ चरा रहे एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के बनकट गांव वार्ड नंबर दो निवासी सरस पाल का 20 वर्षीय पुत्र राज कुमार पाल है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक के चाचा शिव शंकर पाल ने बताया कि वासूबा 9 बजे घर से अपने सौ भेड़ों को चराने के लिए विक्रमपुर गांव स्थित बधार में गया था। तेज बारिश दौरान ठनका गिरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

नोखा व काराकाट में ठनका गिरने से दो की मौत

नोखा/काराकाट। नोखा व काराकाट में ठनका गिरने से दो की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार नोखा थाना क्षेत्र के भवरह गांव के सिवान में ठनका गिरने से एक की मौत हो गई। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि नोखा थाना क्षेत्र के भंवरह गांव से दुधार जाने वाले रास्ते में भंवरह गांव के सिवान में बुधवार की शाम को लगभग 4 बजे आकाशीय बिजली गिरने से भंवरह गाव निवासी रामप्रवेश सिंह की मौत हो गई। बारिश बंद होने के बाद ग्रामीण ने देखा तो सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पुलिस पहुंचकर के शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम के लिए सासाराम भेज दिया है। वहीं काराकाट थाना क्षेत्र में तेज बारिश में ठनका गिरने से धान के खेती लिए का कार्य करा रहे एक किसान की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के संबंध में बताया जाता है कि मठिया ग्राम निवासी विनोद प्रजापति के लगभग 26 वर्षीय पुत्र सोहराई प्रजापति जो संझौली के पुरब बधार में कार्य कर रहे थे। इस दौरान तेज बारिश व गर्जन के साथ उसके समीप ठनका गिर गया। जिससे वह बुरी तरह झुलस गये और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद उनके परिजनों में कोहराम मच गया।

विषैले सांप के डसने से मजदूर की मौत

आरा। भोजपुर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुलौर गांव में बुधवार की सुबह विषैले सांप के डसने से घर में सो रहे एक मजदूर की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल की इमरजेंसी वार्ड में उसने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतक जगदीशपुर थाना क्षेत्र के दुलौर गांव के बरतपारवा टोला वार्ड नंबर 9 निवासी घेघेन बैठा का 40 वर्षीय पुत्र भोला बैठा है एवं वह पेशे से मजदूर था। इधर मृतक के परिजन ने बताया कि मंगलवार की रात खाना खाने के बाद वह घर में चौकी पर सोया हुआ था। इसी बीच बुधवार की अहले सुबह विषैले सांप ने उसे डस लिया। जिससे उसकी हालत काफी गंभीर हो गई। इसके बाद परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल ले गया। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। इसके पश्चात परिजन अपनी स्वेच्छा से शव का बिना पोस्टमार्टम कराए ही वापस गांव ले गए। बताया जाता है कि मृतक अपने तीन भाई व एक बहन में दूसरे स्थान पर था।

दो पक्षों के बीच मारपीट व गोलीबारी, प्राथमिकी दर्ज

नोखा। नोखा थाना क्षेत्र कृष्णापुर गांव में दो पक्षों के बीच जमीन विवाद को लेकर के गोलीबारी की प्राथमिक की थाने में दर्ज की गई है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि नोखा थाना क्षेत्र कृष्णापुर गांव में दो भाइयों के बीच जमीन विवाद को लेकर के मारपीट के बाद गोलीबारी की घटना घटी। इनमें नोखा थाने में आवेदन देकर के प्राथमिक दर्ज कराई गई है। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार मालकर ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि थाने में आवेदन देकर के एक पक्ष से अखिलेश सिंह ने दो लोगों पर प्राथमिक के दर्ज कराई गई है तो दूसरी पक्ष से लाल बाबू सिह ने पांच लोगो पर नामजद अभ्युक्त बना कर प्राथमिक के दर्ज कराई है। वहीं थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है। इसमें जो भी दोषी होंगे। उन्हें तत्काल गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि इसमें किसी की गिरफ्तारी की सूचना नहीं है।

एक नजर

बिजली की चपेट में आने से किसान की मौत

जहानाबाद। टेहटा थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में उस समय अफरा तफरी का माहौल कायम हो गया जब बधार में अपने मवेशी को चराने गए किसान की 33 हजार केवीए बिजली के चपेट में आने से मवेशी (भैंस) एवं किसान की मौत हो गई, जानकारी के अनुसार नारायणपुर गांव निवासी किसान भागवत प्रसाद 62 वर्ष बधार में अपने मवेशी को चराने गया था, इसी बीच 33 हजार केवीए बिजली के पोल के स्टीक में करंट आ गया और मवेशी (भैंस) स्टिक में सट कर छटपटाने लगी, जिसे छुड़ाने गए किसान भागवत प्रसाद की भी करंट की चपेट में आने से मौत हो गई, घटना की सूचना पाकर टेहटा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया है। घटना के बाद स्थानीय विधायक सतीश कुमार पूर्वी सरेन पंचायत के पूर्व मुखिया संतोष कुमार रंजन सहित कई लोगों ने मुआवजे की मांग की है।

एक ही रात बदमाशों ने छीने तीन बाइक

जहानाबाद। मखदुमपुर थाना क्षेत्र में एक ही रात पटना गया राष्ट्रीय राज मार्ग एनएच 83 मखदुमपुर से गुजरे बाईपास पर एक ही रात अज्ञात बदमाशों ने तीन बाइक छीन लिए। इस संबंध में मखदुमपुर थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया की अज्ञात बदमाशों ने भाने बिगहा पुल से प्लेया सूर्य मंदिर के बीच में औरंगाबाद निवासी, गया निवासी एवं जहानाबाद निवासी के बाइक छीन लिए हैं। वहीं घटना की सूचना मिलते ही एसपी अरविंद प्रताप सिंह समेत कई वरीय पदाधिकारी घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल किये है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। साथ ही पुलिस मामले की गम्भीरता से जांच में जुटी हुई है। जल्द चोरी की गई सभी बाइक को बरामद कर लिया जाएगा।

मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

नोखा। स्थानीय थाना परिसर में बुधवार को मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक। बैठक में पर्व को शांतिपूर्ण मनाने को लेकर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार मालाकार ने लोगों से अपील किया। साथ ही बताया कि इस त्योहार में डीजे बजाने पर प्रतिबंधित रहेगा। उन्होंने उपस्थित विभिन्न मोहर्रम कमिटी के खलीफा को अपने कमिटी के दस दस लोगों का नाम व उनका आधारकार्ड जुलूस लाइसेंस के लिए आवेदन के साथ जमा करें। जुलूस के आवेदन में रूट चार्ट भी जमा करने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक मेंअतुल गुप्ता, उपसभापति धनजी सिंह, वार्ड प्रतिनिधि आफताब आलम, नशीम, लखन चंद्रवंशी गोरख कुमार, गुलाम मोहम्मद, गुलाम गौस सहित अन्य मौजूद उपस्थित थे।

बारिश में नगर निगम की खुली पोल

सासाराम। जिले के सासाराम मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल परिसर में बुधवार की घंटे भर की बारिश में जल जमाव ने नगर निगम सासाराम की साफ-सफाई व्यवस्था का पोल खोल दिया। एनसीपी प्रदेश प्रवक्ता आशुतोष सिंह ने साफ सफाई व्यवस्था पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि घंटे भर की बारिश में डीएसपी कार्यालय निबंधन कार्यालय अस्पताल परिसर एसडीएम कार्यालय परिसर में जल जमाव हो गया है।

बाइक सवार तीन युवकों पर अचानक पेड़ गिरने से एक की हुई मौत, दो घायल

केटी न्यूज/बिक्रमगंज

बुधवार को डेहरी-बिक्रमगंज मुख्य मार्ग से गुजर रहे बाइक सवार पर अचानक एक पेड़ गिर गया। हादसे में उसकी मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। मौके पर जुटे लोगों ने तीनों को निजी अस्पताल में पहुंचाया। जहां चालक को मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पहचान काराकाट थाना क्षेत्र के चौगाई गांव ?निवासी संजय सिंह के 22 वर्षीय पुत्र कृष्णा कुमार के रूप में हुई है। जबकि दोनों घायल चौगाई गांव के बताए जा रहे हैं। तीनों प्लंबर का सामान लेने जा रहे थे। घटना स्थानीय शहर के रेलवे क्रॉसिंग के पास घटी। ग्रामीणों ने हादसे की सूचना पुलिस को दी। वहीं, दूसरी तरफ बेटे की मौत की सूचना पर चौगाई निवासी संजय सिंह के घर मातम छा गया। परिजन आनन-फानन में बिक्रमगंज के लिए रवाना हो गए। कृष्णा कुमार प्लंबर का समान लेने गांव के अन्य दो युवकों के साथ बाइक से बिक्रमगंज जा रहा था। जैसे ही वह बिक्रमगंज रेलवे क्रासिंग पार कर आगे बढ़ा, एक पेड़ बाइक पर गिर गया। जिसमे बाइक चला रहे कृष्णा कुमार की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया। वहीं दो अन्य की हालत गंभीर रूप से जख्मी है।

भोजपुर में पीट-पीटकर गर्भवती महिला की हत्या, एफआईआर दर्ज

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव में मंगलवार की शाम बाइक व सोने की चैन की मांग को लेकर गर्भवती महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर गांव एवं आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं मृतक के परिजनों द्वारा ससुराल वालों पर बाइक व सोने का चैन नहीं देने पर उसकी हत्या करने का आरोप लगाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार मृतका का चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी रविंद्र कुमार उर्फ डब्लू की 20 वषीर्या पत्नी अनिता कुमारी है। इधर गड़हनी थाना क्षेत्र के बनकट गांव निवासी व मृतका के पिता संजय सिंह ने बताया कि उन्होंने अपनी बेटी अनिता कुमारी की शादी 17 मई वर्ष 2023 को चरपोखरी थाना क्षेत्र के सेमरांव गांव निवासी राज कुमार यादव के पुत्र रविंद्र कुमार उर्फ डब्लू से लेनदेन एवं पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ की थी। शादी के समय उन्होंने स्प्लेंडर बाइक भी दहेज में दिया था। शादी के चार माह बीत जाने के बाद से ही उसके पति व सास द्वारा अपाची बाइक एवं सोने की चैन की मांग की जाने लगी। जिसको लेकर वह उनकी बेटी के साथ मारपीट एवं उसे प्रताड़ित करने लगे।

एएनएम और जीएनएम ने आरा सिविल सर्जन कार्यालय के समक्ष दिया धरना

सरकार समान कार्य के लिए समान वेतन जल्द करे लागू

केटी न्यूज/आरा

बिहार संविदा एएनएम संघर्ष मोर्चा के द्वारा अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने को लेकर आरा सिविल सर्जन कार्यालय में बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। उसके बाद सिविल सर्जन को बिहार संविदा एएनएम और जीएनएम के द्वारा एक ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें बताया गया कि विरोध करने का निर्णय लिया गया है। समान काम के लिए समान वेतन लागू होने तक भेदभाव वाली नीति कोई भी संविदा अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं करेगी। विरोध कर रही एएनएम सपना कुमारी ने बताया कि हम लोग कार्य बहिष्कार कर अनिश्चित कालीन हड़ताल पर चल गए है। सरकार की यह दोहरी नीति है। फेस अटेंडेंस जो मांगा जा रहा है अगर सभी पर यह लागू होती है तो हमलोग मानेंगे। नहीं तो हम लोग नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि जब तक सरकार नहीं मानती है, हम लोग कार्य बहिष्कार जारी रखेंगे। वहीं कोईलवर ब्लॉक में कार्यरत दीप्ति रंजन ने बताया कि ऋअर सिस्टम को बताया जाएं। क्योंकि हम लोग दूर दूर काम करते है। हम लोग टाइम पर कैसे पहुंचेंगे, कभी कभी दस मिनट लेट भी होता है। अगर हमलोग का थोड़ा सा भी लेट होगा तो हम लोग का अटेंडेंस कट जाएगा। दीप्ति रंजन ने बताया कि एक जगह पर दो भेदभाव किया जा रहा है। सेंटर पर हमारे शौचालय की व्यवस्था नहीं है। महिला लोग शौचालय करने के लिए कहां जाएंगे। अगर हम लोग 5 बजे निकलते है तो एक घंटा ऑटो के लिए खड़ा रहना पड़ता है। ऑटो भी कभी कभी नहीं मिलता है। जिसके बाद हम लोग को पैदल ही जाना पड़ता है। उन्होंने बताया कि हम लोग करीब ढाई सौ से तीन सौ के करीब है। वहीं एक महिला एएनएम ने बताया कि हम सभी संविदाकर्मी है। हमारी वेतन बहुत कम होती है। लेकिन हमलोग से भी उतना ही काम कराया जाता है जितना सरकारी वाले लोग करते है। ऐसे में हम लोग के साथ भेदभाव क्यों हो रहा है। उन्होंने बताया कि कई एएनएम और जीएनएम ऐसी है जो दूसरे दूसरे जिले की रहने वाली है। अब आरा में रूम लेकर काम करती है। लेकिन हमलोग का वेतन कम है। उसके बाद आप कुछ भी लागू कीजिए हम लोग मान लेंगे। वहीं यूनियन के अध्यक्ष विशाल सिंह जाठ ने बताया कि बारिश के समय में कच्चे रास्ते से जाने में जान माल का खतरा, एक विभाग एक नीति लागू करना, एनएचएम कर्मियों को समान कार्य का समान वेतन लागू करना है।

लोगों के बीच अच्छी छवि बनाएं, ताकि लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं: योगी

सीएम ने 7720 लेखपालों को बांटे नियुक्ति पत्र

- सीएम ने नवचयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति किया आगाह, समय सीमा में कार्य करने की दी नसीहत
- पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई चयन प्रक्रिया, नहीं पड़ी सिफारिश की आवश्यकता : सीएम

केटी न्यूज / लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन में आयोजित मिशन रोजगार कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 7720 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर सीएम योगी ने नवचयनित लेखपालों को उनके कर्तव्यों के प्रति आगाह किया। उन्होंने कहा कि ये नियुक्ति प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई है। इसमें कहीं कोई भेदभाव नहीं हुआ, कोई सिफारिश की आवश्यकता नहीं पड़ी। ऐसे में ये आपकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना किसी सिफारिश के प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के साथ ही एक गरीब की ईज ऑफ लिविंग के लिए आपको अपने स्तर पर विशेष कार्य करना है। एक गरीब के जीवन के लिए आपकी ऊर्जा और प्रतिभा लगे, निवेश की संभावनाओं में आपका सकारात्मक सहयोग मिले, जाति, निवास, आय प्रमाणपत्र के लिए जो समय सीमा तय की गई है उसके अनुसार आम जनमानस और युवाओं को सहयोग प्राप्त हो। वरासत, नामांतरण और पैमाइश से जुड़ी कार्यवाही समय से पूरी हों। लोगों के बीच में आपकी अच्छी छवि बने और लेखपाल के नाम से लोग घबराएं नहीं। कार्यक्रम के दौरा सीएम योगी के समक्ष मिशन रोजगार को लेकर एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। लोकभवन के साथ ही विभिन्न कमिश्नरी में भी कार्यक्रम का लाइव आयोजन किया गया। सीएम योगी ने नव चयनित लेखपालों से अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आपका जनता के बीच नजदीकी जुड़ाव होता है। किसी को पट्टे की जमीन देनी है, किसी को वरासत का कार्य करना है, किसी के नामांतरण का कार्य करना है, कृषि को अकृषि घोषित करते हुए निवेश की संभावना को आगे बढ़ाना है, कहीं पर पैमाइश की कार्यवाही को बढ़ाना है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक फुट, दो फुट के लिए हिंसक घटनाएं होती हैं। अगर हम समय पर पैमाइश करके सीमांकन कर लें तो कोई विवाद नहीं होगा। कोई दबंग भूमाफिया जबर्दस्ती सरकारी या गरीब की जमीन पर कब्जा कर रहा है तो वहां एंटी भूमाफिया टास्क के साथ जाकर हम बड़ी कार्रवाई करें। कहीं पर निवेश के लिए कोई प्रस्ताव आया है तो उसको समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ा दें। बाढ़ जैसी आपदा में समय पर लोगों को राहत दे दें। कृषक दुर्घटना बीमा में कृषक, उसके परिवार के किसी सदस्य या फिर बटाईदार और उसके परिवार के सदस्य की किसी आपदा में मृत्यु होने पर समयबद्ध तरीके से राहत की धनराशि उसके परिवार को मिल जाए। गलत तरीके से कोई भी कार्य न करें और टेक्नोलॉजी का उपयोग करें।

जल्द पूरी होगी 4700 नियुक्तियां

सीएम योगी ने कहा कि इस नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाने के लिए 2022 में राजस्व विभाग ने अपना अधियाचन अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को दिया था। चयन की प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ आयोग ने संपन्न की, लेकिन कुछ लोगों की फितरत होती है कि हर अच्छे कार्य में रोड़ा अटकाया जाए। नवचयनित लेखपालों के नियुक्ति पत्र वितरण में भी रोड़े अटकाने के कार्य हुए, लेकिन राजस्व विभाग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग इसके लिए लड़ा और अंततः सुप्रीम कोर्ट से भी फैसला अपने पक्ष में करके आज 7720 नवचयनित युवाओं को उनकी आकांक्षा के अनुरूप ये नियुक्ति पत्र प्रदान किए जा रहे हैं। यह प्रक्रिया पूरी होने के बाद 4700 और नई नियुक्ति के अधियाचन हम भेज चुके हैं और जल्द ही उस प्रक्रिया को भी पूर्ण करने वाले हैं। इस प्रक्रिया के पूरा होते ही 3837 लेखपाल जो प्रदेश में नियुक्त होने चाहिए, उनकी संख्या पूरी हो जाएगी।

जिले को मिले 138 नव चयनित लेखपाल, मंत्री ने बांटे नियुक्ति पत्र

केटी न्यूज / बलिया

जिले को 138 नवनियुक्त लेखपाल मिल गये हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में 51 चयनित लेखपालों को नियुक्ति पत्र दिया। मंत्री व जिलाधिकारी के हाथ नियुक्ति पत्र पाकर लेखपालों के भी चेहरे खुशी से खिल उठे। परिवहन मंत्री ने सभी चयनित लेखपालों को सरकारी सेवा में आने के लिए बधाई देते हुए ईमानदारी व निष्ठा के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के प्रति प्रेरित किया। कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भूमि विवाद की स्थिति में सही व्यक्ति को न्याय दिलाने में लेखपाल की जिम्मेदारी काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। सभी चयनित लेखपाल अपने हल्के में जनता के साथ हमेशा संवाद बनाये रखें। जितना अपने क्षेत्र से जुड़े रहेंगे, उतना ही आपका कार्य बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना भेदभाव के और आरक्षण नियमों का पालन करते हुए युवाओं को उनकी योग्यतानुसार रोजगार दे रही है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने भी सभी चयनित लेखपालों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सरकारी सेवा जनसेवा के लिए है। बेहतर कार्य कर स्वयं का सम्मान बढ़ाने का भी मौका यह सेवा देती है। सभी चयनित लेखपाल अपने कार्य के बारे में अच्छे से जान लें और पूरी ईमानदारी से उसका निर्वहन करें। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय यादव, मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन, एसडीएम सदर आत्रेय मिश्र, एडीएम डीपी सिंह, लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष निर्भय सिंह, उपाध्यक्ष मनोज यादव आदि मौजूद थे।

सबसे ज्यादा सदर तहसील को मिले 41 लेखपाल

जिले को मिले 138 लेखपालों का तहसीलवाद आवंटन हो चुका है। इसमें सबसे ज्यादा सदर तहसील को 41 लेखपाल मिले हैं। इसके अलावा बांसडीह तहसील में 16, रसड़ा में 34, बेल्थरारोड में 14, सिकंदरपुर में 18 तथा बैरिया में 15 लेखपालों को तैनाती मिली है। इस नव चयनित लेखपालों के आ जाने से काफी हद तक लेखपालों की कमी भी दूर हो जाएगी और राजस्व विभाग की जनता के बीच सेवाएं और बेहतर तरीके से पहुंचेगी।

लेखपालों को जिलाधिकारी ने वितरित किया नियुक्ति पत्र

मऊ। जनपद स्तर पर जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र ने नवनियुक्त लेखपालों को नियुक्ति पत्र का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने जनपद हेतु नव नियुक्त सभी लेखपालों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सरकार द्वारा संचालित कई योजनाओं में लेखपाल की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने नवनियुक्त लेखपालों से अपेक्षा की कि आपको सौंप गए कार्यों में आप खरे उतरेंगे।इसके अलावा रियल लीडरशिप को पहचानने भी कहा और पूरी उम्मीद जताई कि नव नियुक्त लेखपाल उदाहरण बनकर समाज के सामने अपनी अच्छी छवि प्रस्तुत करें एवं लोगों के विश्वास पर खरे उतरे। इस दौरान अपर जिला अधिकारी श्री सत्यप्रिय सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी, उप जिलाधिकारी सदर अशोक कुमार यादव सहित जनपद हेतु चयनित समस्त लेखपाल उपस्थित रहे। जनपद मऊ में कुल 71 नए लेखपालों की नियुक्ति हुई है, जिसमें तहसील सदर में 22, मोहम्मदाबाद गोहना में 21, घोसी में 20 एवं मधुबन में 8 नए लेखपाल नियुक्त हुए।

एक नजर

यूपीएससी में उत्कर्ष ने लहराया परचम, बना असिस्टेंट कमिश्नर

बलिया। कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं होता, तबियत से एक पत्थर तो उछाला यारो। मौजूदा समय में यह कहावत मल्हुआ गांव के उत्कर्ष प्रकाश सिंह पर सटिक चरितार्थ हो रही है। यूपीएससी की परीक्षा में मल्हुआ का होनहार युवक 144 वीं रैंक प्राप्त कर सीयूजीएफ में असिस्टेंट कमिश्नर बने हैं। उत्कर्ष प्रकाश सिंह की इस उपलब्धि पर पूरे जनपदवासियों में हर्ष है। चहूंओर उत्कर्ष की वाहवाही हो रही है। गांव की पगडंडियों से निकालकर उत्कर्ष न सिर्फ फलक पर चमका है, बल्कि अपने माता–पिता व जनपदवासियों का सीना गर्व से चौड़ा किया है। बचपन से ही पढ़ने लिखने में तेज उत्कर्ष प्रकाश सिंह ने अपना लक्ष्य तय कर लिया था। कुछ भी हो जाए उसको देश की सेवा करना है। इसी जज्बे के साथ उत्कर्ष ने दिन रात एक कर दिया। नतीजन आज उत्कर्ष सिंह न सिर्फ यूपीएससी की परीक्षा में अपना लोहा मनवाया बल्कि सीयूजीएफ में असिस्टेंट कमिश्नर बनकर खुदको देश के लिए समर्पित कर दिया। उत्कर्ष सिंह के पिता ज्ञानप्रकाश सिंह व मां रीतू सिंह है। पिताजी ज्ञान प्रकाश सिंह बेसिक शिक्षा इलाहाबाद में डायरेक्टर है।

बीए व बीएससी में प्रवेश के लिए काउंसलिंग दूसरे दिन भी जारी

बलिया। राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर में शैक्षिक सत्र 2024-25 में बीए व बीएससी में प्रवेश के लिए काउंसलिंग दूसरे दिन भी जारी रही। बुधवार को बीए में कुल 100 से अधिक छात्राओं ने तथा बीएससी में 60 से अधिक छात्राओं ने अपनी प्रवेश काउंसलिंग कराई। प्राचार्य डॉ. अनीता कुमारी के निर्देश पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आधार पर प्रवेश प्रभारी डॉ. शिव कुमार ने प्रवेश काउंसलिंग के पश्चात विषय आवंटन प्रपत्र प्रदान किया। विदित हो कि महाविद्यालय में स्नातक बीए प्रथम सेमेस्टर में भाषा संकाय, ललित कला एवं मानविकी संकायों में प्रवेश दिया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी को तीन मेजर विषयों तथा एक माइनर विषय का अध्ययन करना है। यह विषय आवंटन कम से कम किन्हीं दो संकायों में से किया जाता है। शिक्षार्थी किसी एक संकाय के दो विषयों में ही आगे तृतीय-चतुर्थ वर्ष में पढ़ सकते हैं।

विषय आवंटन के पश्चात छात्राएं ऑनलाइन महाविद्यालय वेबसाइट के माध्यम से अपनी फीस जमा कर सकेंगी तथा फीस रसीद दिखाकर अपना लाइब्रेरी कार्ड, परिचय पत्र प्राप्त कर सकेंगे। बृहस्पतिवार को मेरिट क्रमांक 321 से 400 तक की छात्राओं को बीए में प्रवेश काउंसलिंग संपन्न होगी। जबकि बीएससी में सीट रिक्त रहने तक प्रवेश काउंसलिंग संपन्न जारी रहेंगी। बीएससी प्रवेश काउंसलिंग में डॉ. दिवाकर मिश्रा द्वारा संपन्न किया गया। जबकि बीए प्रवेश काउंसलिंग में डॉ. शैलेंद्र कुमार यादव, डॉ. निरंजन यादव, डॉ. हरेंद्र यादव, डॉ. शिखा सिंह, डॉ. शशिकला जायसवाल, पीयूष सिंह आदि उपस्थित रहे। डॉ. अमित यादव, डॉ. शंभू शरण प्रसाद ने नव प्रवेशी छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान कर अनुशासन एवं प्रवेश समन्वय में सहयोग दिया।

खेतों में पानी जमा होने से किसान चिंतित

बलिया। कुदरत के कहर से किसान परेशान हैं। खरीफ की बुवाई के लिए जब पानी की जरूरत थी तब खेत सूखे रहे।खरीफ की फसल की बुवाई जून माह के दूसरे सप्ताह बाद शुरू हुई, लेकिन बारिश न होने से किसानों की बुवाई की तैयारियां धरी की धरी रह गईं।अब लगातार हो रही बारिश के कारण खेतो मे जल जमाव हो गया है जिसके कारण खरीफ की फसल मक्का,जोन्हरी,अरहर की बुआई पिछड़ने के कारण किसान चितिंत व परेशान है।किसानों का कहना है कि बारिश के कारण खेतो में पानी लग गया है जिससे बुआई नही हो पाएगी। क्षेत्र के समरथपाह,लाखपुर कठही,बबुआपुर भरखोखा, गायघाट, मुड़ाडीह भरसौता, विगही,आदि गांव के हजारो एकड़ खेतो में पानी लगने के कारण खेती करने पर संकट के बादल मंडरा रहा है।अगर बारिश नही रुकी तो खरीफ की फसल को बुआई नही हो पाएगी।वही कुछ किसानों का कहना है कि खेत लगान पर लेकर हम खेती करते है ताकि परिवार का भरण पोषण कर सके।लेकिन ये स्थिति रही तो हमे भूखे मर जायेंगे।

आरओ व वाटर कूलर प्लांट का उद्घाटन

गाजीपुर। रेवतीपुर ब्लाक के प्राथमिक विद्यालय सुजानपुर में बुधवार को बीईओ अशोक कुमार गौतम ने करीब एक लाख की लागत से स्थापित किए गए आरओ एवं वाटर कूलर प्लांट का फीता काटकर उद्घाटन किया।इसके बाद यह प्राथमिक विद्यालय सुजानपुर ब्लाक का ऐसा पहला विद्यालय हो गया, जो आरओ व वाटर कूलर प्लांट से लैस हो गया। इसके उद्घाटन के पश्चात खुद बीईओ ने सबसे पहले आरओ वाटर कूलर का बटन दबाकर ग्लास से पानी का सेवन किया। इसके स्थापित होने के बाद छात्र-छात्राएं सहित अध्यापकों एवं अभिभावकों के चेहरे पर मुस्कान देखी गई। लोगों ने कहा कि अब उनके बच्चों को घर से पानी नहीं लाना पड़ेगा। उन्हें शुद्ध व शीतल जल अब विद्यालय में ही मिल सकेगा।इसके उपरांत बीईओ ने मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि नवनिर्मित वाटर कूलर व आरओ प्लांट के शुरू होने के बाद अब पढ़ने वाले छात्रों एवं अध्यापकों को शुद्ध एवं शीतल जल हर मौसम में मिल सकेगा।कहा कि फीनों फाइनेंस बैंक के द्वारा यह कारपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत विद्यालय को यह आरओ, वाटर कूलर उपलब्ध कराया गया है, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि प्रयास रहेगा कि ब्लाक का हरेक विद्यालय आरओ, वाटर कूलर से लैस हो जाए। उन्होंने कहा कि यह पूरा गंगा के किनारे वाले इलाके में लगे हैंडपंप से आर्सेनिकयुक्त पानी निकलता है। इसके चलते शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा था। इस आरओ, वाटर कूलर प्लांट की काफी दिनों से जरूरत महसूस की जा रही थी। कहा कि इसके पहले विद्यालय परिसर में हैंडपंप, समरसेबल ही छात्र एवं यहां के अध्यापक पानी का सेवन करते थे। बहुत से लोग घरों से पानी लाते थे। नगर अब घर से अपनी लाने की जरूरत नहीं, विद्यालय में स्थापित आरओ, वाटर कूलर से अब शुद्ध एवं शीतल जल का सेवन कर सकेगें।

खबरें फटाफट

रसोइयों का मानदेय कम से कम 18 हजार किया जाए

बलिया। मानदेय समय से भुगतान न

होना सहित तमाम मुद्दों को लेकर उत्तर प्रदेश रसोइया कर्मचारी संघ के बैनर तले रसोइयों ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी को ज्ञापन भी सौंपा। चेताया कि यदि मांगें जल्द से जल्द पूरी नहीं हुई तो इससे बड़े पैमाने में आंदोलन किया जाए। ज्ञापन में मांग किया कि रसोइयों का मानदेय सही समय से दिया जाए, मानदेय कम से कम 18 हजार किसा जाए, दुर्घटना बीमा कराया जाए, बिना कारण रसोइए के निष्कासन पर रोक लगाई जाए, सेवानिवृत्त के समय उचित पेंशन की व्यवस्था कराई जाए। इस मौके पर रेनू शर्मा, श्वेता पांडेय, सुंदरी, शोभा, माया देवी आदि रहे।

ताला तोड़ चोरों ने चुराया टुल्लू

बलिया। बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के स्थानीय बाजार स्थित एक नव निर्मित घर में मंगलवार की रात चोरों ने दरवाजा का ताला तोड़कर उसमें लगे टुल्लू को चोर चुरा ले गए। सुचना पर पहुँची पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई। बता दे कि राजेश पांडेय निवासी विशम्भरपुर की स्थानीय बाजार में मकान है, जहां मंगलवार की रात अज्ञात चोरों ने घर के दरवाजा का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और मकान के अंदर लगा टुल्लू को चोर चुराकर ले गए। बुधवार की सुबह जब मकान खोलने पहुँचे तो देखा कि ताला टूटा है और टुल्लू गायब है।

गाजीपुर : 203 आंगनबाड़ी केंद्रों पर लाभार्थियों के बीच ड्राई राशन का किया गया वितरण

केटी न्यूज / गाजीपुर

रेवतीपुर ब्लाक क्षेत्र के 203 आंगनबाड़ी केंद्रों पर बुधवार को लाभार्थियों को ड्राई राशन का वितरण शुरू किया गया है। जिसका शुभारंभ सीडीपीओ अरूण कुमार दूबे ने खुद अपने हाथों से लाभार्थियों को ड्राई राशन का वितरण कर किया। इस बीच सीडीपीओ ने परिषदीय स्कूलों के प्रांगण में संचालित आंगनबाड़ी सहित अन्य केंद्रों का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने केंद्रों पर नौनिहालों की सुरक्षा व योजनाओं के लाभ को लेकर मातहतों को जानकारी दी।उन्होंने निरीक्षण के दौरान अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। साथ ही हिदायत दिया कि आंगनबाडी समय से न खोलने एवं लाभार्थियों को ड्राई राशन का शत प्रतिशत वितरण न करने वाले आंगनबाड़ी कार्यकताओं के खिलाफ सख्त कार्यवाई की जाएगी। सीडीपीओ ने बताया कि गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को डेढ़ किलो दलिया, एक किलो दाल व 500 ग्राम रिफाइन जबकि सात माह से तीन वर्ष तक के बच्चों को एक किलो दलिया, एक किलो दाल व 500 ग्राम रिफाइन का वितरण किया गया।

उन्होंने बताया कि तीन से छह साल तक के बच्चों को आधा किलो दाल व इतना ही दलिया और अतिकुपोषित को दो किलो दाल, डेढ किलो दलिया एवं 500 ग्राम रिफाइन का वितरण किया गया। इस दौरान सीडीपीओ अरूण कुमार दूबे ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं को निर्देशित किया कि लाभार्थियों की देख-रेख व उन्हें जरूरी सलाह समय-समय पर देते रहे। साथ ही वितरित किए गए। ड्राइ राशन व अन्य पौष्टिक आहार के सेवन को लेकर लगातार उनकी निगरानी जरूरी है। इसमें किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए। निर्देशित किया कि कुपोषित व अतिकुपोषित की पहचान।

उनके टीकाकरण व एनआरसी में भर्ती कराए जाने को लेकर पूरी सावधानी बरती जाए। बाल विकास परियोजना विभाग के अनुसार पूरे ब्लाक में कुल 17770 लाभार्थी है। जिनमें छह से तीन माह के 8205, तीन से छह वर्ष के 7377 नौनिहाल है। जबकि गर्भवती और धात्री मिलाकर कुल 2080 लाभार्थी है। ब्लाक में 108 कुपोषित है।सीडीपीओ अरूण कुमार दूबे ने बताया कि सभी केन्द्रों पर लाभार्थियों को ड्राइ राशन का वितरण शुरू कर दिया गया हैं।जिसे अगले तीन दिन में पूरा करना है। आज पहले दिन आधे से अधिक लाभार्थियों को ड्राई राशन का वितरण किया गया, जो अगले दो दिन में पूरा हो जाएगा।

बसपा कार्यकताओं ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर किया प्रदर्शन

केटी न्यूज / बलिया

तामिलनाडू के बसपा प्रदेश अध्यक्ष के आर्मस्ट्रांग की निर्मम हत्या होने पर अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग को लेकर बसपा कार्यकताओं ने बुधवार को कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में मांग किया कि इस हत्या से कार्यकर्ता दुःखी मायूस व आक्रोशित है। बताया कि हत्यारे को अभी तक तामिलनाडू सरकार द्वारा गिरफ्तार न किए जाना यही दशार्ता है कि यहां कानून व्यवस्था ठीक नहीं है। बताया कि बलिया में भी अपराधियों का बोलबाला है। अभी हाल ही में बांसडीहरोड थाना क्षेत्र के एक गांव की हजाम की लड़की को दो दिन अपराधी उठाकर गायब रहे, लेकिन अभी तक मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। वहीं एक पासवान समाज के एक बेटे को मनबढ़ो ने मारा पीटा और इस मामले में भी पुलिस अभी तक अपराधियों को गिरफ्तार नहीं किया गया। ऐसे में साफ है कि भाजपा सरकार में क्या देश क्या प्रदेश गुंडाराज कायम हो गया है। इस मौके पर विनोद कुमार, महेश यादव, राजकुमार, सुनील राय, विजेंद्र कुमार, सुनील राम आदि रहे।

जमानियां के वार्ड नंबर 20 पटखौलिया आंशिक भाग द्वितीय के रिक्त सभासद पद पर चुनाव

विकास जायसवाल ने शाहजहां बेगम को 64 मतों से हराया

केटी न्यूज/ गाजीपुर

जमानियां तहसील में बुधवार को नगर पालिका के वार्ड नंबर 20 पटखौलिया आंशिक भाग द्वितीय के रिक्त सभासद पद पर बीते आठ जुलाई को हुए उपचुनाव का मतगणना सुरक्षा बलों की मौजूदगी में की गई। जिसमें भाजपा प्रत्याशी विकास जायसवाल उर्फ जुगनू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शाहजहां बेगम पत्नी स्व. शाहिद नियाजी को 64 मतों से पराजित कर विजेता घोषित किया गया। वार्ड नं 20 के 1224 मत के सापेक्ष 571 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। मतगणना में भाजपा प्रत्याशी विकास जायसवाल को 195, अभिषेक वर्मा को 102, रजत कुमार जायसवाल को 01, विशाल वर्मा को 54, शबाना प्रवीण को 72, शाहजहां बेगम को 131 मत प्राप्त हुआ तथा 16 मत अवैध पाया गया।

बताते चलें कि वार्ड नं० 20 के सभासद शाहिद नियाजी का 13 अक्टूबर 2023 को असामयिक निधन हो जाने के कारण सभासद का पद रिक्त चल रहा था। जिसे लेकर राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उप चुनाव कराया गया।

मतगणना के बाद रिटर्निंग अधिकारी दिलीप कुमार पांडेय ने निर्वाचित सभासद प्रत्याशी विकास जायसवाल को जीत का प्रमाण पत्र बुधवार को प्रदान किया। प्रमाण-पत्र मिलने के बाद बाहर निकलते ही समर्थकों ने विजयी प्रत्याशी का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। उक्त मौके पर निर्वाचन रजिस्ट्रार राहुल कुमार, भाजपा नेता तारकेश्वर वर्मा, संतोष वर्मा, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता, संतोष पांडेय, संजय जायसवाल, पंकज निगम आदि लोग मौजूद रहे।

सभासद पद के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा की रत्ना देवी विजयी

गाजीपुर। नगर पालिका परिषद मुहम्मदाबाद के वार्ड नंबर–एक के सभासद पद के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी रत्ना देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी विद्यावती को 270 मतों से पराजित किया। वार्ड नंबर एक के हुए चुनाव में 797 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। बुधवार को हुए मतगणना में भाजपा प्रत्याशी रत्ना देवी को कुल 508 मत तो विद्यावती को 238 मत मिले। जबकि 27 मत अवैध तथा तीन मत नोटा को प्राप्त हुए। इस उप चुनाव के मत गणना का कार्य सुबह से ही तहसील परिसर में प्रारंभ हो गया। जिसमें सहायक निर्वाचन अधिकारी दीनानाथ साहनी ने विजय भाजपा प्रत्याशी रत्ना देवी को जीत का प्रमाण पत्र प्रदान किया। भाजपा प्रत्याशी के जीत पर नगर के भाजपा कार्यकताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। भाजपा कार्यकताओं ने पार्टी की जीती हुई प्रत्याशी रत्ना देवी को फूल मालाओं से लाद दिया। मतगणना के कार्य को शांतिपूर्वक संपन्न बनाने में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से डटा रहा। इस मौके पर भाजपा के नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश गिरी, अनूप शर्मा, दीपू गुप्ता, सत्येंद्र राम सहित अन्य मौजूद रहे।

सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछलीशहर का किया निरीक्षण

♦ मुख्य चिकित्साधिकारी ने शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए किया निर्देशित

केटी न्यूज / जौनपुर

मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉक्टर लक्ष्मी सिंह द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर के ग्राम रामपुर कला का भ्रमण किया। उन्होने वीएचएनडी सेशन देखा जहां पर एनम टीकाकरण कर रही थी जिस पर मुख्य चिकित्साधिकारी ने शत प्रतिशत टीकाकरण के लिए निर्देशित किया। वीएचएनडी सत्र पर ओआरएस एवं जिंक टेबलेट पर्याप्त मात्रा में मिला।

मुख्य चिकित्साधिकारी ने वनवासी बस्ती में टीकाकरण से इनकार वाले आठ परिवारों के सदस्यों से बात की और उन्हें टीकाकरण के लिए प्रेरित किया।मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने संचारी अभियान के दौरान अन्य विभागों द्वारा कराए गए कार्यों का भी निरीक्षण किया। ग्राम में साफ-सफाई नालियों की सफाई झाड़ी की कटाई एवं एंटी लारवा छिड़काव कराया गया था। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय रामपुर कला का निरीक्षण किया।

उन्होंने कक्षा में बच्चों से संवाद किया और बच्चों से साफ सफाई हाथ धुलने की प्रक्रिया, डायरिया एवं अन्य संचारी रोगों के विषय में प्रश्न किया। बच्चों को संचारी रोगों एवं उनसे बचाव की जानकारी थी।इस अवसर पर चिकित्सा अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मछली शहर डॉक्टर तपिश कुमार, डीएमसी यूनिसेफ गुरदीप कौर एवं बी पी एम उपस्थित रहे।

एक नजर

एसडीएम की अध्यक्षता में नवनियुक्त लेखपालों को वितरण किया गया नियुक्ति पत्र

जौनपुर। जनपद के केराकत तहसील सभागार में एसडीएम सुनील कुमार की अध्यक्षता में 42 लेखपालों में से 37 लेखपालों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया।इस अवसर पर एसडीएम सुनील कुमार के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर सभी लेखपालों के चेहरे के खिल उठे।आपको बताते चलें की नवनियुक्त लेखपालों को संबोधित करते हुए एसडीएम सुनील कुमार ने कहा कि राजस्व विभाग की जिम्मेदारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होती है और लेखपाल राजस्व विभाग की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जिनके द्वारा भूमि संबंधी विवादों को जमीनी स्तर पर निस्तारित किया जाता है।इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि सभी लेखपाल ईमानदारी पूर्वक शासन की मंसा के अनुरूप जनहित के कार्यों को देखते हुए अपने दायित्व का निर्वहन करें। इसी में उनका भी हित है और अंत में सभी नवनियुक्त लेखपालों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामना संदेश दिए।

द्वितीय जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता 21 जुलाई को, चल रही तैयारी

जौनपुर। योगासन स्पोर्ट्स एलाइंस एसोसिएशन के तत्वाधान में 21 जुलाई को नगर के शिया डिग्री कॉलेज में जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में बालक और बालिका दोनों वर्ग के 8 वर्ष से 21 वर्ष तक के बच्चे भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता में ट्रेडिशनल इवेंट, आर्टिस्टिक सोलो ,आर्टिस्टिक पेयर ,रिडमिक पेयर, फ्री फ्लो आदि वर्ग सम्मिलित किए जाएंगे। जानकारी देते हुए योगासन स्पोर्ट्स एलाइंस संगठन की जिला अध्यक्ष व ऋषि योग केंद्र की संचालिका रजनी साहू ने बताया कि जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता की विजय खिलाड़ी अगस्त माह में होने वाली राज्य स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में भाग लेंगे ।साथ ही राज्य स्तरीय विजेता अक्टूबर महीने में आयोजित होने वाली नेशनल योगासन प्रतियोगिता में भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले लोग मुझे मेरे नंबर 8604714830 पर भी संपर्क कर सकते हैं.

विभिन्न मांगों को लेकर वामपंथी संगठनों ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

जुलूस निकालकर कलेक्ट्रेट पहुंचे वामपंथी एडीएम को सौंपा ज्ञापन

चंदौली। सेंटर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस जिला इकाई के नेतृत्व में बुधवार को मिड डे मील कर्मचारी यूनियन सहित विभिन्न संगठनों ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। इस दौरान विभिन्न संगठनों के सदस्यों ने केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन एडीएम अभय कुमार पांडेय को सौंपा। इस दौरान रामप्यारे ने कहा कि मिड डे मील के तहत रसोईया को राज्य सरकार के कर्मचारियों का दर्जा दिया जाए और उनके मानदेय में बढ़ोतरी किया जाए, ताकि वे परिवार के साथ अपना भरण पोषण कर सके। हार्ड कॉक योजना का पारिश्रमिक भी रसोइयों के सीधे खाते में भेजा जाए अगर ऐसा नहीं किया क्या तो रसोईया यूनियन सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। जिसके लिए शासन और प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस दौरान शकुंतला देवी, कन्हैया यादव, रामविलास, पप्पू यादव,बृजभान, महानंद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

अव्यवहारिक आदेश के खिलाफ शिक्षकों ने खोला मोर्चा

चंदौली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ नियामताबाद की पूर्व निर्धारित ब्लॉक संसाधन केंद्र नियामताबाद में ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रमुख रूप से निम्न बिंदु पर चर्चा हुई,शासन द्वारा बिना किसी तैयारी के पूर्णतया अव्यवहारिक ऑनलाइन हाजिरी वाले आदेश के विरोध का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कोई भी शिक्षक ऑनलाइन उपस्थिति नहीं देगा,साथ ही संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश कुमार यादव द्वारा प्रस्ताव लाया गया कि सभी शिक्षकों से एक असहमति पत्र दिनांक 11 और 12 जुलाई को ब्लॉक संसाधन केंद्र निया नियामताबाद पर भरवाया जाए जिसका सभी ने समर्थन किया। आज की बैठक में वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश सिंह,उपाध्यक्ष ज्योति भूषण,रामअवध यादव,संजय कुशवाहा,आनंद चतुर्वेदी,महिला उपाध्यक्ष प्रवीणा,अकाउंटेंट अशरफ, ब्लॉक मंत्री रामाश्रय,कोषाध्यक्ष हरेंद्र सिंह, संयुक्त मंत्री सुखराम शर्मा,संगठन मंत्री काशीनाथ सिंह, सुषमा शर्मा, प्रचार मंत्री पद्मिनी,रीना संदीप,दिलीप कुमार ,विनोद कुमार, संदीप सिंह,ब्लॉक संघर्ष समिति के वरिष्ठ प्रभु नारायण,प्रेम प्रकाश त्यागी, राधेश्याम, अजय कुशवाहा सहित देवेन्द्र दुबे, कामरान, दिलीप, अजित, बहादुर अन्य शिक्षक साथी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण कुमार कुशवाहा व धन्यवाद ज्ञापन संघर्ष समिति के अध्यक्ष सुरेश यादव ने किया।

रेलवे स्टेशन पर किन्नरों के भिड़ने से मचा हड़कंप

चंदौली। डीडीयू नगर रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब प्लेटफार्म संख्या तीन चार पर दो किन्नर आपस में भिड़ गए। यही नहीं उनको छुड़ाने गए रेलवे सुरक्षा बल के जवानों से भी किन्नर उलझ गए। बाद में आरपीएफ और जीआरपी ने किन्नरों को समझा बुझाकर शांत कराया। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर मंगलवार की शाम साढ़े तीन बजे किसी बात को लेकर दो किन्नरों की आपस में विवाद हो गया। दोनों के बीच हाथापाई होने से यात्रियों में खलबली मच गई।

वर्ष में दो बार होती है राज्यव्यापी गणना, इस वर्ष गणना में मिले 19918 सारस

खुशखबरी.... उप्र में साल दर साल बढ़ रहा राज्य पक्षी सारस का कुनबा

♦ इटावा वन प्रभाग में मिले सर्वाधिक 3289 सारस, 10 वन प्रभागों में यह संख्या 500 से अधिक पाई गई

♦ मऊ वन प्रभाग में विगत 10 वर्ष में पहली बार छह सारस पक्षी दिखाई दिए

♦ 20 व 21 जून को हुए गणना कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 10 हजार नागरिकों द्वारा लिया गया भाग

केटी न्यूज / लखनऊ

27 वन प्रभागों में सारस की संख्या 100 से 500 तक रही

उत्तर प्रदेश में साल दर साल राज्य पक्षी सारस का कुनबा बढ़ता जा रहा है। राज्य में प्रतिवर्ष दो बार गणना की जाती है। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन गणना (20-21 जून2024) में कुल 19918 सारस पाए गए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 396 अधिक है। वहीं राज्यव्यापी गणना में इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3289 सारस मिले। 10 वन प्रभागों में यह संख्या 500 से अधिक रही। मऊ वन प्रभाग में 10 वर्ष में पहली बार छह सारस पक्षी दिखाई दिए। प्रदेश में ग्रीष्मकालीन गणना (20-21 जून2024) में इस बार 10 हजार नागरिकों द्वारा भी भाग लिया गया। इटावा वन प्रभाग में मिले सर्वाधिक 3289 सारस, 10 प्रभागों में यह संख्या 500 से ऊपर रही वर्ष 2024 में सारस की ग्रीष्मकालीन गणना में 10 प्रभागों में इनकी संख्या 500 से ऊपर रही।

इटावा वन प्रभाग में सर्वाधिक 3289, मैनपुरी में 2945, शाहजहांपुर में 1212, औरैया में 1202, कन्नौज में 786, हरदोई में 735, संतकबीरनगर में 717, कानपुर देहात में 709, गोरखपुर में 675 और सिद्धार्थनगर में 673 सारस पाए गए। 31 वन प्रभाग ऐसे रहे, जहां 100 से कम सारस मिले।

पिछले 10 वर्ष में मऊ में पहली बार दिखे छह सारस दिखे। श्रावस्ती में 99, कासगंज में 95, पीलीभीत सामाजिक वानिकी में 94, हमीरपुर में 86, सोहेलवा में 81, अंबेडकरनगर में 80, अयोध्या में 78, हाथरस में 75, आगरा में 55, कौशांबी व उत्तर खीरी में 54, प्रतापगढ़ में 53, मेरठ में 51, कुशीनगर में 50, बुलंदशहर में 44, मुरादाबाद में 42, कतर्नियाघाट में 36, देवरिया में 34, ललितपुर में 31, मुजफ्फरनगर में 20, महोबा, प्रयागराज व नजीबाबाद में 18-18, संभल में 12, आजमगढ़ व जौनपुर में 11-11, मऊ व रामपुर में छह-छह, उरई में चार, हापुड़ व पलिया-खीरी में दो-दो सारस मिले।

27 वन प्रभागों में सारस की संख्या 100 से 500 के बीच रही। इनमें रायबरेली में 428, सीतापुर में 427, उन्नाव में 426, बरेली में 348, सोहगीबरवा में 339, लुप्तप्राय 306, बांदा में 261, बाराबंकी में 257, फिरोजाबाद में 239, दक्षिण खीरी में 209, अलीगढ़ व अमेठी में 194-194, बस्ती में 186, गौतमबुद्ध नगर में 171, मथुरा में 166, बिजनौर सामाजिक वानिकी में 143, गोंडा में 142, एटा में 138, सुल्तानपुर में 137, बहराइच में 135, फर्रुखाबाद में 134, कानपुर नगर में 133, राष्ट्रीय चंबल सेंच्युरी में 119, बदायूं में 116, फतेहपुर में 103, चित्रकूट और अवध वन प्रभाग में 102-102 सारस पाए गए।

2021 में 17329 सारस पाए गए थे, 2024 में हुए 19918

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पशु-पक्षी व पर्यावरण प्रेम जगजाहिर है। 2017 में सत्ता संभालने के बाद से उन्होंने विभागों को भी इनके संरक्षण पर विशेष जोर दिया। इस क्रम में जब 2021 में सारस की गणना हुई तो यह संख्या 17329 पाई गई। 2022 में यह कुनबा 19188 हुआ। 2023 में यूपी में 19522 सारस मिले, 2024 में बढ़कर यह संख्या 19918 हो गई। पिछले वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष 396 सारस यूपी में बढ़ गए। 2021 से 2024 के बीच प्रदेश में 2589 सारस बढ़े।

जौनपुर : आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला सहित तीन लोगों की मौत

केटी न्यूज / जौनपुर

जनपद के दो अलग अलग थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गयी।सिंगरामऊ थाना क्षेत्र केवटली गांव में मंगलवार की देर शाम आकाशीय बिजली की चपेट में आने से ई रिक्शा चालक की मौके पर ही मौत हो गई तो वही थाना सरपतहां क्षेत्र में खेत मे कार्य कर रहे एक महिला और पुरुष मजदूर की मौत हो गयी।सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनों जगहों पर कार्यवाही करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। जानकारी के मुताबिक थाना सिंगरामऊ क्षेत्र के ई रिक्शा चालक संतोष यादव लंभुआ से भसवारी लेकर केवटली आया था। वापस जाते समय बारिश बिजली की तेज आवाज के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान केवटली पंचायत भवन के पास पहुंचे थे कि आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए और घटनास्थल पर उनकी मौत हो गई। थानाध्यक्ष तरुण श्रीवास्तव ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

वहीं दूसरी घटना थाना सरपतहां क्षेत्र के गांव उसरिया सेखाई की है जहाँ कामता प्रसाद यादव के खेत मे शोभनाथ गौतम व रेखा गौतम धान की रोपाई का कार्य कर रहे थे।उसी दौरान आकाशीय बिजली गिरने से दोनो की मौत हो गयी।पुलिस ने दोनों के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया तथा आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

पीयू के छात्र का साफ्टवेयर इंजीनियर पद पर प्लेसमेंट

जौनपुर। बी टेक कंप्यूटर साइंस के छात्र यतन्दीप दुबे का चयन बंगलौर स्थित वी यू नेट सिस्टम्स में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर हुआ है। यतन्दीप दुबे ने बताया कि विश्व विद्यालय में अकादमिक गतिविधियों के साथ साथ सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग, पर्सनेलिटी डेवेलपमेंट, कम्यूनिकेसंस स्किल्स और इंटरव्यू स्किल्स की ट्रेनिंग के आधार पर ये सफलता पाई है। इससे उन्हें पूर्व में भी लगभग 5 जगहों से ऑफर मिला है । कुलपति प्रो वंदना सिंह ने छात्र को बधाई एवं शुभकामना देते हुये कहा कि विश्वविद्यालय छात्रों के विकास हेतु लगातार कार्य और सहयोग करता रहेगा। सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद चयनित होने पर प्रो प्रदीप कुमार,डॉ संतोष कुमार, डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह, श्याम त्रिपाठी और विभाग के शिक्षकों और छात्र छात्राओं ने बधाई दी है।

30 जुलाई को प्रेमचंद की जयंती पर होगा संदेश नाटक का मंचन

पीडीडीयू नगर। अस्मिता नाट्य संस्थान की एक आवश्यक बैठक स्थानीय लाल बहादुर शास्त्री पार्क में हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 30 जुलाई प्रेमचंद जयंती की पूरे संध्या पर संस्था द्वारा वाराणसी के नमो घाट पर नुक्कड़ नाटक संदेश का मंचन किया जाएगा। वही 31 जुलाई को प्रेमचंद की जयंती पर ज्योति कॉन्वेंट स्कूल सकलडीहा रोड मुगलसराय में भी इसी नाटक का मंचन होगा। जिसके निर्देशक विजय कुमार गुप्ता होंगे।

खरीफ में धान के साथ-साथ किसान ज्वार, बाजरा, मक्का की करेंगे खेती

129215 हेक्टेयर में खरीफ के विभिन्न फसलों का होगा उत्पादन

♦ विभाग की ओर से किया जा रहा है प्रोत्साहित

केटी न्यूज / चंदौली

कृषि प्रधान जनपद में विभिन्न फसलों के उत्पादन के लिए लक्ष्य निर्धारित कर दिया। इस बार खरीफ की फसल 129215 हेक्टेयर में होगा। जिसमें धान, मूंग,उर्द सहित विभिन्न फसल शामिल है। इसमें सबसे अधिक धान की फसल उत्पादन किया जाएगा। वही किसान अन्य फसल भी उग रहे हैं। जिससे उन्हें अच्छे मुनाफा के साथ राहत मिल सकती है। कृषि प्रधान जनपद में धान की खेती के साथ-साथ अन्य खेती को भी विभाग की ओर से प्रोत्साहित किया जा रहा है,ताकि किसान धान की फसल के साथ-साथ ज्वार,बाजरा, अरहर की खेती भी कर सके।

इसके लिए विभाग की ओर से समय-समय पर प्रोत्साहित करने के साथ-साथ फसल उत्पादन कराए जाने के लिए बीज भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जनपद में कुल 11365 हेक्टेयर में धान की खेती की जाएगी जिसमें 2000 हेक्टेयर सुगंधित,11500 शंकर और 100350अन्य धान शामिल है। इसके अलावा 81 हेक्टेयर में मक्का,1430 ज्वार,6160 बाजरा, 2254 श्री अन्य,152 उर्द, 17 मूंग और 5486 हेक्टेयर में अरहर खेती का लक्ष्य रखा गया है। वहीं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों द्वारा प्रोत्साहित करने के साथ-साथ उन्हें अरहर के बीज भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं, ताकि अच्छी बीज का उपयोग करके उत्पादन किसान अच्छा कर सके। जिला कृषि अधिकारी विनोद कुमार यादव ने बताया जनपद में किसानों खेती के लिए विभाग की ओर से लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। इसमें सबसे अधिक धान का लक्ष्य है और इसके अलावा ज्वार,बाजरा व अरहर की भी खेती का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

सुभाषितम्

अभिव्यक्ति की कुशल शक्ति ही तो कला है।

- मैथिलीशरण गुप्त

जनसंख्या नियंत्रण के लिये क्रांति का शंखनाद हो

- ललित गर्ग

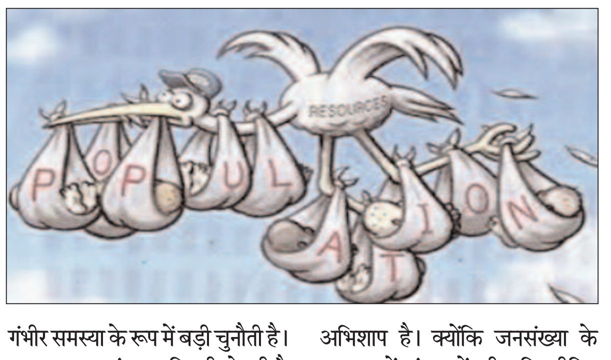

प्रतिवर्ष विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई को मनाया जाता है, यह दिवस 11 जुलाई, 1987 से मनाया जाता है, जब दुनिया की आबादी 5 अरब हो गयी थी। यह दिवस जनसंख्या वृद्धि, इसके विकास एवं स्थिरता पर प्रभाव के जटिल मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समूची दुनिया को एकजुट करता है और आयोजनात्मकता से आगे बढ़कर वैश्विक जनसंख्या वृद्धि की चुनौतियों और अवसरों पर वैश्विक संवाद और कार्रवाई को उत्प्रेरित करता है। यह सतत और संतुलित भविष्य प्राप्त करने एवं शिक्षा, चिकित्सा, पर्यावरण के वैश्विक प्रयासों में योगदान देता है। वर्तमान में सम्पूर्ण विश्व की जनसंख्या आठ अरब 11 करोड़ 88 लाख के लगभग है जो वर्ष 2023 से 0.91 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। इसी अवधि में भारत की जनसंख्या एक अरब 44 करोड 17 लाख है जो वर्ष 2023 से 0.92 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ी है। भारत जनसंख्या के हिसाब से चीन को पीछे छोड़ कर विश्व में पहले नंबर पर आ गया है। चीन की वर्तमान जनसंख्या 1 अरब 42 करोड़ 51 लाख है। जनसंख्या में वृद्धि संसाधनों और सेवाओं पर दबाब डालती है। जनसंख्या जिस तीव्र गति से बढ़ रही है, उस गति से आर्थिक विकास एवं अन्य विकास नहीं हो रहा है, जो एक गंभीर समस्या के रूप में बड़ी चुनौती है। बात जब जनसंख्या वृद्धि की हो रही है तो दुनिया में भारत की बढ़ती जनसंख्या न केवल चौंका रही है, बल्कि एक बड़ी चुनौती के रूप में सामने आ रही है। भारत अब दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला मुल्क हो गया है, परेशानी में डालने वाली इस खबर के प्रति सचेत एवं सावधान होने के साथ सख्त जनसंख्या नियंत्रण नीति लागू करने की अपेक्षा है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत साल 2023 में ही चीन से ज्यादा आबादी वाला देश हो गया था। जबकि पहले यह अनुमान लगाया जा रहा था कि साल 2027 में भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होगा। बढ़ती जनसंख्या की चिन्ता में डूबे भारत के लिये चार साल पहले ही दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी वाला देश होना कोई गर्व की बात नहीं है। भारत के लिये बढ़ती आबादी एवं सिकुड़ते संसाधन एक त्रासदी है, एक विडम्बना है, एक अभिशाप है। क्योंकि जनसंख्या के अनुपात में संसाधनों की वृद्धि सीमित है। जनसंख्या वृद्धि ने कई चुनौतियों को जन्म दिया है किंतु इसके नियंत्रण के लिये कोरे कानूनी तरीके को एक उपयुक्त कदम नहीं माना जा सकता। इसके लिये सरकार को जनसंख्या पर तुरंत पारदर्शी एवं सख्त नियंत्रण के कदम उठाने के साथ, भारत के लिये प्रभावी जनसंख्या नीति को लागू करना, आम जनता की सोच एवं संस्कृति में बदलाव लाना होगा, लेकिन दुर्भाग्य से अभी कुछ हो ही नहीं रहा है। पूरी दुनिया की आबादी में अकेले एशिया की 61 फीसदी हिस्सेदारी है। यह रिपोर्ट साफ इशारा करती है कि जहां कम आबादी है, वहां ज्यादा संपन्नता है। भारत में दिन-प्रतिदिन जनसंख्या विस्फोट हो रहा है, इसी से बेरोजगारी बढ़ रही है, महंगाई भी बढ़ने का कारण यही है, संसाधनों की किल्लत भी इसी से बनी हुई है। यही एक कारण भारत को दुनिया की महाशक्ति बनाने की सबसे बड़ी बाधा है। ऐसे में सबको नौकरी मिलना इतना आसान नहीं। इसलिए सरकार शीघ्र सुसंगत जनसंख्या नीति लागू करे। जिसको दिक्कत हो और ज्यादा बच्चे पैदा करके मनमानी करनी हो, उनके खिलाफ कानूनी सजा के प्रावधान किये जाये। यह एक अराष्ट्रीय सोच है कि अधिक बच्चे पैदा करके उनकी जिंदगी कष्ट में झोंकना। जब बच्चे को सुखी जिंदगी नहीं दे सकते, तो दूसरों के भरोसे उन्हें पैदा करने की प्रवृत्ति शर्मनाक है। यह देखने में आ रहा है कि आज के वैज्ञानिक युग में भी कुछ समुदाय बच्चे पैदा करने को लेकर रूढ़िवादी नजरिया अपनाए हुए हैं और उनकी प्रतिक्रिया में अन्य समुदायों के नेता भी ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की वकालत करने लगे हैं। यह बेहद खतरनाक स्थिति है। इस तरह जनसंख्या बढ़ोतरी की पैरोकारी करने वालों की निंदा की जानी चाहिए, चाहे वे किसी मजहब के हों। क्योंकि देश की तरक्की की सबसे बड़ी बाधा बढ़ती जनसंख्या ही है। भारत में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने में राजनीति एवं तथाकथित स्वार्थी राजनीतिक सोच बड़ी बाधा है। अधिकांश कट्टरवादी मुस्लिम समाज लोकतांत्रिक चुनावी व्यवस्था का अनुचित लाभ लेने के लिए अपने संख्या बल को बढ़ाने के लिये सर्वाधिक इच्छुक रहते हैं और इसके लिये कुछ राजनीतिक दल उन्हें प्रेरित भी करते हैं। ऐसे दलों ने ही उद्घोष दिया है कि ह्लजिसकी जितनी संख्या भारी सियासत में उसकी उतनी हिस्सेदारीह्वह्व जनसंख्या के सरकारी आकड़ों से भी यह स्पष्ट होता रहा हैं कि हमारे देश में इस्लाम सबसे अधिक गति से बढ़ने वाला संप्रदाय-धर्म बना हुआ हैं। इसलिए यह अत्यधिक चिंता का विषय है कि ये कट्टरपंथी अपनी जनसंख्या को बढ़ा कर देश के लिये बड़ी समस्या खड़ी कर रहे हैं। सीमावर्ती प्रांतों जैसे पश्चिम बंगाल, आसाम, कश्मीर आदि में वाकायदा पडौसी देशों से मुस्लिमों की घुसपैठ कराई जाती है और उन्हें देश का नागरिक बना दिया जाता है, यह एक तरह का ह्लजनसंख्या जिहादह्व है क्योंकि इसके पीछे इनका छिपा हुआ मुख्य ध्येय हैं कि धर्मनिरपेक्ष भारत का इस्लामीकरण किया जाये। हमारी जनसंख्या नियंत्रण संबंधी नीतियां बहुत उदार रही हैं, जिसकी वजह से हम आबादी बढ़ने की रफ्तार को जरूरत के हिसाब से थाम नहीं पाए। चीन ने साल 1979 में ही एक संतान नीति को पूरी कड़ाई से लागू कर दिया था, इसका नतीजा हुआ कि उसे आबादी की रफ्तार रोकने में कामयाबी मिली। ध्यान देने की जरूरत है कि साल 1800 में भारत की जनसंख्या लगभग 16.90 करोड़ थी। चीन आबादी के मामले में कभी भारत से लगभग दोगुना था। 1950 के बाद दोनों देशों की आबादी तेजी से बढ़ने लगी। साल 1980 में चीन एक अरब जनसंख्या तक पहुंच गया। इसके ठीक एक वर्ष पहले वहां एक संतान की नीति लागू हुई थी। भारत साल 2000 में एक अरब के आंकडे. के पार पहुंचा और अब चीन से आगे निकल गया है। चीन एक संतान की नीति को 2016 में वापस ले चुका है, लेकिन इसके बावजूद वहां आबादी पर नियंत्रण है, क्योंकि वहां की राष्ट्रीय भावना, संस्कृति और सोच, दोनों में बदलाव आ चुका है। लेकिन भारत में ऐसा न होने का कारण राजनीति एवं उसके द्वारा पोषित मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति है। इसके वितरीत विभिन्न मुस्लिम देश टर्की, अल्जीरिया, ट्यूनीशिया, मिस्त्र, सीरिया, ईरान, यू.ऐ. ई., सऊदी अरब व बांग्लादेश आदि ने भी कुरान, हदीस, शरीयत आदि के कठोर रुढ़ीवादी नियमों के उपरांत भी अपने-अपने देशों में जनसंख्या वृद्धि दर नियंत्रित करने के कठोर उपक्रम किये हैं। भारत की स्थिति चीन से पृथक है तथा चीन के विपरीत भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर किसी को अपने व्यक्तिगत जीवन के विषय में निर्णय लेने का अधिकार है। भारत में कानून का सहारा लेने के बजाय जागरूकता अभियान, शिक्षा के स्तर को बढ़ाकर तथा गरीबी को समाप्त करने जैसे उपाय करके जनसंख्या नियंत्रण के लिये प्रयास होने चाहिये।

राजनेताओं के लिए पाखंडी बाबाओं का सच

राजनीति में राजनेताओं के लिए पाखंडी बाबा मजबूरी बन चुके हैं। राजनेताओं के नाम से भीड़ इकट्ठी नहीं होती है। राजनेता जो कहते हैं, उस पर आम जनता को विश्वास नहीं होता है। जिसके कारण पिछले तीन-चार दशकों में भारतीय जन समुदाय को नेताओं पर विश्वास नहीं रहा। फिल्म स्टार, पाखंडी बाबाओं, खिलाड़ी और करतब दिखाने वालों के पास भीड़ बड़ी संख्या में एकत्रित होती है। राम मंदिर आंदोलन के बाद हिंदुओं की बड़ी भीड़ साधु-संतों के आसपास एकत्रित होने लगी। जिसके कारण राजनेताओं ने भी इन फर्जी बाबाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया। जब बड़े-बड़े राजनेता ऐसे पाखंडी बाबाओं के दरबार में जाकर हाजिरी लगाते हैं, उनके पैर पड़ते हैं। पाखंडी बाबाओं के सामने नतमस्तक हो जाते हैं। आम जनता के बीच में यही संदेश जाता है। बाबाजी में कुछ ना कुछ तो ऐसा है, तभी तो समाज और राजनीति के इतने बड़े-बड़े लोग उनके दर्शन करने पहुंच रहे हैं। 1990 के बाद से भारत की राजनीति में पाखंडी बाबाओं का रसूख बढ़ता चला गया। उसके बाद ही पाखंडी बाबाओं का भाग्य उदय हुआ। उनके बड़े-बड़े आश्रम बनने लगे। करोड़ों रुपए के उनके आश्रम तैयार होने लगे। बाबाओं के कहने पर उनके भक्त वोट भी देने लगे। जिसके कारण भारत की संपूर्ण राजनीति धर्म और पाखंडी बाबाओं के आस-पास से संचालित हो रही है। हाल ही में 123 लोग हाथरस में बाबा नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मौत के शिकार हो गए। उत्तर प्रदेश की सरकार और वहां की पुलिस ने बाबा का नाम एफआईआर में नहीं आने दिया। उनके आश्रम के आयोजन के खिलाफ हरदोई में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। 2 दिन के अंदर जांच हो गईं, 900 पन्ने की रिपोर्ट आ गई। जिसमें बाबा को बरी कर दिया गया। 123 लोगों की मौत के बाद से बाबा फरार है। सरकार ने एसडीएम, थाना इंचार्ज और अन्य लोगों को निलंबित कर बाबा को बचाने की पुरजोर कोशिश की है। उत्तर प्रदेश की सरकार बाबा को क्यों बचना चाहती है। इसका सीधा-साधा जवाब है। बाबा के लाखों श्रद्धालु, अंधभक्त बाबा के एक इशारे पर राजनीतिक दल और राजनेता के पक्ष में मतदान करने समर्पित होते हैं। यह बात नेताजी जानते हैं। बाबा भी जानते हैं। राजनीति मैं अब सच का स्थान नहीं रहा। आम आदमी सपने में जीना चाहता है। फर्जी बाबा, बैरागी ईश्वर आराध्य के रूप में भक्तों को भरोसा दिलाते हैं। ईश्वर के आशीर्वाद से भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। जब इन बाबाओं के पास बड़े-बड़े राजनेता, बड़े-बड़े अधिकारी और पुलिस वाले नतमस्तक होते हैं। ऐसी स्थिति में भक्तों का विश्वास इन बाबाओं के प्रति और भी बढ़ जाता है। फर्जी बाबा अपने आश्रम में बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के फोटो लगाते हैं। वहीं राजनेता फर्जी बाबाओं के पास पहुंचकर बाबा के भक्तों को विश्वास दिलाता है। वह भी उनके गुरु भाई हैं। उनके बीच में ईश्वरीय रिश्ता बना हुआ है। जिसका लाभ नेताओं को राजनीति में मिलता है। इस स्थिति में किसकी हिम्मत है, जो किसी भी राजनेता के खिलाफ एक शब्द भी बोल सके। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके। उत्तर प्रदेश सरकार पहले दिन से ही बाबा के प्रति उदार है। अपराध-न्याय प्रक्रिया में एक नया शब्द आयोजक जुड़ गया है। इसलिए आयोजकों के खिलाफ मुकदमा और कार्रवाई की जा रही है। भोले बाबा तो भक्तों की नजर में ईश्वर के अंश हैं। भगदड में जिनकी मृत्यु हुई है, भगवान ने उनकी उतनी ही उम्र लिखी थी। भगवान की लिखी हुई उम्र को भोले बाबा भी घटा और बढ़ा नहीं सकते हैं। जो मरे हैं, उनका मरना तय था। सत्संग में जो मरे हैं। निश्चित रूप से स्वर्ग में स्थान मिलेगा। बाबा के भक्तों का यह विश्वास आज भी है। राजनीति में सत्ता पक्ष हो, या विपक्ष हो। भक्तों के इस विश्वास को तोड़ना नहीं चाहते हैं। ना ही बाबा की नाराजी लेना चाहते हैं।७

चिंतन-मनन

भगवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा।

अब भी चालू आहे अदावत की राजनीति

- राकेश अचल

` भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस के राष्ट्रपति ने आधिकारिक तौर पर रूस के सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान - ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल - से भले सम्मानित किया ही लेकिन से मोदी जी की चाल, चरित्र और चेहरे में कोई तबदीली नजर नहीं आ रही। उन्होंने अपने देश में जिस तरह से नागरिकों के साथ ही जन प्रतिनिधियों के खिलाफ अदावत की राजनीति का आगाज किया था वो आज भी बादस्तूर जारी है। आज भी उनकी प्रिय ईडी जन प्रतिनिधियों को जेल के भीतर भेजने के लिए सक्रिय है। मोदी जी को मिले रूसी नागरिक सम्मान से भारत के नागरिकों को गौरवान्वित होना चाहिए। कम से कम उन्हें कुछ तो हासिल हो रहा है। भारत के नागरिकों में उनकी पैठ कम हुई है लेकिन वे दुनिया के लोकप्रिय नेता बने हुए हैं । मुश्किल ये है कि उन्हें अपने अलावा किसी और की लोकप्रियता नहीं पचती। कुछ लक्ष्मण रेखाएं हैं अन्यथा वे अपने तमाम प्रतिद्वंदी विदेशी नेताओं के खिलाफ भी ईडी और सीबीआई को लगा देते। कम से कम पाकिस्तान और चीन के नेताओं के पीछे तो लगाते ही। लेकिन अभी उनकी ईडी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पीछे लगी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एकाधीनस्थ अदालत ने जमानत दी तो ईडी दौड़ती भागी ऊपर के न्यायालय में जा पहुंची और उसने केजरीवाल की जमानत रद्द कराकर ही दम लिया। आखिर केजरीवाल बिना मोदी जी की इजाजत के या उनके सामने समर्पण किये बिना कैसे राजनीति कर सकते हैं ? केजरीवाल की न सिर्फ जमानत रद्द हुई बल्कि उनके पीछे सीबीआई ने भी एक अन्य मामला दर्ज कर उनका प्रोडक्शन वारंट हासिल कर उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर लिया। केजरीवाल बाल-बाल नहीं बच पाए। अब ये केजरीवाल पर है कि वे मोदी जी की बैशाखी सरकार से लड़ते हैं या उनके सामने आत्मसमर्पण करते हैं। अदावत की राजनीति का दूसरा शिकार झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन है। हेमंत भी हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हुए और उन्होंने जैसे ही दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ली ,उनके खिलाफ ईडी भी बड़ी अदालत में जा धमकी ,उनकी जमानत रद्द करने के लिए। मोदी जी की मर्जी के बिना हेमंत भी मुख्यमंत्री नहीं रह सकते। मोदी जी और उनकी सरकार चाहती है कि हेमंत को अगर राजनीति करना है तो वे समर्पण करें अन्यथा ,नेता जेल जाएँ। मोदी जी देश में एकछत्र राज करना चाहते हैं ,हालाँकि देश की जनता ने हाल के जनादेश में उन्हें ऐसा करने के लायक नहीं समझा। मोदी जी की अदावत की राजनीति कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है ,ये सचमुच चिंता का विषय है । मुझे लगता था कि मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद कुछ बदल जायेंगे ,लेकिन मै गलत सोचता था। वे बिलकुल नहीं बदले । उन्हें जनता से डर नहीं लगता,क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें अगली बार जनता की अदालत में पेश होना ही नीं है। ये उनकी अंतिम पारी है। इसमें वे जो करना चाहें कर लें, क्योंकि फिर ये मौका मिलने वाला नहीं है। मोदी जी भारत की राजनीति में अदावत की राजनीति के संथापक ही नहीं बल्कि झंडावरदार भी हैं। इसके लिए भी उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना चाहिए। वैसे अदावत की राजनीति की असली जनक तो तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी थीं, लेकिन मोदी जी ने उन्हें भी पीछे छोड़ दिया। दुनिया में मोदी जी अकेले ऐसे भारतीय नेता हैं जिन्हें एक दिन की जेल यात्रा किये बिना, दुनिया सम्मानित कर रही है । उन्हें मिलने वाले सम्मानों से उनकी पुरानी कमीजों की आस्तीनों पर लगे गुजरात दंगों के लहू के दाग धुल रहे हैं। वे बार -बार हारकर भी जीत रहे है। मोदी जी पहले ऐसे भारतीय नेता भी हैं जो अपने देश में जलते मणिपुर नहीं गए,लेकिन उन्हें यूक्रेन युद्ध को लेकर मध्यस्थ की कथित भूमिका निभाने के लिए रूस सम्मानित कर रहा है। संस्कृत में एक कहावत है - अहो रूपम ,अहो ध्वनि की । रूस के राष्ट्रपति और मोदी जी पर ये कहावत खूब फबती है। पुतिन जिस तरह से दो दशक से देश की सत्ता पर काबिज हैं,मोदी जी उसी का अनुशरण कर रहे हैं। वे पुतिन का सत्ता में रहने का कीर्तिमान भंग करना चाहते हैं। वे ऐसा कर भी सकते हैं ,बशर्ते कि उनसे रूठे राम उनकी मदद करें। रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द एपोस्टल हमारे भारतरत्न सम्मान से कम नहीं है। मोदी को दिया गया ऑर्डर ऑफ द सेंट एंड्रयू एपोस्टल अवॉर्ड बहुत ही खास है. रूसी सरकार के अनुसार, ऑर्डर ऑफ द सेंट एंड्रयू एपोस्टल अवॉर्ड को दिए जाने की शुरूआत 17वीं शताब्दी में जार पीटर द ग्रेट ने 1699 को आसपास की थी। पीटर द ग्रेट को रूस का संरक्षक संत माना जाता है। इस तरह ये अवॉर्ड 325 साल पुराना है। यह रूस का सबसे पुराना और सबसे सर्वोच्च राजकीय सम्मान है। ऑर्डर के प्रतीक चिन्ह में आमतौर पर एक नीला सैश, सेंट एंड्रयू का क्रॉस वाला एक बैज और छाती पर पहना जाने वाला एक सितारा शामिल होता है। हमारा भारतरत्न सम्मान तो ले-देकर अभी 70 साल ही पुराना हुआ है। मोदी जी को देश कि जनता ने इस बार भले ही 400 पार नहीं करने दिया लेकिन वे रूसी सम्मान हासिल कर चीन के राष्ट्रपति शी जिन पिंग के बराबर तो आ ही गए। उन्हें भी वो पुरस्कार मिल गया जो पिंग के पास है। कहते हैं कि मोदी जीअबतक सात सात शीर्ष वैश्विक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है. उन्हें साउथ कोरिया, सऊदी अरब, फिलिस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान कर चुके है। इसलिए हमें भी उनका सम्मान करना ही चाहिए। हम उनका सम्मान करते भी हैं ,किन्तु जब मोदी जी संसद में बहकते दिखाई देते हैं तब उनके वैश्विक नेता होने पर संदेह होने लगता है। बहरहाल मोदी जी को बहुत-बहुत बधाई और ये उम्मीद भी कि वे देश से अदावत की राजनीति का समापन कर अपने आपको एक दरियादिल नेता प्रमाणित कर सकेंगे।

सफेद चूने की पुताई से घर रखें ठंडा

-संजय गोस्वामी

गर्मियाँ अपने चरम पर हैं और हम सभी चाहते हैं कि हमारे घर बहुत ठंडे रहें।सफेद पेंट आम तौर पर 80 से 90 प्रतिशत सूर्य की रोशनी को परावर्तित करते हैं। इसका मतलब है कि वे अभी भी 10 से 20 प्रतिशत गर्मी को अवशोषित करते हैं, आइए जानते हैं कि हमें गर्मी क्यों लगती है। अब देखते हैं कि हमें गर्मी क्यों लगती है। सबसे पहले हमें यह समझने की जरूरत है कि ज्यादातर इमारतें कंक्रीट से बनी होती हैं और इमारतें छत से गर्म होना शुरू होती हैं। छत सूरज की गर्मी को सोख लेती है और फिर इसे अगली मंज़िल पर भेजती है। फर्श की हवा गर्म होकर स्लैब में चली जाती है। यह प्रक्रिया तब तक चलती रहती है जब तक हवा जमीन पर नहीं चली जाती (जो एक इन्सुलेटर के रूप में कार्य करती है)। यही कारण है कि इमारत का भूतल तापमान ऊपर की मंज़िल से कम होता है क्योंकि स्थानांतरण के दौरान बहुत अधिक गर्मी खो जाती है। दीवारें वातावरण से गर्मी सोख लेती हैं और गर्मी को बढ़ाती हैं। यह तब और भी बदतर हो जाता है जब उचित वेंटिलेशन के बिना गर्म हवा कमरे में फंस जाती है। कमरे का आंतरिक तापमान सूरज की रोशनी से गर्मी के अवशोषण और विकिरण के माध्यम से गर्म हो जाता है। अपने घर को ठंडा और तरोताजा रखने के लिए यहाँ कुछ सुझाव हैंः 1. घरों में हाई ग्लॉस पेंट का इस्तेमाल करें। हाई ग्लॉस पेंट का एक बड़ा फायदा यह है कि यह टिकाऊ होता है, जिसका मतलब है कि अगर आपकी दीवार लगातार गंदे फिंगरप्रिंट या तेल या चिकनाई वाली चीजों के संपर्क में रहती है, तो भी आप बिना किसी चिंता के उन्हें आसानी से धो सकते हैं। हाई ग्लॉस पेंट अन्य पेंट की तुलना में नमी के प्रतिरोधी होते हैं। यह चमकदार और बोल्ड दिखता है और घर ज्यादा विशाल दिखता है। यह अन्य पेंट की तुलना में ज्यादा रोशनी को परावर्तित करता है, जैसे कि एक दर्पण, और रंग को ज्यादा चमकदार और सुंदर बनाता है। जिन पेंट की गुणवत्ता अच्छी नहीं होती है, उनमें पानी के धब्बे दिखने की संभावना होती है और वे गीले होने पर फीके पड़ जाते हैं या उनका रंग फीका पड़ जाता है। छत पर सफेद चूना-चूने का उपयोग छत पर परावर्तक सतह के रूप में किया जा सकता है। हमारे पास कुछ उदाहरण हैं जहाँ चूने की सफेदी का महत्व है, जैसे आयरलैंड में, जहाँ घरों को पारंपरिक रूप से सफेद किया जाता है। चूने की सफेदी भी एक किफायती उपाय है। चूने के पानी का पेस्ट जिसे पेविकोल चिपकने वाले पदार्थ के साथ मिलाया जाता है, एक साफ सफेद छत जो 80% सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करती है, गर्मियों की दोपहर में लगभग 31उ ठंडी रहेगी। चूँकि चूना शुद्ध चूना होता है, इसलिए यह अपने दोहरे अपवर्तन के कारण असाधारण चमक देता है। लाइम वॉश और वाइट वॉश दोनों ही एक ही मटेरियल बन जाते हैं। हल्के रंग का उपयोग-दीवारों, साज-सज्जा और फर्नीचर में हल्के रंग का उपयोग घर को ठंडा और तरोताजा बनाने में भी मदद करता है। याद रखें, गहरे रंग का उपयोग करने से बचें क्योंकि यह प्रकाश को अवशोषित करता है, मुख्य रूप से सूर्य से विकिरण और हवा को गर्म करता है। साथ ही, हल्के रंगों का उपयोग कमरे को अधिक विशाल और उज्ज्वल बनाता है। खिड़की पर पौधे- आप अपनी खिड़की पर भी पौधे लगा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष दिन शुभफलदायी है और सभी कार्य में सफलता प्राप्त होगी। आपके लिए धन प्राप्ति के शुभ संयोग बन रहे हैं।

तुला आज सम्मान में वृद्धि होगी और काफी समय से रुके कुछ कार्य पूर्ण होंगे।

वृषभ चंद्रमा आपको सम्मान दिलाएगा। आपको इस सप्ताह रुका धन मिलने से पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृश्चिक दिन परेशानियों वाला रहेगा। घरेलू वातावरण काफी उतार-चढ़ाव वाला रहेगा।

मिथुन आज भाग्य साथ दे रहा है और आपको करियर में सफलता मिलने के योग हैं।

धनु आज सम्मान में वृद्धि होगी और आपको प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क दिन धन सम्मान में वृद्धि देने वाला होगा। आपको हर मामले में सफलता मिलने के योग हैं ।

मकर आज का दिन खुशी वाला रहेगा। आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा।

सिंह सिंह राशि के लोगों को करियर में सफलता प्राप्त होने के योग हैं और आपके सम्मान में वृद्धि होगी।

कुंभ आज करियर में लाभ होने के योग हैं और आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

कन्या आज का दिन मिलाजुला रहेगा और काफी दिनों से जो असमंजस बना हुआ है, उसका अंत होगा।

मीन रोजगार प्राप्ति के योग बन रहे हैं। व्यवसाय के लिए पर्याप्त अवसर और अनुकूल समय है।

विशेष

कब होगी भारत की जनगणना?

भारत में पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। 2021 में पुनः जनगणना होनी थी। 2019 में लोकसभा चुनाव थे। जनगणना में 2 साल का समय लगता है। शायद जनगणना इसलिए टाल दी गई थी। 2021 में कोरोना आ गया। सरकार ने कोरोना के बहाने जनगणना को टाल दिया, कोरोना भी चला गया है। 4 साल निकल गए हैं। लोकसभा के चुनाव भी हो गए हैं। 18वीं लोकसभा का गठन होकर सत्र भी हो गया है। सरकार ने जनगणना कराने की कोई घोषणा नहीं की। जनगणना नहीं कराने के पीछे कौन सी राजनीति हो सकती है। इसको लेकर तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। लोग आशा कर रहे हैं, बजट का जब दूसरा सत्र शुरू होगा। शायद तब सरकार जनगणना की घोषणा कर दे। आशा पर ही आसमान टिका है।

जनगणना के आधार पर 2026 में परिसीमन

2026 में परिसीमन की कार्रवाई होनी है। यह परिसीमन 2021 की जनगणना के आधार पर होना था। जनगणना अभी तक शुरू नहीं हुई है। 2024 में जनगणना यदि शुरू होगी, तो 2 साल में यह पूर्ण होगी। अर्थात 2026 में जनगणना के आंकड़े सरकार को मिलेंगे। ऐसी स्थिति में क्या परिसीमन का कार्य समय पर हो सकेगा। सरकार ने अभी जनगणना कराने का कोई निर्णय नहीं लिया है। 2029 में लोकसभा चुनाव होने हैं। 2028 में कई राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। यदि परिसीमन नहीं हुआ, तो क्या वर्तमान आधार पर ही चुनाव होंगे।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1533ः पोप क्लीमैन्ट सप्तम ने इंग्लैंड नरेश हेनरी अष्टम को समाज से बहिष्कृत कर दिया. 1840ः नेपोलियन ने हालैंड पर अधिकार कर लिया. 1848ः ब्रिटिश राजनेता विलियम ई.फारेस्टर का जन्म हुआ. 1899ः ट्रांसतल सरकार ने आब्रजकों को सात साल बाद मताधिकार देने की चोषणा की. 1917ः मोरक्कों में शाह हसन की सत्ता पलटने की साजिश में गिरफ्तार लोगों को मौत के घाट उतार दिया. 1956ः फिनो कारेलियन गणराज्य सोवियत संघ में शामिल हो गया. 1960ः कटोगा के प्रधानमंत्री मोइसे शोम्बे ने अपने प्रांत को स्वतंत्र घोषित किया. 1963ः इक्वाडोर में सेना ने सत्ता पर कब्जा कर लिया. 1967 ःहांगकांग में चीनी कम्युनिस्टों ने आतंकवादी गतिविधियाँ बढ़ा दी. 1978ः भूमध्यसागर के पास स्पेन में एक ट्रक में विस्फोट से लोगों की मौत हो गई.

दैनिक पंचांग

11 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.48 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	08.04 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	10.16 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.27 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	14.42 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	16.58 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	19.03 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	20.49 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	22.22 बजे से
राहुकाल		मेष	23.53 बजे से
1.30 से 3.00		वृष	01.33 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.31 बजे से

गुरुवार 2024 वर्ष का 193 वां दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** पंचमी 10.04 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 13.04 बजे को समाप्त। **योग** वरीयान 04.09 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 10.04 बजे तदनन्तर कौलव 23.17 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 5.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22°04' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872037 **जूलियन दिन** 2460502.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 04 **विशेष** स्कंद षष्ठी, विश्व जनसंख्या दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22	बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11	बजे तक
रोग	07.22 से	08.51	बजे तक	चर	07.11 से	08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19	बजे तक	रोग	08.43 से	10.15	बजे तक
चर	10.19 से	11.47	बजे तक	काल	10.15 से	11.47	बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15	बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19	बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51	बजे तक
काल	02.43 से	04.11	बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23	बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40	बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फ्रांस में नौकरी मिलना न तो नामुमकिन है और न ही आसान

पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक है ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड जैसे ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

दिल्ली के अनुविंद ने फ्रांस की एक फैशन कंपनी में नौकरी प्राप्त करके अपने सपनो को साकार किया है। उनके मुताबिक टाइम मैनेजमेंट न केवल आपको छोटे समय में फायदा पहुंचाता है बल्कि आपको इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए। फ्रांस में आकर मैने जाना कि इंसान को उसी चीज से पहचाना जाता है जो उसने सीखी होती है। पेरिस दुनिया की चार फैशन राजधानियों में से एक हैं ये वो जगह है जहां दुनिया के सबसे महंगे ब्रैंड ने जन्म लिया है। जब मैं भारत से यहां पढ़ाई के लिए पहुंचा तो मैं काफी नर्वस था। अब जब मैं पीछे देखता हूं तो अपने आप को काफी रिलैक्स महसूस करता हूं क्योंकि मेरा फैसला एकदम सही था।

बिजनेस स्कूल को चुनना

मुझे मार्केटिंग का जुनून था क्योंकि इसमें लोगों से मिलना, इनोवेशन और क्रिएटिविटी शामिल थी। ग्रेजुएशन के दौरान मार्केटिंग मेरा फेवरेट था। संभावित ग्राहक की इच्छा और जरुरतों को समझना, सुपरमार्केट में किसी प्रोडक्ट की प्लेसमेंट और मार्केटिंग रणनीति चलाने के लिए डेटा को समझना आदि मुझे हर चीज में स्पेशलाइज करना था। इन सबके ऊपर पिछले कुछ सालों में मुझे फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री से लगाव हो गया है। भारत, चीन, तुर्की, रूस और मैक्सिको में उभरती मार्केट्स के साथ यह वो इंडस्ट्री है जो मंदी के दौरान भी अच्छी गति से बढ़ रही थी। मुझे मार्केटिंग में ऐसी डिग्री प्राप्त करनी थी जिसका फोकस फैशन पर हो। गूगल पर सर्च करने क दौरान मुझे पता कि ऐसे केवल कुछ ही संस्थान हैं और इसमें से कुछ बेस्ट बिजनेस स्कूल फांस में हैं। इसके बाद मैने बिना देर किए जीमैट की तैयारी की और अपने ऐडमिशन के लिए मेहनत करने लगा। अचानक एक दिन सुबह मुझे संस्थान से ईमेल मिला कि मेरा चयन हो गया है।

जिंदगी बदलने वाला अनुभव

शुरुआती हफ्ते में मुझे कापी अजीब और उत्साहवर्धक लगा। अजीब इसलिए लगा क्योंकि यह मेरे लिए एकदम नई शुरुआत थी 30 से ज्यादा देशों के छात्र मेरी क्लास में थे। उत्साहवर्धक इसलिए लगा क्योंकि यहा सीखने के लिए काफी कुछ था।

करियर और उसके बाद

मैं हमेशा से ही फैशन और लग्जरी इंडस्ट्री में काम करना चाहता था और इस स्ट्रीम में मैने श्श्ठ॥श्श्ष्ट से स्पेशलाइजेशन किया था। फांस में नौकरी मिलना ना तो नामुमकिन है और न ही आसान। मुझे काफी फायदा हुआ। फांस के टॉप संस्थान से ग्रेजुएशन करना अपने आप में गर्व की बात थी। पढ़ाई के दौरान मुझे कई जगह इंटर्नशिप करने का मौका मिला। मैने इंटर्नशिप की जो एक बड़ी फैशन और कॉस्मैटिक कंपनी है। फांस ने केवल पेशवर तरीके से मेरी मदद की बल्कि मुझे किराए पर कमरा दिलाने और पेपरवर्क में आसानी के लिए फेंच भी सिखाई। मैं पेरिस में रहने से अपने आप को भाग्यशाली मानता हूं। यह दुनिया की फैशन कैपिटल है।

ये हैं ह्यूमैनिटीज के छात्रों के लिए टॉप करियर विकल्प

ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास बहुत सारे करियर ऑप्शन हैं। अगर आप भी ह्यूमैनिटीज के छात्र हैं और अपने लिए एक अच्छा करियर ऑप्शन ढूंढ रहे हैं तो यह आर्टिकल आपकी मदद करेगा। इस आर्टिकल में हमने कई सारे टॉप करियर ऑप्शन के बारे में बताया है।

ह्यूमैनिटीज क्षेत्र के छात्रों के पास भी साइंस और गणित के छात्रों की तरह कई करियर विकल्प होते हैं, जिनमें उन्हें अपनी रुचि और प्रतिभा के अनुसार चुनने का विकल्प होता है। ये छात्र शिक्षा, जर्नलिज्म आदि में अपना करियर बना सकते हैं। इन क्षेत्रों में काम करने के लिए उन्हें उनकी सामाजिक समझ, कम्युनिकेशन स्किल, और क्रिएटिवनेस का उपयोग करना पड़ता है। आइए जानते हैं इन जॉब्स के बारे में।

जर्नलिज्म

जर्नलिज्म को देश का चौथा पिलर माना जाता है। डिजिटलीकरण के बाद से इसमें पिछले कुछ वर्षों में तेजी से वृद्धि देखने को मिली है, जिससे इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। अगर आपकी जर्नलिज्म में रूचि है तो आप इस क्षेत्र में जरुर जाएं। आप न्यूज़ रिपोर्टर, फीचर राइटर, एडिटर, मल्टीमीडिया जर्नलिस्ट, संवाददाता या न्यूज एंकर बनकर अपने करियर में आगे बढ़ सकते हैं।

लॉ

लॉ बहुत ही प्रेस्टीजियस फ़ील्ड में से एक है। आप एलएलबी करने के बाद विभिन्न फर्म, कंपनियों और गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन में लीगल कंसल्टेंट बन सकते हैं। अपनी स्पेशलाइजेशन के साथ आप लीगल एडवाइजर के रूप में काम कर सकते हैं और क्लाइंट को विभिन्न समस्याओं पर सलाह दे सकते हैं। आप वकील के रूप में कोर्ट में भी वकालत कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी परीक्षा की तयारी करके जज बनना भी एक बहुत अच्छा विकल्प है ।

टीचिंग

टीचिंग की जॉब एक बहुत ही अच्छी जॉब होने के साथ-साथ बहुत सम्माननीय जॉब भी होती है। यह एक चुनौतीपूर्ण करियर भी है, जिसमें आपको एजुकेशन के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करना पड़ता है। भारत में योग्य शिक्षकों की मांग सभी स्तरों पर बहुत ज्यादा है। अगर आपकी रुचि भी शिक्षा और उससे संबंधित क्षेत्र में है तो आप एक टीचर बनकर बच्चे जो देश का भविष्य होते हैं उन्हें सही मार्ग दिखाकर देश की प्रगति में सहयोग कर सकते हैं।

ह्यूमन रिसोर्स

ह्यूमन रिसोर्स एक बहुत ही अच्छा करियर विकल्प हो सकता है, खासकर उन लोगों के लिए जो लोगों के साथ काम करने में रुचि रखते हैं और संगठन की स्ट्रेंथ को बढ़ाने के लिए योगदान देना चाहते हैं। इसमें आप लोगों के मैनेजमेंट, विकास, और कार्यसंगठन से संबंधित काम करते हैं।

मास कम्युनिकेशन

मास कम्युनिकेशन विभिन्न माध्यमों के माध्यम से संचार की प्रक्रिया को समझने और समाचार, सूचना, और विचारों को साझा करने में मदद करता है। आप रेडियो जॉकी, विज्ञापन और ब्रांडिंग स्पेशलिस्ट, सोशल मीडिया मैनेजर, फिल्म और टेलीविजन निर्माता या डायरेक्टर बनकर इस फील्ड में काम कर सकते हैं।

एडवरटाइजिंग

अपने किसी भी नए प्रोडक्ट को मार्केट में लाना हो या पुराने के बारे में भी कोई जानकारी देनी हो तो एडवरटाइजिंग सबसे बेस्ट तरीका होता है। इसीलिए इस फील्ड में बहुत स्कोप है। इसमें आपके प्रभावी ढंग से लिखने और बोलने की क्षमता जैसे गुणों की आवश्यकता होती है। आप एडवरटाइजिंग मैनेजर बनकर अभियानों के लिए योजनाओं का फेमवर्क तैयार करने का काम करते हैं।

राइटिंग और एडिटिंग

राइटिंग कोई नया फील्ड नहीं है जिसके बारे में बहुत ज्यादा जानकारी देने की जरूरत है लेकिन यह फील्ड इतना बड़ा है कि इसमें ना तो कभी जॉब्स की कमी होती है और ना ही कभी इंसान बोर हो सकता है अगर आपको लिखने में रूचि है तो आप कॉपीराइटर और कंटेंट ट्राइटर बनकर कंपनियों, विज्ञापन एजेंसियों, वेबसाइटों, ब्लॉगों, या ई-कॉमर्स साइटों के लिए कंटेंट लिख सकते हैं। आप प्रेस एजेंट और पब्लिक रिलेशन्स ट्राइटर के रूप में भी काम कर सकते हैं। आप प्रोफेशनल लेखक बनकर किताब, आर्टिकल और मैगजीन लिखने का काम कर सकते हैं। पब्लिक रिलेशन और कम्युनिकेशन - ह्यूमैनिटीज के छात्रों के पास अक्सर अच्छी कम्युनिकेशन स्किल होती हैं। जिससे उनके लिए पब्लिक रिलेशन, कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन या मार्केटिंग में करियर बनाना आसान हो जाता है। आप विज्ञापन एजेंसियों, पब्लिक रिलेशन फर्मों या कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभागों जैसे क्षेत्रों में काम कर सकते हैं।

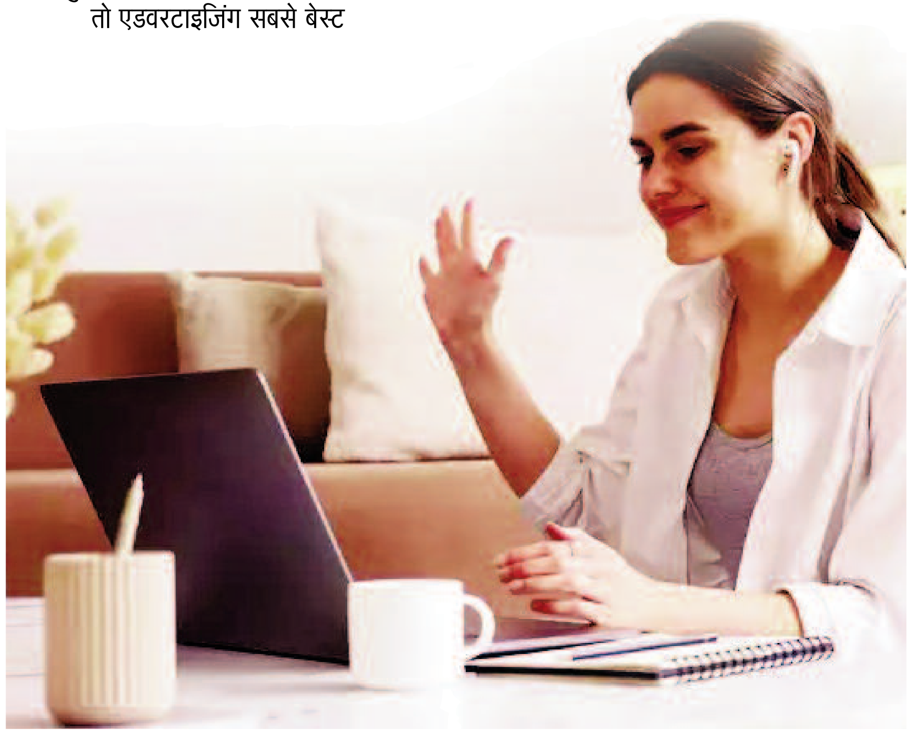

एमसीए क्यों करना चाहिए?

एमसीए करने के 5 बड़े फायदे

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) पोस्टग्रेजुएशन की डिग्री है। अच्छे कॉलेज से एमसीए करने के बाद स्टूडेंट्स की बढ़िया नौकरी लग जाती है। यही वजह है कि हर वर्ष बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स एमसीए की पढ़ाई करते हैं। अगर आप भी एमसीए करने की सोच रहे हैं तो आइए हम आपको यहां बताते हैं कि आपको एमसीए की पढ़ाई क्यों करनी चाहिए

मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) दो साल का स्नातकोत्तर कार्यक्रम है। यह डिग्री आपको कंप्यूटर एप्लिकेशन डेवलपमेंट और कई तरह की प्रोग्रामिंग भाषाओं की गहन समझ हासिल करने में मदद करती है। साथ ही साथ सैद्धांतिक और प्रैक्टिकल स्किल भी प्रदान करती है। ऐसे में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशंस (एमसीए) करना एक शानदार फैसला साबित हो सकता है।

एडवांस्ड नॉलेज

एमसीए कार्यक्रम में स्पेशल कंप्यूटर साइंस, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शामिल हैं। आप डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म से लेकर नेटवर्क सिक्योरिटी और सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट तक नवीनतम तकनीकों में गहन ज्ञान और व्यावहारिक विशेषज्ञता हासिल करेंगे। यह विशेष ज्ञान न सिर्फ आपकी तकनीकी क्षमताओं को निखारता है बल्कि आपको कठिन रोजगार बाजार में एक मूल्यवान उम्मीदवार बनाता है।

करियर ग्रोथ

आज के डिजिटल युग में कंपनियों में योग्य आईटी कर्मचारियों की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में एमसीए की डिग्री आपको आकर्षक नौकरी के अवसरों का लाभ उठाने और तेजी से कैरियर में ग्रोथ करने में सक्षम बनाती है। चाहे आपका सपना प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर, कंप्यूटर विश्लेषक या फिर प्रोग्राम आर्किटेक्ट या आईटी सलाहकार ही बनना हो। इन सबके अलावा एमसीए आपको करियर के कई अन्य मौके भी देता है।

विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त डिग्री

एमसीए की डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है, जो छात्रों को देश और विदेश दोनों जगहों पर नौकरी के अवसर तलाशने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। चाहे आपके कैरियर के लक्ष्य सरकारी संगठनों, तकनीक-आधारित स्टार्टअप्स ही क्यों न हों।

इंडस्ट्री के अनुसार

एमसीए को इंडस्ट्री को ध्यान में रखकर बनाया गया है। तेजी से बदलते तकनीकी परिदृश्य के साथ तालमेल रखने के लिए छात्रों को आधुनिक तकनीकों जैसे सूचना सुरक्षा, ऑनलाइन कंप्यूटिंग, मशीन के एल्गोरिदम और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के बारे में जानने का मौका मिलता है। आज के प्रतिस्पर्धी रोजगार बाजार में एमसीए की डिग्री रखने से काफी फायदा होता है क्योंकि कंपनियां आधुनिक कौशल और दक्षता को बहुत महत्व देती हैं।

नेटवर्किंग के अवसर

एमसीए करने से आपको शिक्षकों, अन्य छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ संबंध बनाने के कई मौके मिलते हैं। बिजनेस वर्कशॉप, इंटर्नशिप, गेस्ट लेक्चर्स, पूर्व छात्र सम्मेलन या अन्य माध्यमों से छात्रों को ऐसे लोगों से जुड़ने का अवसर मिलता है जो उन्हें महत्वपूर्ण सलाह, करियर संबंधी सुझाव और मार्गदर्शन दे सकते हैं। एक मजबूत प्रोफेशनल नेटवर्क विकसित करना न केवल आपको अच्छी नौकरी पाने की संभावनाओं को बढ़ाता है बल्कि कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में दिलचस्प करियर के द्वार भी खोलता है।

साउंड इंजीनियरिंग के टॉप करियर ऑप्शन

साउंड इंजीनियरिंग एक ऐसी स्ट्रीम है जिसमें आर्ट और साइंस एक साथ आते हैं। इसके अंतर्गत विभिन्न मीडिया जैसे कि वीडियो गेम, संगीत, फिल्में, टेलीविजन और रेडियो में उपयोग करने के लिए ऑडियो को बनाना, मिक्स करना, रिकॉर्डिंग और एडिटिंग का मुश्किल प्रोसेस शामिल है।

किसी विशेष कार्य के लिए बेस्ट ऑडियो गुणवत्ता की गारंटी देना ही साउंड इंजीनियरिंग है। इसके डायवर्स क्षेत्र को तकनीकी विशेषज्ञता और आर्टिस्टिक सेंसटिविटी दोनों में स्ट्रॉग बेस की आवश्यकता है। इस क्षेत्र के पेशेवरों को साउंड फिजिक्स में काबिल होना चाहिए, विभिन्न प्रकार के ऑडियो उपकरणों में निपुण होना चाहिए और ऑडियो क्रिएशन की आर्ट में कुशल होना चाहिए। एक साउंड मिक्सिंग इंजीनियर वह व्यक्ति होता है जो ऑडियो की आर्ट और साइंस को जानता है। यह व्यक्ति ऑडियो एलेमेंट्स को मिक्स और बैलेंस करता है। इस आर्टिकल में साउंड इंजीनियरिंग की दुनिया, योग्यताओं, करियर विकल्पों के बारे में बताया गया है।

म्यूजिक प्रोडक्शन

संगीत रिकॉर्ड करने और बनाने के लिए, रिकॉर्डिंग स्टूडियो में साउंड इंजीनियर संगीतकारों के साथ काम करते हैं। वे सावधानीपूर्वक अलग-अलग लेवेल्स को मिक्स करते हैं और ट्रैक बनाते हैं, जिससे संगीत रचनाओं की साउंड टेपेस्ट्री बनती है।

लाइव साउंड

इस डोमेन के विशेषज्ञ एथलेटिक इवेंट, थिएटर शो और संगीत कार्यक्रम जैसे लाइव इवेंट के दौरान ऑडियो को संभालते हैं। इसका काम यह सुनिश्चित करना होता है कि दर्शकों को एरररलेस ऑडियो अनुभव मिले।

फिल्म और टेलीविजन

विजुअल मीडिया के दायरे में, साउंड इंजीनियर फिल्मों, टीवी सीरीज और विज्ञापनों के लिए ऑडियो रिकॉर्ड करने और एडिट करने की जिम्मेदारी निभाते हैं। उनकी विशेषज्ञता डायलॉग और साउंड इफेक्ट्स में जान डाल देती है।

गेमिंग इंडस्ट्री

साउंड इंजीनियर डीप और कंपलेक्स साउंड लैंडस्केप को और प्रभावी बनाकर गेमिंग डोमेन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं, जिससे आपको रियल गेमिंग अनुभव मिलता है।

रेडियो और प्रसारण

रेडियो स्टेशन और प्रसारण स्टूडियो, ऑडियो की हाईएस्ट क्वालिटी बनाए रखने के लिए साउंड इंजीनियरों पर बड़े पैमाने पर निर्भर करते हैं। ये प्रोफेशनल सुनिश्चित करते हैं कि रेडियो प्रसारण और अन्य ऑडियो सामग्री लगातार कड़े मानकों को पूरा करें।

पोस्ट-प्रोडक्शन

पोस्ट-प्रोडक्शन में विशेषज्ञता रखने वाले साउंड इंजीनियर इनिशियल रिकॉर्डिंग फेज के बाद परियोजनाओं पर काम शुरू करते हैं, विशिष्ट परियोजना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सावधानीपूर्वक ऑडियो रीसर्च और एडिटिंग करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे के लिए शेल के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए शेल इंडिया के साथ हाथ मिलाया है। साझेदारी के तहत, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के ग्राहक वाहन चार्जिंग के लिए देश भर में शेल के व्यापक ईंधन स्टेशन का इस्तेमाल कर सकेंगे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने एक बयान में कहा, समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार शेल इंडिया पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर सीसीएस 50 किलोवाट और 60 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जर लगाएगी जिससे ईवी चार्जिंग तंत्र मजबूत होगा। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए लंबी दूरी की यात्रा सुविधाजनक होगी। कंपनी के मुख्य वृद्धि अधिकारी गौरव गुप्ता ने कहा, ''शेल इंडिया के साथ हमारी साझेदारी टिकाऊ परिवहन के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे देश भर में लोग ईवी अपनाने को लेकर प्रोत्साहित होंगे। शेल इंडिया के बाजार निदेशक संजय वर्की ने कहा कि इस साझेदारी का मकसद डिजिटल एकीकरण तथा ग्राहक-केंद्रित पहलों का लाभ उठाकर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाए जाने को बल देना है।

जापान का निक्की 225 नए रिकॉर्ड उच्च स्तर 41,831,99 अंक पर बंद

तोक्यो एजेंसी। जापान का सूचकांक निक्की 225 बुधवार को एक और नए रिकॉर्ड 41,831,99 पर बंद हुआ। इसमें 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। यह मंगलवार को भी रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ था। सूचकांक निक्की 225 बुधवार को दिन के कारोबार में 41,889.16 के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। सूचकांक में पिछले वर्ष करीब 30 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई थी, जबकि पिछले तीन महीने में यह पांच प्रतिशत चढ़ चुका है। निर्यातोन्मुखी कंपनियों को भी मजबूत लाभ मिला है, क्योंकि जापानी येन की कमजोरी के कारण उनके मुनाफे में उछाल आया है। कमजोर येन की वजह से निर्यातकों का मुनाफा बढ़ जाता है।

टाटा समूह के सूर्य कांत यूएसआईएसपीएफ के निदेशक मंडल में हुए शामिल, बोले- मैं साथ काम करने के लिए उत्साहित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के कॉर्पोरेट क्षेत्र के दिग्गज एवं टाटा संस के वरिष्ठ सलाहकार सूर्य कांत यूएस इंडिया स्ट्रेटेजिक एंड पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के निदेशक मंडल में शामिल हो गए हैं। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मुकेश अघी ने कहा कि सूर्य कांत का नेतृत्व रणनीतिक साझेदारी की रूपरेखा तैयार करने में मददगार साबित होगा।

हमेशा के लिए खामोश हो जाएगी सरकारी कंपनी!

एमटीएनएल का कामकाज बीएसएनएल को सौंपने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकारी टेलिकॉम कंपनी महानगर टेलीफोन निगम अब कुछ दिन की मेहमान रह गई है। सरकार 30,000 करोड़ रुपये के ऋण पुनर्गठन को अंतिम रूप देने के करीब है। इसके बाद एमटीएनएल के पूरा कामकाज भारत संचार निगम को ट्रांसफर कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक कंपनी को आधिकारिक रूप से बंद करने का निर्णय अभी नहीं लिया गया है, लेकिन इतना तय है कि इसका स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होगा। अभी राजधानी दिल्ली और मुंबई में अपनी सेवाएं दे रही हैं जबकि बाकी देश में बीएसएनएल सेवा दे रही है। 4जी और 5जी सेवाओं की कमी के कारण बीएसएनएल और एमटीएनएल निजी टेलिकॉम कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं हैं।

एक सूत्र ने बताया कि एमएनटीएल का पूरा कामकाज बीएसएनएल के हाथों में चला जाएगा। बीएसएनएल पहले से ही वायरलेस ऑपरेशन को मैनेज कर रहा है। ऋण पुनर्गठन पूरा हो जाने के बाद एमटीएनएल का सारा काम बीएसएनएल करेगा। एक अन्य सूत्र ने बताया कि सरकार यह तय करने में लगी है कि एमटीएनएल के करीब 3,000 कर्मचारियों को वीआरएस की पेशकश की जाए या उन्हें बीएसएनएल में ट्रांसफर किया जाए। सरकार का मानना है कि बीएसएनएल देश में पूरे काम को मैनेज करना शुरू कर देगा, तो बेहतर परिणाम सामने आएंगे। मूल रूप से, सरकार ने दोनों सरकारी कंपनियों के विलय की योजना बनाई थी, लेकिन खासकर एमटीएनएल पर भारी कर्ज के कारण मर्जर नहीं हो पाया।

निजी कंपनियों से पिछड़ीं

2022 में, कैबिनेट ने दोनों दूरसंचार कंपनियों के ऋण का पुनर्गठन करने का फैसला किया। योजना यह थी कि इन कंपनियों को दीर्घकालिक ऋण जुटाने और अपने ऋण का पुनर्गठन करने की अनुमति देने के लिए सॉवरेन गारंटी प्रदान की जाए। दोनों सरकारी कंपनियां 4जी और 5जी की होड़ में पिछड़ गई हैं। इस कारण वे रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया जैसी प्राइवेट कंपनियों से मुकाबला नहीं कर पा रही हैं। लेटेस्ट टेलिकॉम टेक्नीक की कमी के कारण दोनों कंपनियां हर महीने ग्राहक खो रही हैं।

अप्रैल के अंत में बीएसएनएल के पास 7.46 प्रतिशत ग्राहक बाजार हिस्सेदारी थी, जबकि एमटीएनएल की हिस्सेदारी मात्र 0.16 प्रतिशत थी। इसकी तुलना में, बाजार की अग्रणी कंपनी रिलायंस जियो की वायरलेस ग्राहक हिस्सेदारी 40.48 प्रतिशत थी। भारती एयरटेल (33.12 प्रतिशत) दूसरे और वोडाफोन आइडिया (18.77 प्रतिशत) तीसरे स्थान पर थी। बीएसएनएल ने 2023-24 के लिए 5,378.78 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया जबकि एमटीएनएल का शुद्ध घाटा 3,267.5 करोड़ रुपये रहा। सरकार 2019 से ही इन दोनों कंपनियों को सहायता दे रही है।

कैसे होगा रिवाइवल

अब जब यह स्पष्ट हो गया कि एमटीएनएल अपने दम पर टिक नहीं पाएगी, तो उसका कामकाज बीएसएनएल को सौंपने का फैसला लिया गया है। सरकार ने 2019 से अब तक इन दोनों कंपनियों को कुल 3.22 लाख करोड़ रुपये का राहत पैकेज दिया है। 2019 में, दोनों कंपनियों के 92,000 से अधिक कर्मचारियों ने रिवाइवल पैकेज के हिस्से के रूप में वीआरएस लिया। इससे कंपनियों को अपने सैलरी बिल को कम करने में मदद मिली, जो उनके रेवेन्यू का 75 प्रतिशत से अधिक हुआ करता था। सरकार ने अब बीएसएनएल को और अधिक कुशल बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है ताकि वह रिलायंस जियो और भारती एयरटेल जैसी निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर सके।

सोने-चांदी के वायदा कारोबार में तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने-चांदी के वायदा कारोबार में आज तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 72,550 रुपए के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,200 रुपए के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

सोना के वायदा भाव चढ़े

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट आज 132 रुपए की तेजी के साथ 72,530 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 157 रुपए की तेजी के साथ 72,555 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 72,579 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 72,530 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 74,442 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रैक्ट आज 104 रुपए की तेजी के साथ 93,073 रुपए पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 217 रुपए की तेजी के साथ 93,186 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 93,250 रुपए के भाव पर दिन का उच्च और 93,073 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 96,493 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। कामेक्स पर सोना 2,371 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,367.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 7.10 डॉलर की तेजी के साथ 2,375 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 31.08 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 31.05 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.15 डॉलर की तेजी के साथ 31.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

एयर इंडिया और विस्तारा में 700 कर्मचारियों पर लटकी छंटनी की तलवार

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर इंडिया और विस्तारा दोनों एयरलाइंस के कम से कम 700 कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। दो अफसरों के मुताबिक इसकी आधिकारिक घोषणा इस साल अक्टूबर तक होने की संभावना है। दोनों एयरलाइंस के बहुप्रतीक्षित मर्जर ने कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार लटका दी है। दोनों अधिकारियों ने कहा कि इसमें रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे कर्मचारी और फिक्स्ड टर्म कांटैक्ट वाले कर्मचारी शामिल नहीं है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब 18,000 कर्मचारियों वाले एयर इंडिया का विस्तारा के साथ मर्जर होने वाला है। इसके लिए मर्ज की गई यूनिट में करीब 6000 विस्तारा कर्मचारियों को समायोजित करने की आवश्यकता होगी। एक अधिकारी ने कहा, आंतरिक फिटमेंट प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही छंटनी का ऐलान किया जाएगा। निश्चित अवधि के अनुबंध वाले कर्मचारियों और जल्द ही रिटायर होने वाले कर्मचारियों को छोड़कर एयर इंडिया और विस्तारा दोनों के करीब 700 कर्मचारियों की छंटनी होने की उम्मीद है।

पायलट और केबिन क्रू की होगी छंटनी

बार-बार प्रयास करने के बावजूद एयर इंडिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एयरलाइन ने फिटमेंट प्रॉसेसे में मदद के लिए बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप और डेलोइट को सलाहकार के रूप में नियुक्त किया था। उन्होंने कहा, ग्लोबल स्टैंडर्ड लगभग 60 फीसदी है लेकिन एयरलाइन ने अपने कर्मचारियों में से लगभग 95 फीसदी को बनाए रखने का लक्ष्य रखा है। जिन लोगों को नौकरी से निकाला जाएगा, उनमें फ्लाइंग स्टाफ (पायलट और केबिन क्रू), रिटायरमेंट की उम्र के करीब पहुंच रहे कर्मचारी और निश्चित अवधि के अनुबंध वाले कर्मचारी शामिल नहीं हैं, जिनके अनुबंध सामान्य परिस्थितियों में अपने आप रिन्यूअल हो जाते हैं।

छंटनी का फैसला प्रदर्शन के आधार पर

वहीं दूसरे अधिकारी ने कहा कि छंटनी का फैसला प्रदर्शन के आधार पर भी किया गया है। एक तीसरे अधिकारी ने नाम न बताने का अनुरोध करते हुए कहा, नॉन-फ्लाइंग कार्यों में कर्मचारियों को संगठनात्मक आवश्यकताओं और व्यक्तिगत योग्यता के आधार पर भूमिकाएं सौंपी जानी थीं।एयरलाइन ने पहले कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजनाओं के दो दौर की घोषणा की थी। इसमें करीब 2,500 कर्मचारी समूह से अलग हो गए।

भारत का सबसे बड़ा क्रूड सप्लायर बन गया है रूस

▶▶ रूस को ज्यादातर भुगतान दिरहम और रुपये में होता है ▶▶ रूबल में बदलने के लिए बैंक वसूलते हैं तगड़ी फीस

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस हमारा सबसे बड़ा ऑयल सप्लायर है। भारतीय कंपनियां कच्चे तेल और दूसरे वस्तुओं की खरीद का भुगतान दिरहम या रुपये में करती हैं। रूस के बैंक इसे लोकल करेंसी रूबल में बदलकर सप्लायर को भुगतान करते हैं। लेकिन इस काम के लिए वे तगड़ी फीस वसूलते हैं। लेकिन अब यह स्थिति बदलने वाली है। इसकी वजह यह है कि रूस का सरकारी बैंक इस हाई ट्रांजैक्शन फीस में कटौती पर बातचीत के लिए सहमत हो गया है। रूस के दूसरे बैंक भी इसके लिए राजी हो सकते हैं। मिंट की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से यह दावा किया गया है। इससे देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट आ सकती है।

यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस से तेल का आयात बंद कर दिया था। रूस ने भारत को डिस्काउंट पर कच्चा तेल ऑफर किया था। इसकी वजह से रूस भारत का सबसे बड़ा सप्लायर बन गया है। लेकिन हाल के दिनों में यह डिस्काउंट काफी कम रह गया है। सबरबैंक शुरुआत में भारतीय कंपनियों से चार फीसदी का अतिरिक्त प्रीमियम वसूल रहा था। लेकिन अब वह इस पर नए सिरे से विचार करने के लिए तैयार है। दोनों देशों के सेंट्रल बैंकों के बीच रूपी-रूबल करेंसी कनवर्जन मैकेनिज्म पर सहमति बनी थी लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया जा सका है। इसकी वजह यह है कि इन दोनों करेंसीज में से कोई भी पूरी तरह कनवर्टीबल नहीं है।

कितनी है कीमत

उम्मीद की जा रही है कि रूसी बैंकों की तरफ से राहत मिलने के बाद देश में पेट्रोल-डीजल की कीमत में गिरावट आ सकती है। इससे महंगाई से भी राहत मिलेगी। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में मार्च से कोई बदलाव नहीं हुआ है। आम चुनावों से पहले सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर आम लोगों को राहत दी है। तब पूरे देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत में प्रति लीटर दो रुपये की कटौती की गई थी। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये है। लेकिन कई शहरों में पेट्रोल 100 रुपये के पार मिल रहा है।

1 साल में 78 प्रतिशत का रिटर्न, एक्सपर्ट ने दी है खरीदने की सलाह

नईदिल्ली, एजेंसी। वीजा सर्विसेज देने वाली कंपनी बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज के शेयरों में पिछले एक साल के दौरान शानदार तेजी देखने को मिली है। निवेशकों को बीते एक साल में 78 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। इस स्टॉक के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। बता दें, बुधवार यानी कंपनी के शेयर बीएसई में 378 रुपये के आस-पास ट्रेड कर रहे थे। हालांकि, कंपनी के शेयर एक वक्त 400 रुपये के लेवल तक पहुंच गया था। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज ने इस स्टॉक को 'बाय' टैग दिया है। ब्रोकरेज हाउस का मानना है कि विजा सर्विसेज देने वाली कंपनी के शेयर 500 रुपये का क्रॉस कर सकते हैं। एक्सपर्ट ने 518 रुपये प्रति शेयर का टारगेट प्राइस सेट किया है। बीएलएस इंटरनेशनल सर्विसेज की स्थापना 2005 में हुई थी। कंपनी मौजूदा समय में 66 देशों में काम कर रही है। 46 सरकारी क्लाइंट्स को अपनी सुविधाएं मुहैय्या करवा रही है। 2023 में कंपनी का मार्केट शेयर 12 प्रतिशत था। इस साल अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 18 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में इस शुरुआती 7 महीनों में 4 महीने तेजी देखने को मिली है।

डीमार्ट और आईपरमार्ट में बिक रहा नकली घी और तेल, 46000 लीटर तेल सीज

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप डीमार्ट और आईपरमार्ट जैसी नामी रिटेल कंपनियों के आउटलेट में शॉपिंग कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए। इन ब्रांडेड रिटेल कंपनियों के आउटलेट में भी शुद्ध और असली माल मिलने की गारंटी नहीं है। जयपुर स्थित डी-मार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट्स पर भारी मात्रा में नकली घी और तेल मिला है। खाद्य विभाग की टीम ने डीमार्ट और आईपरमार्ट के आउटलेट पर कार्रवाई की। सरस घी एक सरकारी ब्रांड है लेकिन इसी ब्रांड का नकली घी डीमार्ट आउटलेट पर बेचा जा रहा था। डी-मार्ट के अलग-अलग आउटलेट पर नकली सरस घी मिला। खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से कार्रवाई पर अब तक 46 हजार लीटर नकली तेल सीज किया जा चुका है।

जयपुर शहर के अलग अलग इलाकों में डी-मार्ट के आधा दर्जन से ज्यादा आउटलेट हैं। इन आउटलेट्स पर अनाधिकृत फर्म से सरस ब्रांड का घी सप्लाई होता था। आरसीडीएफ की सीएमडी सुषमा अरोड़ा ने बताया कि डीमार्ट को कूकरखेड़ा के गोदारा मार्केट में स्थित खंडेलवाल एंड कंपनी सरस घी सप्लाई होता है। इस फर्म का संचालक आशीष खंडेलवाल कूकरखेड़ा मंडी के अनुज ट्रेनिंग कंपनी से घी खरीद कर डी-मार्ट में सप्लाई करता था। ये दोनों ही फर्म सरस डेयरी के अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर नहीं है। खाद्य विभाग की कार्रवाई के बाद दोनों फर्मों को सीज कर दिया गया है। विभाग की ओर से दोनों फर्मों के संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। दोनों फर्मों के मालिक फरार हैं। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये दोनों फर्म नकली घी कहां कहां सप्लाई करते थे।

46 हजार लीटर नकली तेल का स्टॉक

नकली तेल की शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से लगातार कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त खाद्य आयुक्त पंकज ओझा का कहना है कि अब तक 46 हजार लीटर नकली तेल सीज किया जा चुका है। यह तेल टैगोर ब्रांड का है जो एक नामी कंपनी है। मिलावटखोरी करने वाले माफियाओं ने नकली प्रोडक्ट निकाल कर मार्केट में सप्लाई कर दिया। सरकारी ब्रांड के नाम से बेचा जाने वाला नकली सरस घी और प्रो वैदिक कंपनी का नकली घी भी सीज किया गया है। ओझा ने बताया कि अब तक नकली घी तेल की शिकायतें परचून की छोटे दुकानदारों के खिलाफ आती थी। अब नामी कंपनियों के सुपरमार्केट में भी नकली प्रोडक्ट मिलने लगा है। यह हैरान करने वाला मामला है। विभाग बड़ी गंभीरता से कार्रवाई कर रहा है।

मुकेश अंबानी ने खरीदी गौतम अडानी की कंपनी में बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के दो सबसे बड़े रईसों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच पहली बार प्रत्यक्ष रूप से कोई डील हुई है। अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अडानी पावर की सहयोगी कंपनी महान एनर्जन में पांच करोड़ शेयर खरीदे हैं। रिलायंस में एक एक्सचेंज फाइलिंग में यह जानकारी दी। यह डील 50 करोड़ रुपये में हुई है। रिलायंस ने मार्च में इस डील की घोषणा करते हुए महान एनर्जन में 26 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने की बात कही थी। अंबानी की कंपनी का कहना है कि उसने यह डील पूरी कर ली है। साल 2005 में स्थापित महान एनर्जन का मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में थर्मल प्लांट है। अभी इसकी कैपेसिटी 1200 मेगावाट है। पहले इसका मालिकाना हक एस्सार पावर के पास था। अडानी पावर ने मार्च 2022 में इसे 4,250 रुपये में खरीदा था। महान एनर्जन की वित्तीय वर्ष 2023 में कमाई 2,730.68 करोड़ रुपये रही। इससे पहले 2022 में कंपनी ने 1393.59 करोड़ रुपये और 2021 में 692 करोड़ का रेवेन्यू हासिल किया था। अडानी ग्रुप इस महान एनर्जन की पावर जेनरेशन कैपेसिटी को 4,400 मेगावाट पहुंचाने के लिए करीब 30,000 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने इस प्लांट से 500 मेगावाट बिजली के कैप्टिव यूज के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी 120 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 23.8 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 12वें नंबर पर हैं। दूसरी ओर अडानी की नेटवर्थ 104 अरब डॉलर है। वह भारत और एशिया में अंबानी के बाद दूसरे नंबर पर हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 19.7 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर हैं। रिलायंस देश का दूसरा सबसे बड़ा औद्योगिक घराना है जबकि अडानी ग्रुप तीसरे नंबर पर है। दोनों ग्रुप ग्रीन एनर्जी सेक्टर में बड़ा दांव खेल रहे हैं।

खादी एवं ग्रामोद्योग ने दिए10 लाख से अधिक रोजगार, पहली बार सालाना कारोबार 1.50 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी। खादी एवं ग्रामोद्योग का सालाना कारोबार 2023-24 में पहली बार 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।?इस दौरान इसने 10 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दिए। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग के चेयरमैन मनोज कुमार ने मंगलवार को कहा, रोजगार में वृद्धि ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का काम किया। उन्होंने कहा, 2013-14 के बाद से 10 वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग गतिविधियों में नए रोजगार का सृजन 81 फीसदी बढ़ गया। इस अवधि में उत्पादन 315 फीसदी और खादी एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री में 400 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारतीय गेमिंग उद्योग चालू वित्त वर्ष में 20 प्रतिशत बढ़कर 23,100 करोड़ रुपये का हो सकता है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ऑनलाइन गेमर्स की संख्या चीन से आगे निकलकर 44.2 करोड़ पहुंच गई है। रिपोर्ट में गेमिंग उद्योग के लिए व्यापक आचार संहिता की वकालत की गई, जो जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए नैतिक व्यवहार के मानक निर्धारित करती हो। मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले पांच वर्षों में भारतीय गेमिंग उद्योग ने घरेलू और वैश्विक निवेशकों से 2.8 अरब डॉलर जुटाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

खान यूनिस में स्कूल पर इजरायली हमले में 25 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। दरअसल स्कूल के कैंपस में टेंट लगाकर कुछ लोग रह रहे थे जब इजरायल ने हमला किया। सुरक्षा सूत्रों ने मंगलवार को सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने मिसाइल से अल-अवदा स्कूल के गेट को निशाना बनाया। खान यूनिस के पूर्व में अबासन अल-कबीरा शहर में सैकड़ों विस्थापित लोग रह रहे हैं। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में दर्जनों शव खून से लथपथ जमीन पर पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। सूत्रों ने सिन्हुआ को बताया कि क्षेत्र में विस्थापित लोगों की अधिक भीड़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस घटना के बारे में इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यह हमला पिछले चार दिनों में गाजा में शेल्टर के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे स्कूल भवन पर किया गया चौथा इजरायली हमला है और यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल ने खान यूनिस और गाजा शहर के कुछ हिस्सों को खाली करने के नए आदेश जारी किए हैं। इसके कारण हजारों लोगों को भागने पर मजबूर होना पड़ा है और तीन प्रमुख अस्पतालों को बंद करना पड़ा है।

ब्राजील के साओ पाउलो में दर्दनाक सड़क हादसा, दो बसों की आपसी टक्कर में 5 लोगों की मौत

साओ पाउलो, एजेंसी। ब्राजील के शहर साओ पाउलो में सोमवार को दो बसों के बीच आपस में टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी। साओ पाउलोः ब्राजील के शहर साओ पाउलो में सोमवार को दो बसों के बीच आपस में टक्कर हो गई, जिसमें कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य पांच घायल हो गए। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने यह जानकारी दी। यह दुर्घटना ब्राज़ील के सबसे बड़े शहर साओ पाउलो से 206 किमी दूर इपेउना नगर पालिका में राजमार्ग 191 पर हुई। इनमें से एक बस मरीजों को क्लिनिकल अध्ययन के लिए एक चिकित्सा केंद्र ले जा रही थी जबकि दूसरा वाहन खाली था। पीड़ितों में से चार मरीज़ों को ले जा रही बस में यात्रा कर रहे थे। पांचवां हताहत खाली बस का ड्राइवर था। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के बाद, बचाव कार्य करने के लिए राजमार्ग को दोनों दिशाओं में बंद कर दिया गया।

अमेरिका में तूफान बेरिल के कारण 23 लाख घरों की बिजली हुई गुल, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 18

वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिणी अमेरिका में बेरिल नामक तूफान ने भारी तबाही मचा रखी है। मंगलवार को इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात घोषित किया कर दिया गया। अब तक यह तूफान लगभग 18 लोगों की जान ले चुका है। वहीं मंगलवार को भी आठ लोगों की तूफान के कारण मौत हुई। वहीं इस तूफान के कारण लगभग 2.3 मिलियन लोगों के घरों की बिजली गुल रही। बीते सप्ताह कैरेबियन सागर में बेरिल तूफान आया। जो कि अब तक की सर्वाधिक तीव्रता वाला, श्रेणी 5 का तूफान था। इस तूफान की चपेट में आकर अब तक लगभग 18 लोगों की जान जा चुकी है। सोमवार को यह तूफान टेक्सास में श्रेणी 1 के रूप में प्रवेश कर गया। जहां इसने लगभग 7 लोगों को अपनी चपेट में लिया, वहीं पड़ोसी लुइसियाना में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। पेड़ गिरना और बाढ़ आने से आठ लोग मारे गए। इसे उत्तर-उष्णकटिबंधीय चक्रवात नाम दिया गया। तूफान के बाद क्षतिग्रस्त विद्युत ग्रिडों के कारण मंगलवार को टेक्सास में लगभग 2.2 मिलियन घरों में बिजली नहीं थी। वहीं लुइसियाना में भी 14,000 घरों में बिजली नहीं थी। निवासियों के लिए वातानुकूलित आश्रय स्थल स्थापित किए गए, हालांकि कर्मचारी सेवाएं दुरुस्त करने में लगे रहे। 2.3 मिलियन की आबादी वाला विशाल शहर ह्यूस्टन, तूफानी हवाओं और बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। हैरिस काउंटी के शेरिफ एड गोंजालेज ने बताया कि घरों पर पेड़ गिरने की अलग-अलग घटनाओं में 53 वर्षीय पुरुष और 74 वर्षीय महिला की मौत हो गई। वहीं ह्यूस्टन के मेयर जॉन व्हिटमायर ने बताया कि एक व्यक्ति की मौत बिजली गिरने के कारण हुई। वहीं पुलिस विभाग का एक कर्मचारी बाढ़ के पानी में डूबकर मर गया। लुइसियाना में बॉसियर पैरिश शेरिफ कार्यालय द्वारा एक व्यक्ति की मृत्यु की घोषणा की गई, जो एक घर पर पेड़ गिरने के कारण हुआ। वहीं अमेरिकी राष्ट्रीय तूफान केंद्र ने बताया कि बेरिल मंगलवार को कमजोर हो गया था और 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के साथ कनाडा की ओर उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे बाढ़ और बवंडर की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

सिंगापुर में दो भारतवंशियों को जेल की सजा, 50 कंपनियों के जरिए अमेरिकी लोगों से ठगे थे लाखों डॉलर

सिंगापुर, एजेंसी। दो भारतीय मूल के सिंगापुरी नागरिकों को ठगी के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों के जरिए पैसे लूटे। इनमें से दो कंपनियों के जरिए चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। पिछले चार-पांच सालों से ये लोग कंपनियों के नाम पर लोगों से पैसे ठग रहे थे।

34 वर्षीय ईशान शर्मा और 36 वर्षीय कंधीबन लेचुमननसामी को अमेरिका में पीड़ितों को ठगने के आरोप में जेल की सजा सुनाई गई। ईशान को चार सप्ताह की सजा और कंधीबन को एक सप्ताह की जेल की सजा सुनाई गई। दोनों ही कंपनी अधिनियम के तहत दो आरोपों में दोषी पाए गए। आरोप था कि दोनों ने लगभग 50 कंपनियों के जरिए बैंक खातों से पैसे प्राप्त किए थे, जिनमें से दो कंपनियों ने चीन और यूएई से भी लेनदेन किया था। ईशान ने अपने दोस्त कंधीबन लेचुमननसामी को उचित परिश्रम न करने के लिए उकसाया था, जबकि वह दोनों फर्मों में निदेशक था। कंधीबन ने कंपनियों के मामलों पर कोई निगरानी रखने में विफल रहने के बाद अपने को दोषी स्वीकार किया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अदालती दस्तावेजों में यह नहीं बताया गया है कि अपराध कैसे सामने आए। वहीं उप लोक अभियोजक मैथ्यू चू ने अदालत में कहा कि इस सब में मास्टर माइंड ईशान था। उन्होंने कहा कि अपराधी ने उन दो कंपनियों के जरिए घपला कर कुल 12,000 सिंगापुरी डॉलर कमाए। 2019 और 2020 के बीच अपराधों के समय ईशान एक चार्टर्ड अकाउंटेंट थे। 2017 में, उन्हें पता चला कि कंधीबन बेरोजगार थे और उन्होंने वृद्ध व्यक्ति को कार्मिक सर्किल नामक एक फर्म में 500 सिंगापुरी डॉलर के मासिक वेतन पर नौकरी की पेशकश की। कंधीबन को निगमित कंपनियों के निदेशक रखा जाना था। वह इस सौदे के लिए सहमत हो गए। डीपीपी चू ने कहाः कंधीबन समझ रहे थे कि उन्हें एक मूक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। उनका कंपनियों के संचालन और गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं था। ईशान के साथ अपनी व्यवस्था के कारण, कंधीबन 2019 और 2020 के बीच 50 से अधिक कंपनियों के सूचीबद्ध निदेशक बन गए। फिर जून 2019 से कुछ समय पहले आशीष नंदा नामक एक व्यक्ति ने ईशान को भारतीय नागरिक राहुल बत्रा से मिलवाया। आशीष ने ईशान को बताया कि राहुल सिंगापुर में एक कंपनी बनाना चाहता है। इसके बाद ईशान ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के लिए आगे बढ़ने से पहले राहुल से दो बार फोन पर संपर्क किया। अभियोक्ता ने कहा, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के निगमन के बाद जून 2019 में ईशान और कंधीबन ने राहुल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। जहां राहुल ने ईशान को दी गई सेवाओं और क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के कॉर्पोरेट खाते खोलने के लिए नकद में 6,000 सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया। इसके बाद कंधीबन ने क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नामित निदेशक बनने के लिए राहुल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में एक खंड में कहा गया था कि कंधीबन को फर्म के प्रबंधन और संचालन में शामिल नहीं होना चाहिए। क्वार्ट्ज रिसोर्सेज को 7 जून, 2019 को शामिल किया गया था, और ईशान के घर को इसके पंजीकृत कार्यालय के पते के रूप में दर्ज किया गया था। वहीं कंधीबन और राहुल को इसके निदेशक के रूप में जबकि ईशान को इसके सचिव के रूप में सूचीबद्ध किया गया था। उस महीने के अंत में, क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के नाम से तीन कॉर्पोरेट बैंक खाते खोले गए, जिसमें राहुल उनके एकमात्र हस्ताक्षरकर्ता थे। डीपीपी ने कहा कि कंधीबन के पास बैंक स्टेटमेंट तक पहुंच नहीं थी, उसने स्टेटमेंट का अनुरोध नहीं किया और खातों के माध्यम से किए गए लेन-देन की समीक्षा भी नहीं की। क्वार्ट्ज रिसोर्सेज के दो बैंक खातों में बाद में पांच घोटाले के पीड़ितों से 583,000 सिंगापुरी से अधिक प्राप्त हुए। ईशान और कंधीबन ने किओरा वर्ल्डवाइड से जुड़े इसी तरह के कई अपराध किए। जिसे 3 नवंबर, 2019 को शामिल किया गया था। इस मामले में अदालत बताया गया कि नवंबर 2019 से कुछ समय पहले, आशीष ने ईशान को एक अन्य भारतीय नागरिक वधावन सुचित से मिलवाया। ईशान ने वधावन से व्यक्तिगत रूप से नवंबर 2019 में किओरा वर्ल्डवाइड के शामिल होने के बाद ही मुलाकात की। वधावन ने उन्हें सेवाओं सहित अन्य मदों के लिए नकद में 6,000 सिंगापुर डॉलर का भुगतान किया।

अमेरिका में भारत दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी राम मंदिर की झलक

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत के स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में अमेरिका में एक परेड होने वाली है। न्यूयॉर्क में भारत दिवस के मौके पर 18 अगस्त को होने वाली परेड में लोगों को एक खास झांकी देखने को मिलेगी। दरअसल, इसमें राम मंदिर की प्रतिकृति प्रदर्शित की जाएगी। इसमें शहर और उसके आसपास से हजारों भारतीय-अमेरिकी शामिल होंगे। प्रवासी भारतीयों की अग्रणी संस्था फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन एनवाई-एनजे-सीटी-एनई (एफआईए) ने यहां भारतीय महावाणिज्य दूतावास में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 18 अगस्त को होने वाली 42वीं वार्षिक भारत दिवस परेड में विशेष राम मंदिर की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। एफआईए ने बताया कि प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता पंकज त्रिपाठी परेड में मुख्य अतिथि होंगे। यह परेड न्यूयॉर्क शहर के लोकप्रिय मैडिसन एवेन्यू से होकर गुजरेगी और इसमें हजारों भारतीय प्रवासी शामिल होंगे।

क्या है भारत दिवस परेड : भारत दिवस परेड का आयोजन हर साल फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोसिएशन की ओर से आयोजित किया जाता है। भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर यह भारत से बाहर होने वाला बड़ा आयोजन माना जाता है। इस परेड में विभिन्न भारतीय-अमेरिकी समुदायों और संस्कृति की विविधता का प्रतिनिधित्व करने वाली दर्जनों झांकियां न्यूयॉर्क की सड़कों पर देखी जाती हैं। इस दौरान भारतीय लोग झांकियों का सड़क पर स्वागत करते हैं और तिरंगा लहराते हैं।

भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन : न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत बिनय प्रधान ने कहा कि वाणिज्य दूतावास परेड का समर्थन करेगा और न्यूयॉर्क तथा अमेरिका में भारत की महान संस्कृति का प्रदर्शन करेगा।

इतनी लंबी होगी प्रतिकृति : एफआईए के अध्यक्ष डॉ. अविनाश गुप्ता ने बताया कि इस बार परेड की थीम वसुधैव कुटुम्बकम है। उन्होंने कहा कि इस साल परेड में 18 फुट लंबी, नौ फुट चौड़ी और आठ फुट ऊंची राम मंदिर की भव्य प्रतिकृति शामिल होगी। यह पहली बार होगा जब राम मंदिर की प्रतिकृति अमेरिका में प्रदर्शित की जाएगी।

नामुमकिन को मुमकिन करने में जुटा नासा, बना डाली एलियंस देखने वाली दूरबीन

वाशिंगटन, एजेंसी। एलियंस की कहानी हमने अक्सर कहानियों में या फिल्मों में ही देखी थी लेकिन, विज्ञान के आगे कुछ भी नामुमकिन नहीं! वो दिन दूर नहीं जब एलियंस हमारे लिए कौतूहल नहीं सामान्य बात हो जाएगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने चमत्कार कर दिया है। उसने ऐसी दूरबीन की खोज कर ली है जो एलियंस का पता लगा सकती है। इस मशीन को एलियन हंटिंग दूरबीन कहा जा रहा है। नासा के वैज्ञानिकों का कहना है कि वे इस टेलीस्कोप की मदद से 2050 तक ऐसे ग्रह की खोज पूरा करेंगे जहां लोग रहते हों, यानी एलियंस का वास हो।

नासा के वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड में ऐसे ग्रहों की खोज तेज कर दी है, जहां एलियंस का वास है। इसके लिए उसे सबसे बड़ी सफलता मिल गई है। नासा की टीम ने एलियन हंटिंग दूरबीन बना ली है। हैबिटेबल वर्ल्ड्स ऑब्ज़र्वेटरी ने 2040 के आसपास इस दूरबीन के प्रक्षेपण की योजना तैयार की है। इसका लक्ष्य ब्रह्मांड में हमारे सौरमंडल से बाहर ऐसे ग्रह की खोज करना होगा, जहां लोग रहते हों। नासा के अधिकारियों का कहना है कि इतने बड़े ब्रह्मांड में हम अकेले नहीं हैं, जो रहते हैं। कई ग्रह ऐसे भी हो सकते हैं, जहां लोगों की आबादी हो। हमारे लिए कौतूहल यह है कि वे हम इंसानों से कितना विकसित हैं।

उपराष्ट्रपति हैरिस ने डोनाल्ड ट्रंप पर लगाए गंभीर आरोप, कहा- वह लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में सभी राजनीतिक दल अपने प्रचार प्रसार में लगे हुए हैं। यहां राष्ट्रपति पद के लिए दो नेताओं जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही प्रतिद्वंद्वी एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने एक बार फिर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन पार्टी के संभावित उम्मीदवार ट्रंप अमेरिकी लोकतंत्र को तानाशाही में बदल देंगे।

एएएनएसपीआई किया लॉन्चः हैरिस ने लास वेगास में बाइडन-हैरिस के लिए एक एएएनएसपीआई लॉन्च किया है। यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो देश भर में एशियाई अमेरिकी, मूल हवाईयन और प्रशांत द्वीप समूह (एएनएसपीआई) मतदाताओं, समुदायों और नेताओं को एक साथ एक मंच पर लाएगा।

इस दौरान उन्होंने कहा, डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र को तानाशाही में बदलना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मूल रूप से घोषणा की है कि वह इससे बच सकते हैं।

ट्रंप लगाए गंभीर आरोप : हैरिस ने आरोप लगाया कि ट्रंप के सलाहकारों ने 900 पन्नों का एक खाका तैयार किया है। इसे प्रोजेक्ट 2025 बताया जा रहा है। इसमें दूसरे कार्यकाल में उनके द्वारा की जाने वाली अन्य सभी योजनाओं का ब्योरा है, जिसमें सामाजिक सुरक्षा में कटौती, इंसुलिन पर 35 अमेरिकी डॉलर की सीमा को हटाना, शिक्षा विभाग और हेड स्टार्ट जैसे कार्यक्रमों को समाप्त करना शामिल है। उन्होंने आगे कहा, प्रोजेक्ट 2025 में गर्भनिरोधक तक पहुंच को सीमित करने और संसद के एक अधिनियम के साथ या उसके बिना देश भर में गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने की योजना की रूपरेखा तैयार की गई है। यदि इसे लागू किया जाता है, तो यह योजना डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रजनन स्वतंत्रता पर नया हमला होगा।

महिलाओं को पता है उनका हित : उपराष्ट्रपति ने लोगों की तालियों की गूंज के बीच कहा, कोई गलती न करें, अगर ट्रंप को मौका मिलता है तो वह हर एक राज्य में गर्भपात को गैरकानूनी घोषित करने के लिए राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध पर हस्ताक्षर करेंगे। लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। हम ऐसा नहीं होने देंगे क्योंकि हम महिलाओं पर भरोसा करते हैं। हम जानते हैं कि महिलाएं जानती हैं कि उनके अपने हित में क्या है और उन्हें सरकार द्वारा यह बताए जाने की जरूरत नहीं है कि उन्हें अपने शरीर के साथ क्या करना है। अपनी मां से जुड़ा किस्सा बताया उन्होंने कहा, मेरी मां उस समय भारत से अमेरिका आई थीं, जब मैं महज 19 साल की थीं। वह और मेरे पिता नागरिक अधिकार आंदोलन में सक्रिय होने के दौरान मिले थे। वास्तव में, जब मैं छोटी थी तो मेरे माता-पिता मुझे स्ट्रोलर में मार्च में ले जाते थे। मेरी मां के जीवन में दो लक्ष्य थे। एक अपनी दो बेटियों मैं और मेरी बहन माया को बड़ा करना और दूसरा स्तन कैंसर को समाप्त करना। वह एक स्तन कैंसर शोधकर्ता थीं। अगर मैं सच कहूं तो मेरी मां ने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कभी किसी की अनुमति नहीं मांगी। हैरिस ने बताया कि उनकी मां की लंबाई पांच फीट थीं। हालांकि, अगर आप उनसे मिलते तो आपको लगता कि वह 10 फीट लंबी हैं। यह उनके चरित्र, ताकत और दृढ़ संकल्प के कारण ही मैं आज संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति के रूप में आपके सामने खड़ी हूं। चुनाव में 118 दिन बाकी उन्होंने कहा कि यह हमारी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। उन्होंने कहा, आज चुनाव में 118 दिन रह गए हैं। हममें से कई हर चार साल में इन चुनावों में शामिल होते हैं और लगभग हर बार हम कहते हैं, यही वह चुनाव है। खैर, यह हमारे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव है। अब, हम हमेशा जानते थे कि यह चुनाव कठिन होगा। पिछले कुछ दिन याद दिलाते रहे हैं कि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए दौड़ना कभी आसान नहीं होता है। लेकिन एक बात जो हम अपने राष्ट्रपति जो बाइडन के बारे में जानते हैं, वह यह है कि वह एक योद्धा हैं।

पाकिस्तान में कभी भी किसी का फोन कॉल हो सकता है रिकॉर्ड

इस्लामाबाद, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अब किसी भी नागरिक के पास गोपनीयता का अधिकार नहीं रह गया है। वहां एजेंसियां कभी भी किसी का भी फोन कॉल इंटरसेप्ट कर सकती हैं। पाकिस्तान सरकार ने मंगलवार को अपनी खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस को औपचारिक तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के वास्ते फोन कॉल का पता लगाने और उसे इंटरसेप्ट करने की शक्ति प्रदान कर दी है। सूचना प्रौद्योगिकी एवं दूरसंचार मंत्रालय ने इस आशय के लिए पाकिस्तान दूरसंचार (पुनर्गठन) अधिनियम, 1996 के तहत एक अधिसूचना जारी की। इस अधिसूचना में कहा गया है, ''धारा 54 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुएज संघीय सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में और किसी भी अपराध की आशंका पर इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा फोन कॉल और संदेशों को इंटरसेप्ट करने या किसी भी दूरसंचार प्रणाली के माध्यम से फोन कॉल का पता लगाने के लिए ग्रेड-18 रैंक या इससे ऊपर के अधिकारियों को समय-समय पर नामित किये जाने की अनुमति देकर प्रसन्न है।'' सूत्रों ने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार द्वारा आईएसआई को फोन कॉल का पता लगाने और रिकॉर्ड करने की अनुमति देने के लिए कैबिनेट स्तर पर औपचारिक रूप से निर्णय लिये जाने के बाद

यह अधिसूचना जारी की गई है। नया अधिकार देने पर प्रतिक्रिया जताते हुए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के नेता उमर अयूब खान ने कहा कि सरकार और सहयोगियों को पता होना चाहिए कि सत्ता से बाहर होने पर उनके नेताओं के खिलाफ भी यही कार्रवाई की जाएगी। पिछले साल दिसंबर में, ऑडियो लीक से संबंधित एक मामले की सुनवाई के दौरान इस्लामाबाद हाई कोर्ट को सूचित किया गया था कि सरकार ने किसी भी खुफिया एजेंसी को ऑडियो बातचीत को टैप करने की अनुमति नहीं दी है। तब पाकिस्तान के अटॉर्नी जनरल (एजीपी) मंसूर उस्मान अवान ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट को सूचित किया था, जो कथित तौर पर उनके और पीटीआई नेता लतीफ खोसा की बातचीत के लीक होने के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रही थीं। बुशरा बीबी ने हाई कोर्ट में अपनी याचिका में तर्क दिया था कि उनके फोन कॉल की रिकॉर्डिंग संविधान के अनुच्छेद 14 द्वारा सुनिश्चित सम्मान और गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन करती है लेकिन नई शहबाज शरीफ सरकार ने अब आईएसआई को इसकी अनुमति देकर सभी पाक नागरिकों के गोपनीयता के अधिकार की काट निकाल ली है।

रूसी उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने पीएम मोदी की प्रशंसा की, उनकी यात्रा को बताया सफल

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही रूस यात्रा की प्रंशसा की। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं ने एजेंडे में जी20, ब्रिक्स और यूएन जैस वैश्विक संगठनों में सहयोग जैसे मुद्दों पर बातचीत की। उन्होंने पीएम मोदी की इस यात्रा को सफल बताया। रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने दोनों नेताओं, पीएम मोदी और व्लादिमीर पुतिन के बीच घनिष्ठ संबंधों का हवाला देते हुए दोनों देशों के मजबूत संबंधों की प्रशंसा की। रूस में आयोजित 22वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहुंचे थे। 8-9 जुलाई को आयोजित इस सम्मेलन में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय एजेंडे के मुद्दों पर चर्चा की गई। पीएम मोदी की यात्रा के बाद रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनाने के लिए रूस समर्थन करेगा। वहीं उन्होंने बताया कि इस सम्मेलन के दौरान दोनों देश के नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह यात्रा सफल रही। उन्होंने यह भी बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्थिति, जी20, ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन और संयुक्त राष्ट्र में हमारे सहयोग पर चर्चा की गई। उन्होंने पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के 20 साल के पुराने संबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ये संबंध दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करेगी। उन्होंने कहा, 'दोनों देशों के बीच

आपसी समझ है, द्विपक्षीय एजेंडे पर कार्यों की समझ है, और अंतरराष्ट्रीय नीतियों से संबंधित मुद्दों पर भी बिल्कुल सी समझ है। मुझे यकीन है कि यह यात्रा सभी क्षेत्रों में संबंधों को बहुत सकारात्मक बढ़ावा देगी।'

वहीं रूस के उप प्रधानमंत्री डेनिस मंटुरोव ने दोनों नेताओं, पीएम मोदी और व्लादिमीर पुतिन के बीच घनिष्ठ संबंधों का हवाला देते हुए दोनों देशों के मजबूत संबंधों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संबंधों का स्तर, विशेष रूप से दोनों नेताओं के बीच देखा जा सकता है। अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्र शिक्षा सहित सहयोग से लाभान्वित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूस में 20,000 से अधिक भारतीय छात्र अध्ययन कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश चिकित्सा विश्वविद्यालयों में हैं। उन्होंने समझाया कि यह साझेदारी केवल व्यापार ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में बढ़ रही है। अगर हम अर्थव्यवस्था के क्षेत्र की बात करें।

मोदी-पुतिन के गले लगने से चिढ़े चीनी अखबार, यूएस मीडिया बोला- भारतीय पीएम ने सरेआम जंग का मसला उठाया

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया रूस यात्रा से विश्व की राजनीति में हलचल पैदा हो गई है। कोई यह यात्रा अमेरिका के लिए चिंताजनक बता रहा तो कोई कुछ। आइए जानते हैं मोदी की मॉस्को यात्रा पर विदेशी मीडिया का क्या रुख है। गौरतलब है, पिछले महीने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार शपथ लेने के बाद यह मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। परंपरागत रूप से पीएम मोदी ने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत के पड़ोसी देशों रूस और ऑस्ट्रिया को चुना है, जिसमें भारत के पड़ोस को विदेश नीति की प्राथमिकता के रूप में महत्व दिया गया है।

मोदी तथा पुतिन की तस्वीर पर चीनी मीडिया ने ली चुटकी : चीन की मीडिया ने भी रूसी यात्रा पर लगातार नजर रखी। उसने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के गले मिलने की एक तस्वीर को लेकर सवाल खड़ा किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की एक रिपोर्ट में कहा गया, शक्ति कूटनीति के खेल में शब्दों की तुलना में अक्सर आपके शारीरिक हावभाव अधिक खुलासा करते हैं। बीजिंग, नई दिल्ली और मॉस्को के नेताओं के मिलने की दो तस्वीरों ने उनके त्रिपक्षीय संबंधों की स्थिति को प्रभावी ढंग से व्यक्त किया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया, जहां पीएम मोदी गर्मजोशी और गले मिलने की कूटनीति के लिए प्रसिद्ध हैं। वहीं, चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग और रुसी राष्ट्रपति पुतिन को हाथ मिलाने के लिए ज्यादा जाना जाता है। शायद यही कारण है कि ये तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में आ गई हैं। इससे वाशिंगटन और उसके सहयोगी देशों को यूक्रेन के खिलाफ पुतिन की आक्रामक नीति को संभव बनाने में बीजिंग और नई दिल्ली की भूमिका की जांच करने के लिए प्रेरित किया है।

इसमें यह भी कहा गया, अमेरिका में नाटो शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर यह चर्चा हो रही थी कि यूक्रेन की युद्ध जीतने में कैसे मदद की जाए। वहीं दूसरी ओर, उसी समय मोदी मॉस्को में मौजूद थे। ऐसे में भारतीय पीएम का वहां होना निस्संदेह पुतिन के लिए एक बड़ा प्रोत्साहन है। यह दिखाता है कि व्हाइट हाउस के बढ़ते दबाव को नजरअंदाज कर मोदी का भारत अमेरिका और रूस के बीच किसी एक का पक्ष नहीं ले रहा है।

अमेरिका की लगातार कोशिश हुई विफलः ग्लोबल टाइम्स : चीन की एक अन्य मीडिया रिपोर्ट में भी पीएम मोदी की इस यात्रा को अमेरिका के लिए एक निराशाजनक कदम बताया है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में विश्लेषकों का कहना है कि रूस और भारत के बीच घनिष्ठ संबंधों का मतलब है कि यूक्रेन संकट शुरू होने के बाद से रूस को रोकने और अलग-थलग करने के अमेरिका के निरंतर प्रयास विफल हो गए हैं। हालांकि, भारत की संतुलित कूटनीति न केवल अपने हितों के अनुरूप है, बल्कि वैश्विक रणनीतिक संतुलन में भी योगदान देती है, जिसे लंबे समय से अमेरिकी नेतृत्व से चुनौती मिली है। चाइना फॉरेन अफेयर्स यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर ली हैदोंग ने ग्लोबल टाइम्स से कहा कि मोदी की रूस यात्रा प्रमुख शक्तियों के बीच विदेश नीति के संतुलन को दिखाती है।

भारत ने मॉस्को के साथ बनाए रखे अच्छे संबंधः अमेरिकी मीडिया : अमेरिका की मीडिया रिपोर्ट में पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा को नाटो देशों की बैठक के खिलाफ बताया गया है। दरअसल, सोमवार को पहले नाटो शिखर सम्मेलन की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर ऐतिहासिक शिखर सम्मेलन के लिए 38 विभिन्न देशों के नेता वाशिंगटन में एकत्र हुए थे। इस दौरान लगातार यूक्रेन को समर्थन देने पर चर्चा हुई थी। द न्यूयॉर्क टाइम्स की मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि पश्चिमी सरकारें भारत और दुनिया भर की कई अन्य सरकारों को पुतिन के युद्ध के खिलाफ सार्वजनिक रुख अपनाने के लिए राजी करने में असफल रही हैं।

में कोपा अमेरिका: 2024

मेसी ने दागा 109वां गोल, कनाडा को हराकर अर्जेंटीना कोपा अमेरिका के फाइनल

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी), एजेंसी। लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2–0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया, जबकि मेसी ने

51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की। मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। ईरान के अल देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं। इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर मतभेद हैं। अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना रविवार को होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

तेलंगाना सरकार का बड़ा ऐलान

सिराज को सरकारी नौकरी और घर की जगह देने की घोषणा

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देश और राज्य को बड़ा सम्मान दिलाने वाले हरफनमौला क्रिकेटर मोहम्मद सिराज को सरकारी नौकरी और घर के लिए जगह देने की घोषणा की है। टी20 विश्वकप जीतकर लौटी भारतीय टीम का हिस्सा रहे

सिराज का हैदराबाद पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। सिराज में मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से उनके आवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने टी–20 में बेहतरी प्रदर्शन के लिए सिराज की प्रशंसा की और सम्मानित किया। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य सरकार की ओर से सिराज को नौकरी और घर की जगह आवंटित करने का भी निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने हैदराबाद या आस–पास के इलाकों में तुरंत सिराज के लिए उपयुक्त घर की जगह की पहचान करने और उन्हें सरकारी नौकरी देने के लिए त्वरित कदम उठाने का निर्देश दिये है।

राहुल द्रविड़ ने जीता दिल

बीसीसीआई से मिले अतिरिक्त बोनस को ठुकराया

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है। यह बात तो हर कोई जानता है, लेकिन इस सोच को सच साबित करते हैं राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज जो पैसों को नहीं बल्कि स्पिरिट ऑफ गेम को अहमियत देते हैं। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ से जुड़ी एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिससे एक बार फिर उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया है। द्रविड़ ने कई बार अपनी निस्वार्थ शैली के लिए प्रशंसा बटोरी है। क्रिकेट की दुनिया में राहुल द्रविड़ की पहचान अपने खेल के दिनों से एक शानदार खिलाड़ी के साथ-साथ एक अच्छे इंसान के रूप में भी है। बतौर, कोच भी उनका सफर शानदार रहा। चाहे खिलाड़ी युवा हो या अनुभवी हर कोई उनके व्यक्तित्व की सराहना करता है। अपनी निस्वार्थ शैली का ताजा उदाहरण पेश करते हुए द्रविड़ ने एक और मिसाल कायम की है। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के दौरान उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने तीन आईसीसी फाइनल खेला। दो बार बेहद करीब से ट्रॉफी से चुकने के बाद आखिरकार टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप 2024 जीतकर अपने कोच को यादगार विदाई दी। इस खुशी के मौके पर बीसीसीआई द्वारा टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के लिए घोषित 125 करोड़ रुपये की राशि में से 5 करोड़ रुपये की विजेता टीम के मुख्य कोच यानी राहुल द्रविड़ को देने का ऐलान किया लेकिन द्रविड़ ने पुरस्कार राशि का आधा हिस्सा छोड़ने

का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को 5 करोड़ रुपये मिले थे। जबकि टीम के अन्य कोचों को 2.5 करोड़ रुपये दिए जाने थे। ऐसे में द्रविड़ ने फैसला किया है कि वह भी अन्य कोचों की ही तरह 2.5 करोड़ लेंगे। यानी द्रविड़ ने अपने सहयोगी स्टाफ के बराबर बोनस लेने का फैसला किया। केंसिंग्टन ओवल में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की रोमांचक जीत के साथ भारत द्वारा 2024 पुरुष टी20 विश्व कप जीतने के एक दिन बाद, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि टीम को कुल 125 करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। वितरण फार्मूले के अनुसार, मुख्य कोच द्रविड़ और टीम के सभी 15 सदस्यों को 5-5 करोड़ रुपए मिलने थे। जबकि बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे सहित अन्य सहयोगी स्टाफ को 2.5-2.5 करोड़ रुपए मिलने थे। हालांकि, द्रविड़ ने अन्य सहयोगी स्टाफ को दिए जाने वाले इनाम के साथ अपने बोनस में 2.5 करोड़ रुपए लेने से इनकार कर दिया।

राहुल अपने सहयोगी स्टाफ (गेंदबाजी कोच पारस महाम्ब्रे, फील्डिंग कोच टी.दिलीप और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर) के बराबर ही बोनस राशि (2.5 करोड़ रुपए) चाहते थे। हम उनकी भावनाओं का सम्मान करते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब द्रविड़ ने पुरस्कारों के समान वितरण के लिए रुख अपनाया है। 2018 में भारत की विजयी अंडर-19 विश्व कप टीम के मुख्य कोच के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान द्रविड़ ने ऐसा ही कुछ किया था। उस समय द्रविड़ को 50 लाख रुपये मिलने थे, जबकि सहयोगी स्टाफ के अन्य सदस्यों को 20-20 लाख रुपये मिलने वाले थे। ऐसे में द्रविड़ ने इस तरह के विभाजन से इनकार कर दिया, जिससे बीसीसीआई को इस बोनस में थोड़ा बदलाव करना पड़ा और सभी को समान रूप से पुरस्कृत करने के लिए मजबूर होना पड़ा। बोर्ड ने इसके बाद नकद पुरस्कारों की संशोधित सूची जारी की, जिसमें द्रविड़ सहित सहयोगी स्टाफ के प्रत्येक सदस्य को 30 लाख रुपये दिए गए।

भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच बनने पर बोले गौतम गंभीर

मैं वापस आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व ओपनर गौतम गंभीर भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के नए हेड कोच बनाए गए हैं। इससे पहले राहुल द्रविड़ टीम इंडिया में ये भूमिका निभा रहे थे। राहुल द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्व कप 2024 के बाद समाप्त हो गया। भारतीय टीम ने द्रविड़ की कोचिंग में विश्व कप का खिताब जीता। अब गौतम गंभीर टीम के नए हेड कोच के तौर पर काम करेंगे। गंभीर इससे पहले आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम के मेंटर की भूमिका में थे और उनके मार्गदर्शन में केकेआर ने तीसरी बार आईपीएल का खिताब जीता था। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने गंभीर को हेड कोच बनाए जाने की पुष्टि कर दी है। गौतम गंभीर ने भी अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर तिरंगे की फोटो लगाते हुए लिखा, भारत मेरी पहचान है और अपने देश की सेवा करना मेरे लिए जीवन का सबसे बड़ा सौभाग्य रहा है। मैं वापस आकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं, इस बार मेरी टोपी अलग है। लेकिन, मेरा लक्ष्य हमेशा से वही है, हर भारतीय को गौरवान्वित करना। मेन इन ब्लू के कंधों पर 1.4 अरब भारतीयों के सपने हैं, और मैं इन सपनों को साकार करने के लिए अपनी शक्ति से सब कुछ करूंगा। इसके पहले बीसीसीआई सचिव जय शाह ने इस बारे में जानकारी देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि मैं बेहद प्रसन्नता के साथ गौतम गंभीर का भारतीय क्रिकेट टीम का हेड

कोच के तौर पर स्वागत करता हूं। आधुनिक क्रिकेट बहुत तेजी से विकसित हो रहा है, और गंभीर ने इस बदलाव को काफी करीब से देखा है। गंभीर ने अपने करियर में जितनी भूमिका को निभाया है, मुझे पूरा भरोसा है कि भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए गौतम गंभीर एक आदर्श व्यक्ति हैं। भारतीय टीम के लिए उनका स्पष्ट नजरिया, उनका पुराना अनुभव, उन्हें कोचिंग के रोल के लिए एकदम सही बनाता है। बीसीसीआई का उनको पूरी तरह से सहयोग रहेगा। बता दें कि गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 टूर्नामेंट जीता था। ये केकेआर की आईपीएल में तीसरी ट्राफी थी। खास बात ये है कि केकेआर की टीम ने तीनों ट्रॉफी गंभीर के साथ ही जीती है। इससे पहले गंभीर ने बतौर कप्तान आईपीएल में केकेआर को दो बार खिताबी जीत दिलाई थी। आईपीएल 2024 में केकेआर की टीम का मेंटर बनने से पहले गौतम गंभीर लखनऊ सुपर जायंट्स टीम के मेंटर थे।

42 साल के गौतम गंभीर ने 58 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 41.96 की औसत के साथ 4,154 रन बनाए हैं। उन्होंने 147 वनडे मुकाबलों में 39.68 के साथ 5,238 रन बनाए हैं। इसके अलावा गंभीर को 37 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों का भी अनुभव है, जिसमें उन्होंने 27.41 की औसत के साथ 932 रन बनाए हैं।

गौतम गंभीर ने अपने करियर में 154 आईपीएल मैच भी खेले हैं, जिसमें उन्होंने 31.04 के औसत के साथ 4,218 रन बनाए हैं। गौतम गंभीर की कोचिंग में भारत साल 2025 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भी हिस्सा लेगा।

देश ने मुझ पर भरोसा किया है

और मैं उम्मीदों पर खरा उतरना चाहती हूं : अंतिम पंघल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला पहलवान अंतिम पंघल ने कहा है कि देश ने उन पर भरोसा किया है और वह पेरिस ओलंपिक में देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहती हैं। अंतिम पंघल पेरिस 2024 में अपनी विलक्षण कुश्ती प्रतिभा दिखाएंगी क्योंकि 19 वर्षीय खिलाड़ी के 53 किलोग्राम भार वर्ग में पदक के दावेदार होने की उम्मीद है। जियोसिनेमा के द ड्रीमर्स पर एक विशेष फीचर में, उन्होंने अपनी कुश्ती यात्रा के बारे में बताया, जिसमें वह विश्व जूनियर चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

पंघल की यात्रा 10 साल की छोटी उम्र में शुरू हुई, उनकी बड़ी बहन, एक कबड्डी खिलाड़ी से प्रेरित होकर, जिन्होंने उन्हें कुश्ती में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि मैट पर कदम रखने से पहले, मुझे

घबराहट महसूस होती है, लेकिन एक बार जब मैं मैट पर होती हूं, तो डर और घबराहट पीछे रह जाती है। भावना पूरी तरह से लड़ने और जीतने के बारे में आ जाती है। दो बार की जूनियर विश्व चैंपियन की यात्रा 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के ट्रायल में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंची, जहां एक हारी हुई बाउट ने उन्हें अतिरिक्त प्रयास करने और अपने युवा करियर के सर्वश्रेष्ठ दौर में प्रवेश करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के लिए ट्रायल में विनेश फोगाट से हार कठिन थी, इसने मुझे और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। मैंने जूनियर विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता, ऐसा करने वाली पहली भारतीय महिला बनी, और बाद में 2023 एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के बाद मेरी जिंदगी बदल गई। पंघल ने लचीलेपन और असफलताओं से सीखने के महत्व पर भी चर्चा की। अगर मैं कोई मैच हार जाती हूं, तो मैं उस पर ध्यान नहीं देती। मैं खुद को बेहतर करने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हूं। मेरा मानना है कि सर्वशक्तिमान के पास मेरे लिए एक बेहतर योजना है, और मेरी हार से कुछ सबक सीखे जा सकते हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट में भयंकर बदलाव

पीसीबी ने इन दो दिग्गजों की कर दी छुट्टी!

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट इस वक्त फिर के बदलाव के दौर से गुजर रहा है। टी20 विश्व कप 2024 में भारतीय टीम से मिली हार और सुपर 8 में भी एंट्री ना कर पाने के बाद इस तरह के परिवर्तन की संभावना पहले ही जताई जा रही थी। जो अब शुरू भी हो गई है। इस बीच ईएसपीएन क्रिकइन्फो के हवाले से पता चला है कि पीसीबी ने बड़ा फैसला लेते हुए

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के दो सेलेक्टर्स को बाहर का रास्ता दिखा दिया है। हालांकि अभी तक पीसीबी ने इसको लेकर आधिकारिक ऐलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि इस सप्ताह के अंत तक ये भी हो जाएगा। कहा तो ये भी जा रहा है कि कुछ और भी बदलाव आने वाले वक्त में भी देखने के लिए मिल सकते हैं।

वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक की सेलेक्शन कमेटी से छुट्टी

पाकिस्तान के टी20 विश्व कप 2024 में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सेलेक्टर के रूप में वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त कर दिया गया है। अब्दुल रज्जाक को कुछ सप्ताह पहले ही पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए चयन समिति में नियुक्त किया गया था, अब महिला टीम के लिए भी चयनकर्ता के रूप में काम नहीं करेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि सेलेक्शन कमेटी फिर से नए सिरे से बनाए जाने की संभावना है। अभी तक पीसीबी ने सेलेक्शन कमेटी में चीफ सेलेक्टर का पद ही खत्म कर दिया था, जो अब फिर से बनाए जाने की बात सामने आ रही है। इतना ही नहीं, बताया तो ये भी जा रहा है कि सेलेक्शन कमेटी में सदस्यों की संख्या भी कम करने पर विचार किया जा रहा है।

लगातार बदल रहे हैं पाकिस्तान के सेलेक्टर्स

वहाब रियाज ने टी20 विश्व कप 2024 में पाकिस्तान की टीम के साथ सीनियर टीम मैनेजर की भी भूमिका निभाई थी। पीसीबी चीफ ये दर्शाने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर टीम ने बेहतर प्रदर्शन नहीं किया तो किसी भी भी कुर्सी पर खतरा आ सकता है, कोई भी खुद को सुरक्षित महसूस न करे। पिछले चार साल में पीसीबी ने छह चीफ सेलेक्टर्स को देखा है। इसमें वहाब रियाज, हारून राशिद, शाहिद अफरीदी, इंजमाम–उल–हक, मोहम्मद वसीम और मिस्बाह–उल–हक शामिल हैं, हालांकि कोई भी इस पद पर लंबे वक्त तक नहीं रह सका और समय समय पर इनकी छुट्टी होती रही।

बाबर आजम की कप्तानी पर भी पीसीबी को लेना है फैसला

टी20 वर्ल्ड कप में बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को यूएसए जैसी कमजोर मानी जाने वाली टीम से भी हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद महामुकाबले में रोहित शर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने भी उसे मात दे दी थी। इसके साथ ही पाकिस्तान की सुपर 8 में जाने की संभावनाएं भी खत्म हो गई थी।

मेदवेदेव के खिलाफ हार के साथ शीर्ष वरीय सिनर विंबलडन से बाहर, वेकिच पहली बार सेमीफाइनल में

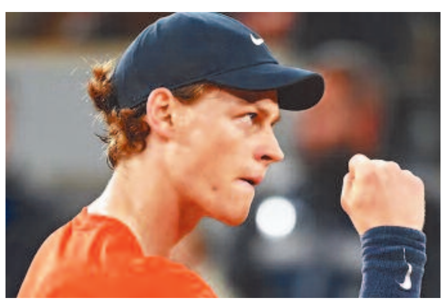

लंदन, एजेंसी। शीर्ष वरीय यानिक सिनर को दानिल मेदवेदेव ने पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर मंगलवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई। मेदवेदेव ने पहला सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए सिनर को 6–7(7), 6–4, 7–6(4), 2–6, 6–3 से हराया। सिनर के इस मुकाबले के दौरान अपने ट्रेनर से उपचार लेना पड़ा और वह तीसरे सेट में कोर्ट से चले गए थे। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि सिनर को क्या हुआ था। लॉकर रूम में जाने से पहले उनकी हृदय गति की जांच भी की गई। इटली का यह 22 वर्षीय खिलाड़ी लगभग 10 मिनट बाद वापस लौटा और फिर से खेलना शुरू किया।

डोना वेकिच पहली बार ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में

क्रोएशिया की 28 वर्षीय खिलाड़ी डोना वेकिच ने मंगलवार को यहां विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में तीन सेट तक चले मुकाबले में लुलु सन को हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के

यूरो कप : 2024

फ्रांस को हराकर स्पेन यूरो कप 2024 के फाइनल में

16 साल के स्पैनिश फुटबॉलर यमाल ने रचा इतिहास

बर्लिन, एजेंसी। 16 वर्षीय लामेन यमाल यूरो कप फुटबॉल टूर्नामेंट के इतिहास के सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। मंगलवार को म्यूनिख में खेले गए सेमीफाइनल में यमाल और दानी ओल्मो की गोल की बदौलत स्पेन ने फ्रांस को 2-1 से हरा दिया और यूरो 2024 के फाइनल में जगह बनाई। रैंडल कोलो मुआनी के नौवें मिनट में किलियन एम्बाप्पे के क्रॉस पर किए गए गोल से पिछड़ते हुए स्पेन ने चार मिनट के अंदर ही मैच का पासा पलट दिया। स्पेन ने इस टूर्नामेंट में पिछले पांच मैचों में केवल एक गोल खाने वाली टीम के खिलाफ चार मिनट के अंदर दो गोल दागे और फिर से इस बढ़त को कायम रखते हुए जीत हासिल की। यमाल यूरो कप फाइनल से एक दिन पहले अपना 17वां जन्मदिन मनाएंगे। अब फाइनल में स्पेन का सामना बर्लिन में नीदरलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

यमाल ने बॉक्स के बाहर से शानदार स्ट्राइक कर गोल दागा और स्पेन को बराबरी करने में मदद की। गेंद फ्रांस के गोलकीपर माइक मैग्नन की अंगुलियों को छूते हुए गोलपोस्ट में

चली गई। स्पेन ने 25वें मिनट में बढ़त बना ली जब दानी ओलमो ने नेट में गेंद को पहुंचा दिया। मिडफील्ड गेम मैनेजमेंट के मास्टर्स स्पेन ने बढ़त लेने के बाद डिफेंसिव खेल दिखाया। काउंटर अटैक के बजाय बॉल पजेशन पर ज्यादा ध्यान दिया।

हर सॉन्ग के लिए फ्रांस जाते वक्त

कल्कि कोचलिन का सामान खो गया

एक्ट्रेस कल्कि कोचलिन अपनी अगली फिल्म हर सॉन्ग की शूटिंग कर रही हैं। खबर है कि फ्रांस में शूटिंग लोकेशन पर जाते समय एक्ट्रेस का सामान खो गया था।

एक्ट्रेस के एक करीबी सूत्र ने बताया कि शूटिंग के पहले तीन दिनों तक कल्कि को अपनी को-स्टार एलिया क्लेयर से पहनने के लिए कपड़े लेने पड़े। मौसम के चलते स्थिति और भी मुश्किल हो गई थी, क्योंकि शुरुआती दिनों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस था और कल्कि के पास अपने गर्म कपड़े नहीं थे। लेकिन जब सामान उन तक पहुंचा, तब तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था, इससे उनके गर्म कपड़े इस्तेमाल में नहीं आ सके। यह पहली बार नहीं है जब एक्ट्रेस के साथ ऐसा हुआ हो, ट्रैवल के दौरान उनका सामान खोना एक आम समस्या बन गई है। हर सॉन्ग में कल्कि अमेरिकी-फ्रेंच लेखिका ओलिविया की भूमिका निभाती नजर आएंगी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कल्कि ने आईएएनएस से बात की और बताया, ओलिविया न्यूयॉर्क में रहती हैं और तेज दिमाग की हैं।

वह मूल रूप से फ्रांस की हैं, जहां वह अपनी दादी की कहानी लिखने के लिए वापस लौटती हैं। कोविड-19 महामारी के दुनिया भर में फैलने के बीच वह खुद को आधा अतीत में और आधा भविष्य में पाती हैं। उन्होंने कहा, अमेरिकी लेखिका की भूमिका निभाना चुनौतीपूर्ण है, जिसे ऐसा लगने लगता है कि वह अपने हर शब्द से अपने आस-पास की दुनिया को प्रभावित कर रही हैं, यह मजेदार और चुनौतीपूर्ण है। कल्कि ने कहा, मैं नौवेल्ले वेग से लेकर फ्रेंच सिनेमा देखते हुए और एडिथ पियाफ जैसे क्लासिक सिंगर्स को सुनते हुए बड़ी हुई हूं।

बता दें कि कल्कि ने साल 2009 में देव डी से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म के लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्होंने मार्गरिटा विद अ स्ट्रॉ के लिए नेशनल अवॉर्ड भी अपने नाम किया।

एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान उर्वशी हुई घायल

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला नंदमुरी बालकृष्ण की तेलुगु फिल्म एनबीके 109 में नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। फिल्म में बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला फिल्मों के साथ-साथ निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोरती हैं।

वे खुद से जुड़ी जानकारी फैंस के साथ साझा करती हैं। अब हाल ही में, खबर आ रही है कि अभिनेत्री हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं। आइए जानते हैं कि मामला क्या है।

अस्पताल में भर्ती हुई उर्वशी

अभिनेत्री उर्वशी रौतेला नंदमुरी बालकृष्ण की तेलुगु फिल्म एनबीके 109 में नजर आने वाली हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेत्री हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगने के बाद अस्पताल में भर्ती हैं।

फिल्म में बॉबी देओल भी मुख्य भूमिका में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उर्वशी की टीम की ओर से जारी एक प्रेस बयान में बताया गया कि अभिनेत्री को भयानक फ्रैक्चर हुआ है। अब उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका बेहतरीन इलाज किया जा रहा है। उर्वशी की टीम ने आगे बताया कि उन्हें एक हाई-ऑक्टेन सीन की शूटिंग के दौरान फ्रैक्चर हुआ और तब से उन्हें दर्द हो रहा है।

कथित तौर पर, उर्वशी हाल ही में एनबीके 109 के तीसरे शेड्यूल की शूटिंग के लिए हैदराबाद रवाना हुई थीं। उर्वशी के स्वास्थ्य अपडेट के साथ-साथ दुर्घटना के बारे में आगे की जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। उर्वशी ने अस्पताल से कोई तस्वीर या वीडियो साझा नहीं किया है। एनबीके 109 इस फिल्म का संभावित नाम है। यह नवंबर 2023 में फ्लोर पर आएगी। बॉबी कोली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में थमन एस ने संगीत दिया है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा नहीं की है।

विक्की कौशल से बोले अनिल कपूर

कैटरीना किस्मत वाली हैं कि उनके पति आप हैं

रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी सीजन 3 के वीकेंड का वार एपिसोड काफी चर्चा में रहा। विक्की कौशल भी फिल्म प्रमोशन के लिए यहां पहुंचे। अनिल कपूर ने कहा कि कटरीना सौभाग्यशाली हैं क्योंकि उन्हें पति के रूप में विक्की कौशल मिले हैं।

विक्की कौशल को स्टार एमी विर्क के साथ फिल्म बैड न्यूज को प्रमोट करने पहुंचे थे। स्टार्स के साथ अनिल कपूर ने खूब मस्ती की। विक्की ने जिम वर्क आउट से जुड़ा एक बड़ा राज भी खोला। उन्होंने बताया कि वो और अनिल कपूर एक ही जिम में वर्जिश करते हैं। एपिसोड के दौरान अनिल ने विक्की की तारीफ करते हुए कहा, मैंने कैटरीना कैफ के साथ काम किया है। वह एक शानदार और मेहनती एक्ट्रेस हैं। आप दोनों की जोड़ी बहुत अच्छी है और वह सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें आप पति के रूप में मिले। बता दें कि अनिल इससे पहले कैटरीना के साथ वेलकम, रेस और हमको दीवाना कर गए जैसी फिल्मों में काम कर चुके हैं। बैड न्यूज एक कॉमेडी फिल्म है, जो 19 जुलाई को थिएटर्स में रिलीज होगी।

इसमें तृप्ति डिमरी, विक्की कौशल और एमी विर्क लीड रोल में है। फिल्म का निर्देशन आनंद तिवारी ने किया है और हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और अमृतपाल सिंह बिंद्रा इसके सह-निर्माता हैं।

इसकी कहानी तरुम डुडेजा और इशिता मोइत्रा की जोड़ी ने लिखी है। फिल्म में विक्की और एमी दोनों को ही तृप्ति से प्यार है, तृप्ति मां बनने वाली है और सस्पेंस यही है कि आखिर दोनों में से होने वाले बच्चे का पिता कौन है? वहीं बिग बॉस ओटीटी 3 के लेटेस्ट एपिसोड की बात करें, तो इसमें रणवीर, साई केतन, सना सुल्तान, सना मकबूल, नेजी, चंद्रिका और कृतिका इस बार नॉमिनेशन से सुरक्षित दिखाए गए हैं। वहीं घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट हुए घरवालों में दीपक, लवकेश, विशाल, शिवानी और अरमान मलिक (सजा के रूप में) का नाम हैं। बिग बॉस ओटीटी 3 जियो सिनेमा पर प्रसारित होता है।

ऑस्कर विनर गुनीत मोंगा के साथ काम करना चाहती हैं जरीन

बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान ने सलमान खान की फिल्म वीर से बॉलीवुड में डेब्यू किया। वह इंडस्ट्री में कुछ फिल्म मेकर्स के साथ काम करना चाहती हैं, इसमें ऑस्कर विनर गुनीत मोंगा का नाम भी शामिल हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि गुनीत मोंगा के काम में क्रिएटिविटी और सोशल मैसेज होता है।

जब जरीन से पूछा गया कि वह किस फिल्म मेकर के साथ काम करने की ख्वाहिश रखती है, तो उन्होंने झट से गुनीत मोंगा का नाम लिया। गुनीत मोंगा की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि कहानी कहने के लिए गुनीत का पैशन वास्तव में प्रेरणादायक है। कहानियों को जीवंत करने की उनकी क्षमता वाकई तारीफ के काबिल है। जरीन ने मोंगा को फिल्म मेकिंग की दुनिया में लीडिंग व्यक्ति बताया। उन्होंने कहा कि चाहे वह कटहल हो, पगलैट हो, मसान हो, डॉक्यूमेंट्री द एलीफेंट व्हिस्परर्स हो या हाल ही में रिलीज हुई किल हो, उनका काम क्रिएटिविटी और समाज को प्रभावित करता है, जो उन्हें फिल्म मेकिंग की दुनिया की लीडर के तौर पर स्थापित करता है। इससे पहले जरीन ने वेब सीरीज पंचायत 3 की सराहना करते हुए ऐसी कहानियों में काम करने और किरदारों को निभाने की इच्छा जाहिर की थी। जरीन ने कहा था कि पंचायत जैसा शो ओटीटी स्पेस पर हावी हो रहे थ्रिलर और एक्शन जॉनर से बेहद अलग है। हमें ऐसे और शो की जरूरत है।

एक्ट्रेस ने कहा कि मैं ऐसी दुनिया का हिस्सा बनना चाहूंगी, जो मेरी असली क्षमता को सामने लाए। यह कुछ ऐसा है, जिसमें मैं वाकई करना चाहती हूं !! जरीन ने 2010 में सलमान खान की फिल्म वीर से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इसके बाद, वह 2011 में सलमान खान स्टारर रेडी के पॉपुलर ट्रैक कैरेक्टर ढीला में नजर आयीं। उन्होंने हाउसफुल 2 में भी काम किया।

जरीन हिंदी, पंजाबी, तेलुगु और तमिल इंडस्ट्री में जुड़ीं। नान राजवागा पोगिरेन के गाने मालगोव से तमिल सिनेमा में डेब्यू किया। 2014 में, उन्होंने पंजाबी फिल्म जट्ट जेम्स बॉन्ड में एक्टिंग की और 2015 की हेट स्टोरी 3 से हिंदी सिनेमा में वापसी की। जरीन को अब से पहले हरीश व्यास द्वारा निर्देशित हम भी अकेले तुम भी अकेले में देखा गया था। इस फिल्म में अंशुमान झा, रवि खानविलकर, गुरफतेह पीरजादा और नितिन शर्मा भी अहम किरदार में हैं।

अभिनेता साहिल खान को मिली जमानत

महादेव सट्टेबाजी एप मामले में अभिनेता साहिल खान को लेकर एक और अपडेट सामने आया है। वह पिछले कुछ दिनों से महादेव सट्टेबाजी एप में कथित संबंध होने को लेकर सुर्खियों में बने हुए है। इस मामले में साहिल को 28 अप्रैल को छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार किया गया था और बाद में आगे की जांच के लिए मुंबई लाया गया था। अभिनेता साहिल खान ने 'स्टाइल' और 'एक्सक्यूज मी' जैसी फिल्मों में काम किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले सप्ताह ही अभिनेता साहिल खान को इस मामले में 70 दिनों के बाद जमानत मिली है, क्योंकि उनके खिलाफ कोई प्रथम दृष्टया मामला नहीं बनता। अभिनेता, सोशल मीडिया पर्सनालिटी, फिटनेस के दीवाने और व्यवसायी साहिल खान को अप्रैल 2024 में ऑनलाइन सट्टेबाजी एप लॉयन बुक के साथ कथित तौर पर महादेव एप से जुड़े होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। साहिल खान को मुंबई की विशेष अदालत ने 1 मई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया था। हालांकि, पिछले हफ्ते उन्हें जमानत मिल गई है।

दिलजीत दोसांझ ने पहाड़ों की सैर करते हुए दिए खुश रहने के टिप्स

नवीनतम फिल्म जट्ट एंड जूलियट 3 में नजर आने वाले पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने अपना औरा (आभा) साफ रखने के लिए पहाड़ों की सैर करते हुए अपने फैंस के साथ कुछ टिप्स शेयर किए। दिलजीत ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की। हालांकि, इसका मनोरंजक वॉयस ओवर सबसे अलग है। क्लिप की शुरुआत दिलजीत के वॉयस ओवर से होती है। रील में दिलजीत यह कहते हुए नजर आते हैं, आपने कभी महसूस किया है कि दुनिया में काम करते, लोगों से मिलते न चाहते हुए भी बहुत सारे थॉट्स हम अपने साथ ले लेते हैं, जो शायद हमारे नहीं थे, जिनका हमारे जिंदगी में कोई अर्थ नहीं था, और फिर वो हमें परेशान करते है। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि अगर ऐसे विचार किसी को परेशान करते हैं, तो पहाड़ों पर जाना मददगार हो सकता है। रील में उन्होंने आगे कहा, आपके अंदर का बच्चा खो जाए, तो वह पहाड़ों में मिल जाएगा। याद करना वह छोटी-छोटी खुशी, जब चलना सीखा था, पहली बार साइकिल मिली थी, शुक्र है उस परमात्मा का, जिसने हमें जीने के लिए यह जर्नी दी। आगे वह मजाकिया लहजे में कहते हैं, मेटावर्स के चक्कर में जिसका अनुभव लेने आए थे कहीं वह ही न रह जाएज चिंता न करें अगर पहाड़ दूर पड़ रहे हैं, तो 'जट्ट एंड जूलियट 3' देखकर सारी जिंदगी का मकसद पता चल जाएगा, आंखें खुल जाएंगी। उन्होंने वीडियो को कैप्शन दिया, अपनी आभा को साफ करने का सरल तरीका। जगदीप सिद्धू द्वारा निर्देशित जट्ट एंड जूलियट 3 में नीरू बाजवा भी हैं।

सादगी से भरे स्टाइल पसंद आते हैं:मीरा राजपूत कपूर

बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत कपूर ने बताया कि उन्हें सादगी से भरे स्टाइल पसंद आते हैं। उनके लिए फैशन पर्सनल स्टाइल और अपना व्यक्तित्व दिखाने का तरीका है। मीरा राजपूत कपूर ने कहा, मेरे लिए फैशन पर्सनल स्टाइल और अपने व्यक्तित्व की विशेषता दिखाने का तरीका है। यह कपड़ों और एक्सेसरीज के जरिए खुद को इस तरह से पेश करने के बारे में है जो ऑथेंटिक और कम्फर्टेबल लगता है। ज्वेलरी लेबल परफेक्टली एवरेज की ब्रांड एंबेसडर मीरा ने आईएएनएस को बताया, मुझे सादगी से भरपूर स्टाइल पसंद आते है।

मैं ऐसे कपड़ों को ज्यादा चुनती हूं, जो क्लासिक होने के साथ-साथ मॉडर्न भी हों और दिन से रात तक आसानी से पहने जा सकें। मीरा मानती हैं कि उनके लिए फैशन का मतलब आत्मविश्वास है। मीरा ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ सीखा है और अभी भी सीखने की प्रक्रिया में हूं। मेरे लिए, फैशन का मतलब सिर्फ ट्रेंड को फॉलो करना नहीं है, बल्कि एक ऐसा वॉर्डरोब तैयार करना है जो मेरी पहचान को दर्शाता हो और मुझ में आत्मविश्वास भरता हो! ताकि हर बार जब आप किसी शो में नजर आएं, तो आपका स्टाइल बेहतरीन लगे।